राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 18 जुलाई 2023 वर्ष-6,अंक-174 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश के शिवालयों में सावन के दूसरे सोमवार पर आस्था का सैलाब

नई दिल्ली। देशभर के शिव मंदिरों और देवालयों में आज आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। सोमवती अमावस्या और सावन के दूसरे सोमवार के मौके पर लोगबाग जन बच्चों के साथ भगवान शंकर को जल और बेल पत्र चढ़ाने के लिए कतारबद्ध हैं। उत्तराखंड के हरिद्वार में सोमवती अमावस्या के अवसर पर बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने तड़के गंगा नदी में पावन स्नान किया। सावन के दूसरे सोमवार पर विश्व प्रसिद्ध उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में लोगों ने पूजा-अर्चना की। बड़ी संख्या में लोग भगवान विश्वनाथ के दर्शन के लिए काशी पहुंचे हैं। चित्रकूट में सोमवती अमावस्या पर पयस्वनी नदी में स्नान के लिए बड़ी संख्या में लोग दूरदराज से पहुंचे हैं। सावन के दूसरे सोमवार पर झारखंड के देवघर में भी बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री और शिव भक्त पहुंचे। उन्होंने बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की।हिमाचल प्रदेश के मंडी में स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर में माहौल शिवमय है।

जम्मू आधार शिविर से अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुए 6216 तीर्थयात्री

जम्मू। बम बम भोले के जयकारों के बीच सोमवार को 6216 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू-कश्मीर के भगवती नगर आधार शिविर से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए अमरनाथ गुफा रवाना हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि 6216 तीर्थयात्रियों का एक जत्था 225 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुआ। वहीं, 3164 तीर्थयात्री (2386 पुरुष, 647 महिलाएं, छह बच्चे, 78 साधु और 21 साध्वी) 122 वाहनों में पहलगाम के लिए रवाना हुए। इसी तरह से 3052 तीर्थयात्री, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 103 वाहनों के काफिले में बालटाल के लिए रवाना हुए।

अध्यादेश पर अब भी भारी है सरकार, कांग्रेस का साथ पाकर भी कैसे कमजोर है आम आदमी पार्टी

लोकसभा में भाजपा का अपने दम पर ही बहुमत है। ऐसे में इस अध्यादेश को वह आसानी से पारित करा लेगी। लेकिन राज्यसभा में कांग्रेस, एनसीपी जैसे दलों के जरिए आप को उम्मीद है कि वह अध्यादेश को रोक पाएगी।

नई दिल्ली। दिल्ली में अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर आए अध्यादेश का कांग्रेस ने भी सदन में विरोध करने का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी की ओर से विपक्षी मीटिंग में शामिल होने के लिए इसकी शर्त रखी गई थी। %आप% की इस शर्त पर कांग्रेस राजी हो गई है, लेकिन इसके बाद भी राज्यसभा का गणित उसके पक्ष में नहीं दिख रहा है। लोकसभा में भाजपा का अपने दम पर ही बहुमत है। ऐसे में इस अध्यादेश को वह आसानी से पारित करा लेगी। लेकिन राज्यसभा में कांग्रेस, एनसीपी जैसे दलों के जरिए आम आदमी पार्टी को उम्मीद है कि वह अध्यादेश को रोक लेगी।

इसकी वजह यह है कि भाजपा का राज्यसभा में अपने दम पर बहुमत नहीं है। फिर भी भाजपा का पलड़ा उच्च सदन में भी भारी है। इसकी वजह यह है कि सदन में उसके सबसे ज्यादा 92 सदस्य हैं। एनडीए को भी मिला लें तो कुल संख्या 104 हो जाती है। इसके बाद उसे 5 नामित सदस्यों और दो निर्दलीय सांसदों का भी समर्थन हासिल है। यही नहीं भाजपा को वाईएसआर कांग्रेस और बीजू जनता दल का भी समर्थन मिल सकता है, जो उसे कई अहम मुद्दों पर सदन में सपोर्ट कर चुके हैं। फिलहाल उच्च सदन की कुल संख्या 237 है। ऐसे में बीजेडी और वाईएसआर कांग्रेस का समर्थन

निर्णायक होगा।

उच्च सदन में बीजेपी और वाईएसआर के हैं 9-9 सदस्य

वाईएसआर कांग्रेस और बीजेडी दोनों के ही सदन में 9-9 सदस्य हैं। यदि इन दो दलों का समर्थन भी भाजपा को जाता है तो फिर कुल संख्या 111+18 के साथ 129 पर पहुंच जाएगी। साफ है कि 237 सदस्यों वाले उच्च सदन में भाजपा ही नंबरगेम में मजबूत होगी। पहले भी कई अहम विधेयकों को पारित कराने में वाईएसआर कांग्रेस और बीजेडी ने भाजपा का ही साथ दिया था। दिल्ली के अध्यादेश का मुद्दा यूं भी इन दोनों दलों की क्षेत्रीय राजनीति या फिर उनके हितों को प्रभावित नहीं करता है। इसलिए माना जा रहा है कि फिर से ये भाजपा के ही पाले में जा सकते हैं।

राज्यसभा में भाजपा पा सकती है 132 वोट

इनके अलावा बसपा, टीडीपी और जेडीएस भी कई बिलों पर सरकार का समर्थन कर चुके हैं। इन दलों का भी दिल्ली में राजनीतिक वजूद नहीं है। इसके अलावा विपक्ष के महाजुटान से भी ये तीनों दल अलग दिख रहे हैं। इसलिए माना जा रहा है कि इनका समर्थन भाजपा को मिल सकता है। इस तरह वह राज्यसभा में 132 वोट हासिल करने की स्थिति है। यह उसके लिए बड़ी बात होगी।

वंदे भारत ट्रेन में लगी आग

भोपाल से दिल्ली जाते समय मध्य प्रदेश के बीना में हादसा

भोपाल। दिल्ली भोपाल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में आग लग गई है। घटना मध्य प्रदेश के बीना में हुई है। ट्रेन आज सुबह भोपाल से दिल्ली जा रही है। आग लगने की वजह के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। ट्रेन को रोक दिया गया है। आनन-फानन में रेलवे स्टाफ मौके पर पहुंच रहा है। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रानी कमलापति (भोपाल) से निज़ामुद्दीन (दिल्ली) जा रही वंदे भारत ट्रेन के C-14 कोच में आग लग गई। ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री के मुताबिक आग बैटरी से लगी। ट्रेन संख्या 20171 भोपाल-हजरत निज़ामुद्दीन वंदे भारत सोमवार सुबह 5.40 बजे रवाना हुई थी। बीना रेलवे स्टेशन से पहले कुरवाई केथोरा में ट्रेन के सी-14 कोच में आग लग गई। कोच में करीब 36 यात्री सवार थे। सुबह 7:10 बजे ट्रेन को कुरवाई केथोरा में रोका गया और यात्री सुरक्षित उतर गए। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

घटना के बारे में एक यात्री पवन कुमार ने बताया कि आग सी-14 कोच के नीचे लगी। सभी यात्रियों को बाहर निकल लिया गया है। ट्रेन रुकी तो देखा कि बैटरी में आग लगी हुई थी। ट्रेन को बीना रेलवे स्टेशन से पहले कुरवाई केथोरा में रोका गया। इधर

स्थानीय ग्रामीणों ने भी आग बुझाने में फायर ब्रिगेड टीम की मदद की। भोपाल के रानी कमलापति- से दिल्ली के निजामुद्दीन तक चलने वाली मध्य प्रदेश की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन है। इसे 1 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी।

पहाड़ों पर फिर भारी बारिश, उत्तराखंड से हिमाचल तक ऑरेंज अलर्ट

दिल्ली भी रहे सावधान!

देहरादून। पहाड़ों से मैदानों तक बारिश का दौर जारी है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आज भी भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने दोनों पहाड़ी राज्यों के लिए सोमवार को भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। उत्तराखंड और हिमाचल के लिए रविवार को भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। दिल्ली में भी 17 और 18 जुलाई को मूसलाधार बारिश की भविष्यवाणी की गई है। उत्तराखंड में भारी बारिश की वजह से अलकनंदा नदी उफान पर आ गई। नदी का जलस्तर इतना बढ़ा कि श्रीनगर बांध की

झील से रविवार सुबह पानी छोड़ा गया। इसका असर देवप्रयाग से लेकर हरिद्वार तक दिखा। देवप्रयाग में अलकनंदा खतरे के निशान के पार बहने लगी। हरिद्वार में गंगा ने चेतावनी का निशान पार कर दिया। यहां भीमगोड़ा बैराज का एक गेट भी पानी के दबाव से टूट गया। सोमवार को भी राज्य में भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग देहरादून के निदेशक विक्रम सिंह ने कहा, 17 मार्च को उत्तराखंड के लिए ऑरेंज अलर्ट है। 18 जुलाई से बारिश में कुछ कमी आएगी। उधर हिमाचल में भी पिछले कुछ दिनों से बादल जमकर बरसे हैं और 17 जुलाई के लिए एक बार फिर ऑरेंज अलर्ट है।

दिल्ली में बढ़ेगा संकट!

पहाड़ों पर भारी बारिश से बाढ़ का संकट झेल रही दिल्ली के लिए मुश्किलों में इजाफा हो सकता है। एक बार फिर यमुना में पानी बढ़ने की आशंका है। दिल्ली में बी मौसम विभाग ने 17-18 जुलाई को भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने की मात्रा में गिरावट के बाद दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे आ गया था।

केदारनाथ धाम में अब फोटो-वीडियो या रील्स नहीं बना पाएंगे तीर्थ यात्री

मंदिर समिति ने लगाया बैन

● मंदिर समिति केदारनाथ मंदिर परिसर में जगह-जगह चेतावनी बोर्ड लगाई कि अगर कोई फोटो लेता या वीडियो बनाता पकड़ा गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड चार धाम यात्रा शुरू होने के साथ ही देश के कई राज्यों से तीर्थ यात्री गंगोत्री-यमुनोत्री सहित चारों धामों में दर्शन करने को पहुंच रहे हैं। श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने केदारनाथ मंदिर के अंदर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंदिर समिति केदारनाथ मंदिर परिसर में जगह-जगह चेतावनी बोर्ड लगाई कि अगर कोई फोटो लेता या वीडियो बनाता पकड़ा गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजय अजेंद्र ने बताया कि पिछले दिनों कुछ तीर्थयात्री मंदिर के अंदर अभद्र तरीके से वीडियो और रील बना रहे थे और तस्वीरें भी खींच रहे थे इसलिए केदारनाथ में चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं।

कूनो में रेडियो कॉलर ले रहा चीतों की जान ? चौंकाने वाला दावा, सरकार ने दिया जवाब

भोपाल। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में तीन दिन में दो चीतों की मौत हो गई है। ऐसे में 10 चीतों से रेडियो कॉलर हटाने की कवायद शुरू हो गई है। ऐसा विशेषज्ञ के दावे की वजह से किया जा रहा है। वन्यजीव अधिकारियों ने रेडियो कॉलर की वजह से चीतों की मौत होने की संभावना जताई है। कुनो में अधिकारियों की सहायता के लिए इस हफ्ते भारत आने वाले सहित दो दक्षिण अफ्रीकी चीता विशेषज्ञों का भी कहना है कि रेडियो कॉलर की वजह से समस्याएं पैदा हो सकती है। दूसरी ओर, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) ने रविवार को कहा कि रेडियो कॉलर के कारण चीतों की मौत की रिपोर्ट वैज्ञानिक

प्रमाणों पर आधारित नहीं है, और सभी मौतें प्राकृतिक कारणों से हुई हैं। मध्य प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) जे एस चौहान ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि कल इस मुद्दे पर हमारी बैठक है।

चौहान ने कहा, मानसून के कारण रेडियो कॉलर की वजह से संक्रमण फैलने की संभावना रहती है। इन मामलों में उच्च नमी के कारण, चीता अपनी त्वचा को खरोंच (स्क्रैच) सकता है, जो फट सकती है और मक्खी के संपर्क में आने के बाद संक्रमण फैल सकता है। यह चीतों की मौत का एक कारण हो सकता है। हमें यह जानने के लिए गहन जांच की जरूरत है कि क्या इसके अन्य कारण भी हैं। दोनों चीतों के अंगों को समान क्षति हुई - उनके दिल, स्प्लीन और गुर्दे क्षतिग्रस्त हो गए थे। रेडियो कॉलर कोई घातक चीज नहीं है, यह एक कारक हो सकता है और इसका समाधान किया जाना चाहिए। नामीबिया के चीता भाइयों गौरव और शौर्य जिन्हें द रॉक स्टार्स भी कहा जाता है, में समान समस्या दिखाना शुरू हो गई है, जिसके बाद वन्यजीव अधिकारियों द्वारा कॉलर हटाने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की उम्मीद है। जे एस चौहान ने कहा, हमें शक है कि इन दोनों नर चीतों में एक जैसी समस्या हो सकती है। हमारी मॉनिटरिंग के दौरान यह देखने को मिला है। हम उनके रेडियो कॉलर हटाने वाले हैं। कॉमन सेंस यही कहती है। सभी 10 जंगली चीतों के कॉलर हटाने में बहुत समय लगेगा। बाड़े के अंदर पांच चीते भी हैं। हम यह नहीं कह सकते कि स्वतंत्र घूम रहे चीतों के कॉलर हटाने में कितना समय लगेगा, लेकिन हमें उनके कॉलर हटा देने चाहिए और सभी की निगरानी करनी चाहिए। हम इस मामले पर सख्ती से निगरानी रखेंगे।

तो बंट जाएंगे पासवान ? अगर यहां भिड़ते रहे चाचा-भतीजा तो बीजेपी को होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी दो फाड़ पहले ही हो चुकी है। अब पशुपतिनाथ पारस की अगुवाई वाला एक समूह पहले ही भारतीय जनता पार्टी के साथ है। वहीं, भतीजे चिराग पासवान के नेतृत्व वाले गुट के भी साथ आने की अटकलें जारी हैं। अब कहा जा रहा है कि लोजपा को एक करना भाजपा के लिए सिरदर्द बनता जा रहा है। खबरें हैं कि केंद्रीय मंत्री पारस ने भतीजे के साथ आने के प्रस्ताव से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अगर दोनों गुटों में तकरार जारी रही, तो भाजपा के सामने पासवान मतों के बंटने का जोखिम बना रहेगा।

झगड़ा समझें-कहा जा रहा है कि चाचा-भतीजे के बीच हाजीपुर सीट को लेकर बड़ा झगड़ा जारी है। दरअसल, यह सीट दिवंगत राम विलास पासवान का गढ़ रही है और दोनों ही नेता इस विरासत को साधने की कोशिश में हैं। साल 2019 चुनाव में यहां से पारस ने यहां से जीत हासिल की थी। जबकि,

चिराग जमुई से जीते थे। चाचा ने भतीजे के लिए सीट छोड़ने से इनकार कर दिया था।

उखड़े नजर आ रहे हैं पारस

हाल ही में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने दोनों दलों से मिले थे और पार्टी को एक करने का प्रस्ताव रखा था। खबर है कि पारस की तरफ से इसे अस्वीकार कर दिया गया। लोजपा नेता ने राय के साथ हुई बैठक को लेकर कहा, उन्होंने कहा कि चाचा, भतीजे को साथ आना चाहिए। मैंने कहा कि ऐसा मुमकिन नहीं है। जब चीजें खराब हो जाती हैं, जब दूध फट जाता है तो आप कितनी भी कोशिशें कर लें, आपको मक्खन नहीं मिलेगा।

NDA की बैठक के लिए चिराग को न्योता-खास बात है कि भाजपा ने सोमवार को होने वाली एनडीए की बैठक के लिए चिराग को भी न्योता भेजा है। इसे लेकर पारस गुट का कहना है कि वे चिराग के मीटिंग में शामिल होने का विरोध नहीं करेंगे, लेकिन वे उनका स्वागत भी नहीं करेंगे। पारस ने कहा, यह चुनावी साल है। हर पार्टी ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ना चाहती है...। इसलिए चिराग पासवान और जीतन राम मांझी को न्योता भेजा गया है। लोग बैठक में आएंगे, जो अच्छी बात है। जो कुछ भी होगा वह बैठक के नतीजे पर निर्भर करेगा।

लालू का क्यों नहीं करते विरोध, पारस का सवाल-पारस ने चिराग पर राष्ट्रीय जनता दल के साथ होने के आरोप लगाए। उन्होंने सवाल किया, क्या आपने कभी भी चिराग पासवान को लालू जी और तेजस्वी यादव का विरोध करते देखा है। लोजपा के 6 में से पांच सांसदों का समर्थन पारस को हासिल है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

रंग बदलता सागर

जलवायु परिवर्तन पृथ्वी की सतह को नया आकार-प्रकार दे रहा है, यहां तक कि सागर भी अब रंग बदलने लगे हैं। एक ताजा अमेरिकी अध्ययन में बताया गया है कि दुनिया का आधे से अधिक महासागर क्षेत्र हरित होता जा रहा है। साफ संकेत किया गया है कि यह प्रवृत्ति मानव-जनित ग्लोबल वार्मिंग से जुड़ी है। वैज्ञानिक यह पता लगाने में जुटे हैं कि सागर का रंग आखिर हरा क्यों हो रहा है? कुछ स्थानों पर पानी में तैरते प्लवक या अन्य कार्बनिक पदार्थ पाए जा रहे हैं, जिससे बदलाव का पता चलता है। वैज्ञानिकों को लगता है कि इस प्रकार के बदलाव का पूरे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव पड़ सकता है। हरे होते सागर में गहरे शोध के लिए अनेक सवाल तैरने लगे हैं। नेचर पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन यह बताता है कि दुनिया भर में पानी की सतह पर परावर्तित प्रकाश संबंधी 20 वर्षों के उपग्रह डाटा की जांच की गई है। यह सूक्ष्म परिवर्तन जरूरी नहीं कि हर जगह नग्न आंखों से दिखाई दे जाए, पर यह सच है कि दुनिया के 56 प्रतिशत महासागर का रंग बदल रहा है। उपोष्णकटिबंधीय और उष्णकटिबंधीय इलाकों सहित निचले अक्षांशों में यह बदलाव खास तौर पर ज्यादा है। बदलाव का पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने एक कंप्यूटर मॉडल का भी उपयोग किया है। इसका भी इशारा यही है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से ऐसा हो रहा है। सागर के रंग संबंधी पुराने आंकड़ों का मिलान नए आंकड़ों से किया गया है। महज 20 वर्ष के समय में बदलाव स्पष्ट दिखता है। अगर यह बदलाव धरती के बढ़ते तापमान की वजह से हो रहा है, तो वैज्ञानिकों को पुख्ता समाधान के साथ सामने आना चाहिए। खतरा कितना भी बड़ा हो, उसके वैज्ञानिक अध्ययन और ठोस उपाय या समाधान बताने में पूरी ईमानदारी रहनी चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग को जितना बड़ा खतरा माना जा रहा है, हकीकत उससे कहीं ज्यादा त्रासद है। सागर को हमने सदियों से नीलवर्णी ही देखा है और अगर वह हरितवर्णी होने लगा है, तो इससे ज्ञान-विज्ञान और साहित्य पर असर पड़ना तय है। यह भी देखने में आया है कि सागर में कुछ धाराओं का प्रवाह भी बदल रहा है। धाराओं की संरचना भी बदल रही है। इन बदलावों का गहराई से सतत अध्ययन होना चाहिए। यह बात हम सभी जानते हैं कि सागर में जैव-विविधता भी बहुत तेजी से घट रही है और इसके लिए भी ग्लोबल वार्मिंग को ही जिम्मेदार माना गया है। आशंका है कि जैसे-जैसे दुनिया गरम होती जाएगी, वैश्विक महासागर भी बदलते जाएंगे। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एक वरिष्ठ शोध वैज्ञानिक, अध्ययन की सह-लेखक स्टेफनी ने कहा है कि 'वास्तव में, ऐसा होते देखना आश्चर्यजनक नहीं, बल्कि भयावह है।' गौर कीजिए, सागर ही नहीं, जगह-जगह मिट्टी और आकाश का रंग भी पहले जैसा नहीं है। महानगरों में तो हर चीज पर प्रदूषण की एक मोटी परत जमी रहती है। रात में सितारों भरा आसमान देखना दुर्लभ होता जा रहा है। लोग भूलने लगे हैं कि आकाश में कितने सितारे सजे हुए हैं। सितारे भी पहले अलग-अलग रंग में दिखते थे, लेकिन अब उन्हें कम से कम महानगरों से देखना व रंग में अंतर करना मुश्किल होता जा रहा है। अनेक नदियों का पानी भी दिनोंदिनों हरा और काला होता जा रहा है। ऐसा क्यों हो रहा है? अब सबको पता है। अतः अब सूचना से आगे बढ़कर ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए हर मुमकिन कोशिश हर किसी को करनी पड़ेगी।

आज का राशिफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

कसौटी पर स्कूली शिक्षा की उपलब्धियां

सुरेश सेठ

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने हाल ही में देश की स्कूली शिक्षा के बारे में जो विहंगम दृष्टिपात किया है, वह देश की शिक्षा के भाग्य-विधाताओं द्वारा शिक्षा क्रांति के दावों की पैरवी करने के बावजूद करोड़ों नौनिहालों के लिए विशेष आस नहीं बंधा रहा। बेशक यह महसूस कर लिया गया कि देश की नई पीढ़ी को नवजागरण की आवश्यकता है। यह भी कि अमृत महोत्सव तक आते-आते राष्ट्र विकास का कितना पथ तय कर गया और अगले 25 साल में स्कूली नौनिहालों ने प्रगति की धुरी बनकर उसे कहां से कहां ले जाना है। इसीलिए देश में शिक्षा के प्रसार के लिए समय-समय पर अनेक कार्यक्रम और अभियान चलाए जाते हैं। इस चुनावी साल में राजनीतिक दलों के चुनावी एजेंडे में दो ही बातें प्रमुख हैं। एक स्कूली शिक्षा का विकास और दूसरा प्राथमिक चिकित्सा एवं सही उपचार की उपलब्धता। निश्चय ही देश के उत्तरी हिस्से यानी पंजाब, हरियाणा और हिमाचल में शिक्षा-प्रसार को लेकर चलाए गए अभियान दावा करते हैं कि नई पौध का बहुत बड़ा हिस्सा अब शिक्षा के दायरे में आ गया है। हाल ही में जारी किये गये एक परफॉरमेंस ग्रेडिंग सूचकांक रिपोर्ट में स्पष्ट कर दिया गया है कि पंजाब और केन्द्र शासित क्षेत्र चंडीगढ़ में स्कूली शिक्षा के प्रचार-प्रसार की बहुत अच्छी स्थिति है। स्कूल शिक्षा के लिए मूलभूत ढांचे का विकास किया गया है।

शिक्षा के इस नये मॉडल में नया सिद्धांत लागू करते हुए निजी स्कूलों के वर्चस्व को सरकारी स्कूल, मैरिट स्कूल और स्कूल ऑफ एमिनैंस भी चुनौती दे रहे हैं। ऐसे में पंजाब और चंडीगढ़ गर्वित हो सकते हैं कि स्कूली शिक्षा की उपलब्धि के मामले में वे शीर्ष पर हैं। लेकिन यह शीर्ष कैसा है? असल में यदि इसकी गुणवत्ता जांचें तो पाते हैं कि इस जांच-पड़ताल के लिए पहले पांच कसौटियां थीं, अब दस कसौटियां बना दी गई हैं। लेकिन ये राज्य जो नौनिहालों की शिक्षा के मामले में शीर्ष पर बैठे हैं, पहली पांच कसौटियों को भी पूरा ही नहीं करते। बाकी पांच कसौटियों के मामले में वे इन्हें आंशिक रूप से पूरा करते हैं।

बता दें कि साल 2017 में प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक के दस ग्रेड तय किए गए थे। शिक्षा में निवेश तो किया गया। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब का दावा है कि उन्होंने शिक्षा-प्रसार के लिए पिछले वर्ष से 50 प्रतिशत अधिक खर्च किया है। कसौटी तो यह भी है कि देश के नौनिहालों को नई शिक्षा नीति के अधीन रोजगार उन्मुख और शोधपरक शिक्षा देने के लिए सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 6 प्रतिशत व्यय करना चाहिए लेकिन वास्तविकता यह है कि यह चाहे आधुनिकता का दम भरने वाला पंजाब हो या चंडीगढ़ यहां शिक्षा के लिए सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत से अधिक खर्च नहीं किया जाता है। वहीं परिणाम की बात की जाये तो शिक्षा का यह प्रभाव कई प्रतिमानों पर पूरा नहीं उतरता। शिक्षा प्रदान करने के वार्षिक खाते को निरंतर सुधारा नहीं जा रहा है। बेहतर साधनों को साझा नहीं किया जा रहा अर्थात सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों को एक ही कड़ी मानकर शिक्षा प्रदान करने की डिजिटल सुविधाओं को लागू नहीं किया गया।

जहां तक शिक्षा प्रबंधन का संबंध है, उसमें भी कमियां हैं। कहा जाता है कि स्कूली छात्रों और अध्यापकों का अनुपात 1 और 40 से अधिक नहीं होना चाहिए लेकिन हकीकत में कई ग्रामीण स्कूलों में 1 या 2 अध्यापक ही सभी प्राइमरी कक्षाओं को संभालते हैं। शिक्षकों को नियमित करने की भी एक समस्या है। शिक्षक के तौर पर चयनित हो जाने के बाद उन्हें नियुक्ति पत्र पाने के लिए भी अनावश्यक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। शिक्षा का मूलभूत ढांचा तो शिक्षण संस्थानों के परिसर बनाकर खड़ा कर दिया गया लेकिन उनमें जो शोध, पुस्तक संस्कृति और रोजगारपरक योग्यता के विकास का माहौल होना चाहिए, वह नहीं पाया जाता। पंजाब की तो स्थिति यह है कि यहां विज्ञान विषयों और शोध प्रयासों से बचकर छात्र कला संकाय की ओर भागते हैं। मुख्य मकसद डिग्री हासिल करना और 'बैंड' बनाकर विदेशों की ओर पलायन करना रहता है। बेशक देश में शिक्षा की हालत में सुधार के लिए लम्बे समय से प्रयास हो रहे हैं। सरकारी स्तर पर यह भली भांति ज्ञात है कि शिक्षा के बिना देश में ठोस विकास नहीं हो सकेगा। इसलिए नये-नये कार्यक्रम संचालित करते हुए उनकी गुणवत्ता में व्यावहारिकता लाने की नई कवायद होनी चाहिए, जो नहीं हो पाती है। पिछले कई सालों से स्कूलों में दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता को जब एक अनिवार्य कसौटी पर कसा जाता है तो उसके यही परिणाम निकलते हैं कि शिक्षा से समझ और ज्ञान के विकास में वह वृद्धि नहीं हो पा रही जो होनी चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, स्कूलों में पांचवीं, छठी या उससे ऊपर की कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चे भी दूसरी या तीसरी कक्षा की किताबें भी ठीक से नहीं समझ पाते। वहीं बड़ी कक्षाओं में भी उनका हाल बेहतर नहीं है। स्कूलों में वाचनालय या तो हैं नहीं, या उन्हें निरंतर नये प्रकाशनों से अपडेट नहीं किया जाता है। विद्यार्थी तो मोबाइल पर गेम्स को पुस्तक संस्कृति से अधिक प्राथमिकता देते हैं।

ऐसे में क्या यह जरूरी नहीं हो गया कि निचली कक्षाओं के बच्चों के बीच सीखने की प्रक्रिया को एक नये तरीके से संचालित किया जाए। उनमें नये-नये प्रयोगों और आचरण को बढ़ावा दिया जाए। यह भी जांचा जाए कि अध्यापक जो शिक्षण दे रहा है, वह छात्रों तक पहुंच भी रहा है या नहीं। क्यों ऐसी खबरें आ रही हैं कि परीक्षाओं में नकल का धंधा अब एक संगठित तरीके से उभर रहा है? क्यों प्राइमरी स्तर से ही नौनिहाल बगैर ट्यूशन के चल नहीं सकते? क्यों आज भी 'तोता रटंत' सफलता का रास्ता है? शिक्षा क्रांति से दुनिया बदल देने की बातें बहुत हो गईं लेकिन क्या कारण है कि वह क्रांति केवल ऊपरी लीपापोती तक ही ठिठक जाती है?

शिक्षा का उद्देश्य है छात्र के अंतस में एक नये ज्ञान का उजास भर देना। यह नया ज्ञान पुस्तकों से, प्रयोगों से और लीक से हट कर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने से ही होगा। लेकिन अगर अध्यापकों के मन में ही अपने द्वारा अर्जित ज्ञान को बार-बार ताजा करने की ललक नहीं है तो वे अपने छात्रों को पढ़ाई-लिखाई के नये रास्ते पर चलाकर उनकी शिक्षा से प्राप्त होने वाली समझ को कैसे सुधार सकेंगे? ऐसे में तो हालत वही रहेगी कि आठवीं कक्षा का बच्चा भी 3 या 4 अंकों के गुणा-भाग में ही अटकने लगता है। पुस्तकों को अपने जीवन का अनिवार्य अंग नहीं मानता। खेल भावना और नैतिक मूल्य तो उसके चरित्र का हिस्सा ही नहीं बन पाते। बेशक पंजाब और चंडीगढ़ ने देश के शिक्षा परफॉरमेंस ग्रेडिंग सूचकांक में शीर्ष स्थान प्राप्त कर लिया लेकिन सवाल उठता है कि यह शीर्ष स्थान पहले पांच ग्रेडों से अछूता रहकर छठे ग्रेड से क्यों शुरू हो रहा है?

लेखक साहित्यकार हैं।

महान संघर्षशील गांधीवादी नेता श्री नेल्सन मंडेला

(लेखक - विद्यावास्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

(18 जुलाई नेल्सन मंडेला अन्तर्राष्ट्रीय दिवस)

भारत रत्न और नोबल पुरूस्कार से सम्मानित श्री नेल्सन मंडेला की 105 वी जन्म तिथि के अवसर पर ऐसे महान संघर्षशील गांधीवादी नेता के जन्म दिवस पर कोटि कोटि बधाई। नेल्सन मंडेला अन्तर्राष्ट्रीय दिवस प्रति वर्ष 18 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र द्वारा शान्ति के लिये नोबल पुरस्कार विजेता पूर्व दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला के जन्म दिवस की यादगार के रूप में मनाया जाता है। इसका निर्णय 18 जुलाई 2010 को, जब मंडेला 92 वर्ष के हुए तब से प्रति वर्ष मनाने के लिये लिया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष अली ट्रेकी ने बताया कि यह निर्णय एक ऐसे महान व्यक्ति को सम्मानित करने के लिये लिया गया जिसने आम लोगों की भलाई के लिये न सिर्फ़ काम किया अपितु उसकी कीमत भी चुकायी। मंडेला ने अपने जीवन की सबसे ज्यादा उम्र (27 साल) क़ैद में बितायी। क़ैद के दौरान वे अधिकांश समय केप टाउन के किनारे बसे कुख्यात रॉबेन द्वीप बन्दीगृह में रहे। उनके 91 वें जन्म दिवस पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की मून ने कहा था - मंडेला संयुक्त राष्ट्र में उच्च आदर्शों के प्रतीक हैं। मंडेला को यह सम्मान शान्ति स्थापना, रंगभेद उन्मूलन, मानवाधिकारों की रक्षा और लैंगिक समानता की स्थापना के लिये किये गये उनके सतत प्रयासों के लिये दिया जा रहा है। मंडेला जी का जन्म मबासा नदी के किनारे ट्राँस्की के मवेजों गाँव में 18 जुलाई, 1918 को जन्म हुआ था। इनकी माता का नाम नोमजामो विनी मेडीकिजाला और पिता का नाम गेडला हेनरी था। इनका पूरा नाम नेल्सन रोहिल्हाला मंडेला था। मंडेला जी ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा व लार्कबेरी मिशनरी स्कूल से पूरी की थी। मंडेला अपने परिवार के पहले सदस्य थे जो स्कूल गये थे। इन्होंने अपनी स्नातक शिक्षा हेल्डटाउन में हुई थी 'हेल्डटाउन' अश्वेतों के लिए बनाया गया विशेष कॉलेज था। इसी कॉलेज में मंडेला की मुलाकात 'ऑलिवर टाम्बो' से हुई

मंडेला जी ने 1940 तक ऑलिवर के साथ कॉलेज कैंपस में अपने राजनैतिक विचारों और क्रियाकलापों से लोकप्रियता अर्जित कर ली थी। इससे परेशान होकर इनके परिवार वालों ने इनकी शादी करनी चाही लेकिन ये घर छोडकर जोहान्सबर्ग चले गये। मंडेला जी ने अपने जीवन में तीन शादीयॉ की थी जिसने उनकी छः संतानें हैं। जोहान्सबर्ग में ही उलकी मुलाकात 'वाटर सिसलु' और 'वाटर एल्बरटाइन' से हुई। इन्होंने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर वर्ष 1944 में 'अफ्रिकन नेशनल कांग्रेस यूथ लीग' का गठन किया। सन 1947 में मंडेला इस संगठन के सचिव चुन लिये गए और रंगभेद के खिलाफ आन्दोलन चलाया। अफ्रिकन नेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष और नेल्सन के साथ पूरे देश से रंगभेद का आंदोलन का समर्थन करने वाले 156 नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया। वर्ष 1951 में नेल्सन को यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष चुन लिया गया

मंडेला जी ने 1952 में कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए एक कानूनी फर्म की स्थापना की इसके बाद मंडेला जी को 5 अगस्त 1962 को मजदूरों को हडताल के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था और उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गयी थी। मंडेला जी ने अपने जीवन के 27 बर्ष जेल में गुजारे थे। मंडेला जी को 11 फरवरी 1990 को रिहा कर दिया गया था

इसके बाद वर्ष 1944 में दक्षिण अफ्रीका में चुनाव हुआ और 10 मई 1994 को मंडेला जी देश के सर्वप्रथम अश्वेत राष्ट्रपति बने थे मंडेला जी की मृत्यु 5 दिसम्बर 2013 को फेंफडों के सक्रमण के कारण हॉटन, जोहान्सबर्ग में हो गई थी। वर्ष 1993 में 'नेल्सन मंडेला' और 'डी क्लार्क' दोनो को संयुक्त रूप से शांति के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया। वर्ष 1990 में भारत ने उन्हे देश के सर्वोच्च पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया

नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति थे। रंगभेद विरोधी संघर्ष के कारण उन्होंने 27 वर्ष जेल में बिताए थे। मंडेला कहते थे कि मैं 27 सालों की लंबी छुट्टी पर गया था। उनका मानना था कि दृढ़ता, जिद्द और विश्वास से हम अपने हर सपने को पूरा कर सकते हैं।

उनके प्रेरणादायक विचार।

1. जब तक काम किया ना जाए वो असंभव ही लगता है।

2. जब आप कुछ करने की ठान लेते हैं तो आप किसी भी चीज पर काबू पा सकते हैं।

3. अगर आप अपने काम के लिए समर्पित और उत्साही हैं तो सफलता आपके कदम चूमेगी।

4. एक ऊंची पहाड़ी चढ़ने के बाद आपको हमेशा दूसरी पहाड़ियां फतह करने के लिए दिखनी चाहिए।

5. मेरी सफलता को देखकर कोई राय मत बनाइए। आप देखिए कि मैं कितनी बार गिरा हूं और फिर दोबारा कैसे अपने पैरों पर खड़ा हुआ हूं।

6. शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है, जिसका इस्तेमाल दुनिया को बदलने के लिए किया जा सकता है।

7. मनुष्य की अच्छाई ज्योति के समान है, जिसे छुपाया तो जा सकता है लेकिन बुझाया नहीं जा सकता।

8 . पैसों से सफलता नहीं मिलती। पैसे कमाने की स्वतंत्रता से सफलता मिलती है।

9 . हमें समय का उपयोग बुद्धिमानी से करना चाहिए और इस बात को याद रखना चाहिए कि कोई भी काम करने का कोई गलत समय नहीं होता। समय पर सब काम कर देना चाहिए।

10। मुसीबतें किसी को तोड़ती हैं तो किसी को मजबूत भी बनाती हैं। कोई भी कुल्हाड़ी इतनी तेज नहीं होती कि वो लगातार प्रयास करने वाले के हौसले को तोड़ सके।

आज पूरा विश्व महात्मा गाँधी के बलिदान और सिद्धांतों की महिमा जाती हैं, वहीँ हमारे देश में उनके हत्यारे को महिमा मंडित किया जा रहा हैं। क्या देश के लिए दुर्भाग्य नहीं कहलायेगा ?। इस पर पुर्नविचार की जरुरत हैं।

कर्ज चुकाने के लिए कर्ज ले रही हैं सरकारें

(लेखक - सनत जैन)

पिछले वर्षों में केंद्र एवं राज्य सरकारों का कर्ज लगातार बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार की आय का बड़ा हिस्सा कर्ज के ब्याज और किस्त के रूप में जा रहा है। जिसके कारण विकास कार्य और जन सामान्य की योजनाओं पर विपरीत असर पड़ने लगा है। पिछले वर्षों में लगातार टैक्सों में वृद्धि की गई है। जीएसटी के माध्यम से अब खाने-पीने की और रोजमर्रा की सभी चीजों पर 12 फ़ीसदी से लेकर 28 फ़ीसदी तक टैक्स लग रहा है। जीएसटी लागू होने के बाद भी बड़ा निर्धनवर्ग भी भारी टेक्स के दायरे में आ गया है। जिसके कारण उसके जीवन यापन में मुश्किलें पैदा हो गई हैं। रही-सही कसर पेट्रोल, डीजल और गैस में भी उपभोक्ताओं को भारी टैक्स के रुप में चुकाना पड़ रहा है। निम्न एवं मध्यम वर्ग के नागरिकों को अपनी आय का 60 फ़ीसदी तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से टैक्स में चुकाना पड़ रहा है। जिसके कारण नागरिकों की क्रय क्षमता दिनों दिन कम होती जा रही है। हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार को ब्याज चुकाने के लिए अनुपूरक बजट में मांग करनी पड़ी। 2269.90 करोड का प्रावधान मध्य प्रदेश सरकार ने बजट में कर रखा था। ब्याज की रकम ज्यादा हो गई है, इसलिए सरकार ने अनुपूरक बजट के माध्यम से 761.90 करोड़ रुपए और स्वीकृत कराए। मध्य प्रदेश सरकार ने पिछले 2 माह में 6000 करोड़ रुपए का कर्ज बाजार से लिया है। राज्य सरकार के ऊपर पहले से ही 3,31,000 करोड़ रुपए का कर्ज है। जबकि बजट में 3,14,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चुनाव पूर्व कई ऐसी घोषणा की गई हैं। जिसके कारण सरकार का कर्ज लगातार बढ़ रहा है। भुगतान संतुलन बनाए रखने के लिए राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को अब कर्ज का सहारा लेना पड़ रहा है। यह स्थिति अकेले मध्यप्रदेश की नहीं है। लगभग लगभग सभी राज्यों की है। उदाहरण स्वरुप मध्यप्रदेश सरकार ने दो लाख करोड़ रुपए के विकास कार्य के भूमि पूजन कर दिए हैं। लेकिन इनके लिए धन कहां से आएगा, इसके बारे में वित्त मंत्रालय के अधिकारी भी नहीं बता पा रहा हैं, कि किस तरह से यह धन प्राप्त होगा। आम जनता पर विभिन्न तरह से पिछले वर्षों में टैक्स की भारी वृद्धि की गई है। सरकारी यदि टैक्स को बढ़ाएगी तो आम जनता सड़कों पर आने के लिए अब विवश हो जाएगी। लोगों के अपने घर का जरूरी खर्चा भी पूरा नहीं हो पा रहा है। लगातार उन्हें अपने खर्चों में कटौती कर रहे हैं। राहत मिलना तो दूर, उनके ऊपर यदि टैक्स बढ़ाया गया तो उनका जीवन ही मुश्किल में पड़ जाएगा। सरकार द्वारा समय पर जो विकास कार्य एवं निमार्ण कार्य करने थे, समय पर राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी लागत भी बढ़ रही है। योजनाओं का लाभ भी आम जनता को नहीं मिल पा रहा है। चुनाव को देखते हुए राज्य सरकारों एवं केन्द्र सरकार द्वारा लोक लुभावन योजनाओं के लिये खजाने की राशि को बिना सोचे-समझे खर्च किया जा रहा है। इससे वित्तीय स्थिति दिनों-दिन खराब हो रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ-साथ सभी राजनीतिक दलों को इस आर्थिक स्थिति के बारे में

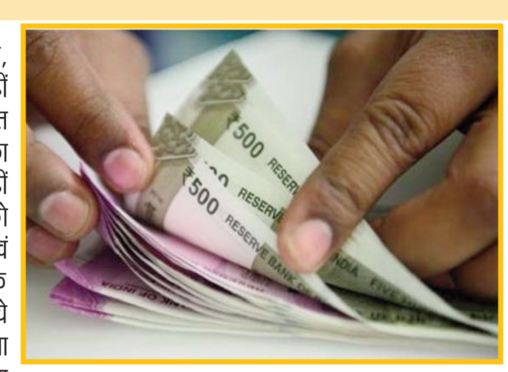

चिंतन करने की जरूरत है। समय रहते यदि आर्थिक स्थिति पर विचार नहीं किया गया तो इसके दुष्परिणाम सभी को भोगने पड़ेंगे।

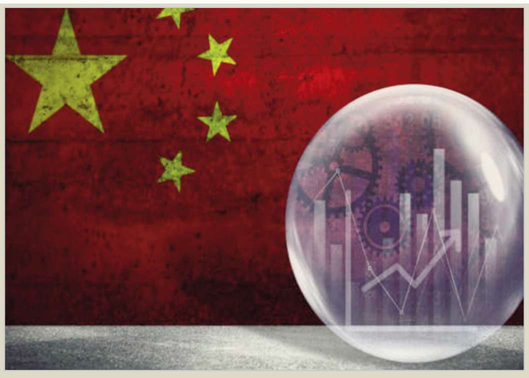

चीनी अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर दूसरी तिमाही में 6.3 फीसदी रही

हांगकांग । चीन की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर अप्रैल-जून की दूसरी तिमाही में उम्मीद से कम यानी 6.3 प्रतिशत रही है। विश्लेषकों का अनुमान था कि पिछले साल की समान अवधि में वृद्धि की सुस्त रफ्तार की वजह से चालू अप्रैल-जून तिमाही में चीन की अर्थव्यवस्था अधिक तेज गति से बढ़ेगी। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की रफ्तार आगामी महीनों में और घटने की आशंका है। इसकी वजह चीन में उपभोक्ता मांग का कमजोर होना और अन्य अर्थव्यवस्थाओं में चीनी निर्यात की मांग घटना है। सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चीन की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर अप्रैल-जून में 6.3 प्रतिशत रही है। इससे पिछली तिमाही में चीन की वृद्धि दर 4.5 प्रतिशत रही थी। हालांकि, विश्लेषकों का अनुमान था कि जून तिमाही में चीन की अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 28 फीसदी कम हुआ वाहनों का निर्यात

-मारुति सुजुकी इंडिया रही पहले नंबर पर, कुल निर्यात 62,857 युनिट पहुंचा

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही, मतलब अप्रैल-जून के दौरान देश से वाहनों का निर्यात 28 प्रतिशत कम हुआ है। यह जानकारी वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम से मिली है। उसके अनुसार अफ्रीका और विभिन्न अन्य विकासशील देशों में मौद्रिक संकट के कारण भारत के वाहन निर्यात में गिरावट आई है। आंकड़ों के अनुसार, 30 जून, 2023 को समाप्त पहली तिमाही में कुल वाहन निर्यात 10,32,449 इकाई रहा। हालांकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 14,25,967 इकाई रहा था। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा है कि पहली तिमाही में सभी वाहन खंड में निर्यात घटा है। निर्यात के कई गंतव्यों खासकर अफ्रीका और अन्य विकासशील देशों में मुद्राओं का अवमूल्यन होने से वाहनों की मांग घटी है जिसका निर्यात पर असर पड़ा। उन्होंने कहा कि इन देशों को विदेशी मुद्रा की उपलब्धता की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे वाहनों की बिक्री सीमित रही है। हालांकि, इन देशों में वाहनों की उपभोक्ता मांग बरकरार है लेकिन ये अभी अन्य आवश्यक वस्तुओं के आयात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जारी आंकड़ों के अनुसार, जून तिमाही में यात्री वाहनों का कुल निर्यात पांच प्रतिशत घटकर 1,52,156 इकाई रह गया। समीक्षाधीन अवधि में यात्री कारों का निर्यात एक साल पहले की समान अवधि के 1,04,400 इकाई के आंकड़े से घटकर 94,793 इकाई रह गया। पिछले साल की अप्रैल-जून की अवधि में यह आंकड़ा 1,60,116 इकाई रहा था। इसी तरह, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उपयोगिता यानी यूटिलिटी वाहनों का निर्यात मामूली गिरावट के साथ 55,419 इकाई रह गया। पिछले साल की समान अवधि में यूटिलिटी वाहनों का निर्यात 55,547 इकाई रहा था। वाहन निर्यात में मारुति सुजुकी इंडिया शीर्ष पर रही। अप्रैल-जून में मारुति का निर्यात 62,857 इकाई रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में मारुति ने 68,987 यात्री वाहनों का निर्यात किया था। हालों कि इसके बाद हुंदै मोटर इंडिया का स्थान रहा। जब हुंदै ने 35,100 वाहनों का निर्यात किया। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 34,520 इकाई रहा था। जबे कि किआ इंडिया 22,511 इकाइयों के निर्यात के साथ तीसरे स्थान पर रही। पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में कंपनी ने 21,459 वाहनों का निर्यात किया था। अप्रैल-जून तिमाही में दोपहिया वाहनों का निर्यात 31 प्रतिशत घटकर 7,91,316 इकाई रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 11,48,594 इकाई था। इसी तरह, वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात पहली तिमाही में घटकर 14,625 इकाई रह गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही के 19,624 इकाई के आंकड़े से 25 प्रतिशत कम है। समीक्षाधीन अवधि में तिपहिया वाहनों का निर्यात भी 25 प्रतिशत घटकर 73,360 इकाई रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में 97,237 इकाई था।

भारत सहित 140 देश बहुराष्ट्रीयों कंपनियों के लिए वैश्विक कर समझौते के करीब

गांधीनगर ।

अमेरिका, भारत सहित लगभग 140 देश वैश्विक कर नियमों में बदलाव को लेकर एक समझौते के करीब हैं। इस समझौते में प्रावधान है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) को अपने परिचालन वाले देशों में कर का भुगतान करना होगा। यहां जी20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक से इतर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बैठक में अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) के समावेशी ढांचे में ऐतिहासिक दो-स्तंभ के वैश्विक कर करार को अंतिम रूप देने में भारत के प्रयासों की सराहना की। येलेन ने द्विपक्षीय बैठक में कहा कि मेरा मानना है कि हम समझौते के नजदीक हैं। अंतरराष्ट्रीय कराधान प्रणाली में एक बड़े सुधार के तहत भारत सहित लगभग 140 देश वैश्विक कर नियमों में व्यापक बदलाव के लिए सहमत हुए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां जहां भी काम करती हैं, वहां वे न्यूनतम 15 प्रतिशत की दर से कर का भुगतान करें। हालांकि, इस करार के लिए संबंधित देशों को सभी डिजिटल सेवा कर और इसी तरह के

अन्य उपायों को हटाना होगा और भविष्य में इस तरह के उपाय लागू नहीं करने की प्रतिबद्धता जतानी होगी।

ओएनजीसी की नई ऊर्जा, पेट्रोरसायन कारोबार की अगुवाई नए निदेशक को सौंपी जाएगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की नई ऊर्जा, पेट्रोरसायन और कॉरपोरेट रणनीति की अगुवाई एक नए निदेशक को सौंपी जाएगी। ओएनजीसी के निदेशक मंडल ने कंपनी में नई जान फूंकने के लिए यह फैसला` लिया है। कंपनी के एक कार्यालय आदेश के अनुसार रणनीति और कॉरपोरेट मामलों के लिए एक नए निदेशक का पद बनाया जाएगा। यह निदेशक मंडल के पुनर्गठन के बाद एक नए एकीकृत उत्पादन प्रभाग के अलावा होगा। ओएनजीसी का लक्ष्य अपने तटीय और अपतटीय प्रभागों के विलय से तालमेल बनाकर उत्पादन-निदेशक नियुक्त करना है। इसकी अगुवाई नेतृत्व पंकज कुमार करेंगे। निदेशक (उत्पादन) का पद निदेशक (तटीय)और निदेशक (अपतटीय) को मिलाकर बनाया गया है। निदेशक तटीय जमीन पर स्थित सभी तेल और गैस क्षेत्रों के प्रभारी हैं, जबकि निदेशक अपतटीय प्रमुख मुंबई हाई फील्ड जैसी सभी ऑफशोर परिसंपत्तियों की देखरेख करते हैं। कुमार पूर्व में ओएनजीसी के अपतटीय निदेशक रह चुके हैं। निदेशक उत्पादन और निदेशक रणनीति और कॉरपोरेट मामलों के पद के अलावा ओएनजीसी में अन्य प्रमुख निदेशक पदों में अन्वेषण, वित्त, मानव संसाधन और तकनीकी और फील्ड सेवा प्रभाग शामिल हैं। सभी ओएनजीसी के प्रबंध निदेशक अरुण कुमार सिंह को रिपोर्ट करते हैं।

पतंजलि आयुर्वेद के बिक्री के लिए रखे शेयर को मिला दोगुने से ज्यादा अभिदान

नई दिल्ली ।

योग गुरु बाबा रामदेव की अगुवाई वाली पतंजलि आयुर्वेद की इकाई पतंजलि फूड्स के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) को दोगुने से ज्यादा अभिदान मिला। बीएसई पर उपलब्ध हालिया आंकड़ों के अनुसार गैर-खुदरा श्रेणी में दो गुना से अधिक जबकि खुदरा श्रेणी को तीन गुना से ज्यादा अभिदान मिला। प्रवर्तक इकाई पतंजलि आयुर्वेद ने न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता के नियम के अनुपालन के उद्देश्य से पतंजलि फूड्स में अपनी कुल हिस्सेदारी को लगभग सात प्रतिशत कम करने के लिए दो दिन की बिक्री पेशकश शुरू की थी। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार खुदरा निवेशकों से 76,34,567 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं, जबकि बिक्री पेशकश के तहत 25,33,964 शेयर थे। इसके पहले 2.28 करोड़ शेयर गैर-खुदरा निवेशकों को बिक्री के लिए पेश किए गए थे। यह पेशकश गैर-खुदरा निवेशकों के लिए थी। खाद्य तेल और अन्य खाद्य उत्पाद बनाने वाली कंपनी पतंजलि फूड्स के शेयर 1,000 रुपए के न्यूनतम मूल्य पर बेचे गए। मूल पेशकश 2,53,39,640 शेयर के लिए है। बीएसई पर कंपनी के शेयर शुक्रवार को पांच प्रतिशत बढ़कर 1,224.95 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुए। पतंजलि फूड्स में सार्वजनिक शेयरधारिता इस समय 19.18 प्रतिशत है, जिसे बाजार नियामक सेबी के नियमों का पालन करने के लिए बढ़ाकर कम से कम 25 प्रतिशत करना है।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 529 अंक , निफ्टी 147 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को जबरदस्त तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिल अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों और कई अन्य दिग्गज कंपनियों के शेयरों में खरीददारी हावी होने से आया है। आईटी शेयरों में तेजी के बीच ही आज इंट्रा-डे कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक नए शीर्ष स्तर पर पर पहुंच गए। इसके साथ ही बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक भी एक फीसदी तक बढ़कर 29,593 और 34,047 के नए शीर्ष स्तर पर पहुंच गया।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 529.03 अंक करीब 0.80 फीसदी बढ़कर 66,589.93 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,656.21 की ऊंचाई तक पहुंचने के बाद 66,015.63 तक फिसला। इसी प्रकार पचाय शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 146.95 अंक तकरीबन 0.75 फीसदी ऊपर आया। निफ्टी दिन के अंत में 19,711.45 अंक पर बंद हुआ। ये कारोबार के दौरान 19,731.85 की उंचाई तक जाने के बाद 19,562.95 तक गिरा।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एसबीआई, विप्रो, रिसायंस, एचडीएफसी बैंक और कोटक बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे।

वहीं, दूसरी तरफ ओर 12 शेयर नुकसान के साथ ही गिरे हैं। इसमें टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल, टाइटन, जेएसडब्ल्यू स्टील और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत रिकॉर्ड उच्च स्तर पर हुई। सेंसेक्स 10.50 अंक की बढ़त के साथ 66,072.19 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी 15.00 अंक की बढ़त के साथ 19579.20 के आसपास कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार फ्लैट कारोबार करता नजर आया। सेंसेक्स 74.59 अंक की बढ़त के साथ 66,135.49 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी 57.95 अंक की बढ़त के साथ 19619.20 के आसपास कारोबार कर रहा था।

जीरोधा वाले नितिन कामत ने साइबर रिस्क पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

दुनिया भर में डिजिटलीकरण बढ़ रहा है। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं। इस बीच दिग्गज ब्रोकरेज फर्म जीरोधा के को-फाउंडर और सीईओ नितिन कामत ने साइबर रिस्क पर चिंता जताई है। उन्होंने साइबर क्रिमिनल द्वारा हमले की संभावना को कम करने के लिए एहतियाती कदम की जरूरत पर जोर दिया। ऐसे ही एक उपाय का सुझाव देते हुए उन्होंने यूजर्स से हर जगह टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन इनेबल करने के लिए कहा है। कामत ने ट्वीट कर लिखा कि साइबर जोखिम सबसे बड़े फाइनेंशियल रिस्क में से एक है। मैंने 20 हजार करोड़ रुपए के एक घोटाले के बारे में सुना है, जिसने लाखों भारतीयों को प्रभावित किया है। साइबर फ्रॉड का शिकार होने की संभावना को कम करने के लिए आप जो सावधानी बरत सकते हैं, वह है हर जगह टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन को इनेबल करना। साइबर हमला हर किसी के लिए एक संभावित रिस्क है। आज हर कोई एक टारगेट है, विशेष रूप से बिजनेस क्योंकि हैक वित्तीय रूप से लाभदायक हो सकते हैं। लगभग सभी कंपनियों को कुछ साइबर धोखाधड़ी के प्रयासों का सामना करना पड़ा होगा। प्रिवेन्टिव उपाय नहीं करने का मतलब है कि यह सिर्फ समय की बात है। कामत ने आगे कहा कि टेक्नोलॉजिस्ट, जो यूएक्स और यूजर्स बिहेवियर को भी समझते हैं, उन्हें साइबर क्राइम रिस्क को कम करने के उपाय तैयार करने की जरूरत है। कामत ने कहा कि आपको कभी भी अति आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए और सुरक्षा को लेकर हमेशा संशय में रहना चाहिए।

भारत में फ्रेंचाइज उद्योग 150 अरब डॉलर तक का होने की संभावना फ्रेंचाइज इंडिया

नई दिल्ली । भारत में फ्रेंचाइज कारोबार के अगले पांच साल में 140-150 अरब डॉलर का होने की संभावना है। फ्रेंचाइज इंडिया ने हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत का फ्रेंचाइज उद्योग लगभग 800 अरब रुपए का है और इसके आगामी वर्षों में सालाना आधार पर 30-35 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है। भारत इस समय दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फ्रेंचाइज बाजार है। पांच साल बाद फ्रेंचाइज उद्योग के 140-150 अरब डॉलर का होने की संभावना है। भारत में इस समय सभी क्षेत्रों में लगभग 4,600 सक्रिय फ्रेंचाइजर हैं, जो लगभग दो लाख दुकानें संचालित कर रहे हैं।रिपोर्ट में कहा गया कि 300 से ज्यादा कंपनियां हर साल फ्रेंचाइजिंग शुरू कर रही हैं और कुल फ्रेंचाइजी में से 53 प्रतिशत बहु-इकाई वाली फ्रेंचाइजी हैं। हालांकि, भारतीय फ्रेंचाइज बाजार अभी भी शुरुआती चरण में है, लेकिन उद्योग का राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग दो प्रतिशत योगदान है और इससे 10 लाख लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

सरकार ने बफर स्टॉक के लिए 3 लाख टन प्याज खरीदा, नहीं होगा महंगा

- सरकार प्याज को ज्यादा समय तक सुरक्षित रखने बीएआरसी के साथ कर रही है काम

नई दिल्ली ।

टमाटर की बढ़ती कीमतों को देखते हुए केंद्र सरकार ने प्याज के दामों को काबू करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल, सरकार ने चालू वित्त वर्ष में बफर स्टॉक के लिए कुल 3 लाख टन प्याज खरीदा है। कंज्यूमर अफेयर्स सेक्रेटरी के एक अे धिकारी ने बताया कि सरकार प्याज को ज्यादा समय तक सुरक्षित रखने के लिए भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बीएआरसी) के साथ काम कर रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में सरकार ने बफर स्टॉक के लिए 2.51 लाख टन प्याज रखा था। बफर स्टॉक कम आपूर्ति वाले मौसम में कीमतों को काबू में रखने के लिए प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड के तहत रखा जाता है। उन्होंने कहा कि फेस्टिव सीजन में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने इस साल बफर स्टॉक में भारी बढ़ोतरी करते हुए 3 लाख टन प्याज खरीदा है। प्याज की कोई कमी नहीं है। बफर स्टॉक के लिए खरीदा गया प्याज हाल ही में समाप्त हुए रबी सीजन का है। फिलहाल, खरीफ के प्याज की बुवाई चल रही है और अक्टूबर में इसकी आवक शुरू हो जाती है। आमतौर पर खुदरा बाजार में प्याज की कीमत 20 दिन के लिए या खरीफ फसल के बाजार में आने तक दबाव में रहती हैं लेकिन इस बार ऐसी कोई समस्या नहीं होगी।

उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय प्याज के संरक्षण के लिए डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी और बीएआरसी के साथ टेक्नोलॉजी का भी परीक्षण कर रहा है। प्रायोगिक तौर पर हम महाराष्ट्र के लासलगांव में कोबाल्ट-60 से गामा रेडिएशन के जरिए 150 टन प्याज संरक्षण का प्रयोग कर रहे हैं। इससे प्याज को अधिक समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 15 जुलाई को अखिल भारतीय स्तर पर प्याज का औसत खुदरा दाम 26.79 रुपए प्रति किलोग्राम था। इसका अधिकतम दाम 65 रुपए और न्यूनतम 10 रुपए प्रति किलोग्राम था।

एक महीने में क्रेडिट कार्ड से कर डाली 1.4 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड खरीदी

नई दिल्ली ।

पहली बार क्रेडिट कार्ड से रिकार्ड तोड़ खरीदी हुई है। जानकारी के अनुसार यह खरीदी केवल मई के महीने में ही हुई है। मतलब एक महीने में पहली बार इतनी खरीदी क्रेडिट कार्ड से हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक के हालिया आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पिछले वित्त वर्ष में पूरे साल के दौरान क्रेडिट कार्ड खर्च या उसपर बकाया राशि एक प्रतिशत के दायरे में रहीं। इस साल मासिक आधार पर यह पांच प्रतिशत बढ़ी है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, इस साल इस्तेमाल वाले क्रेडिट कार्ड की संख्या जनवरी से 50 लाख से ज्यादा बढ़कर मई में रिकॉर्ड 8.74 करोड़ पर पहुंच गई। वहीं नए कार्ड की बात करें, तो 20 लाख का इस्तेमाल चालू वित्त वर्ष के पहले दो माह में ही हुआ है। जनवरी, 2023 में देश में 8.24 करोड़ सक्रिय क्रेडिट कार्ड थे। यह संख्या तेजी से बढ़ रही है और फरवरी में यह 8.33 करोड़, मार्च में 8.53 करोड़, अप्रैल में 8.65 करोड़ कार्ड के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई। आरबीआई के अनुसार, क्रेडिट कार्ड से खर्च वित्त वर्ष 2022-23 में पूरे साल में 1.1-1.2 लाख करोड़ रुपये रहा, लेकिन चालू वित्त वर्ष में यह मई में 1.4 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक से` मिली जानकारी के अनुसार एक क्रेडिट कार्ड से औसत खर्च भी 16,144

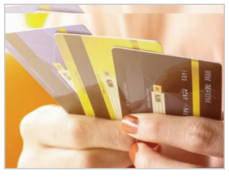

रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। वहीं एचडीएफसी बैंक के मई में सबसे ज्यादा 1.81 करोड़ सक्रिय कार्ड चलन में थे। क्रेडिट कार्ड पर बकाया के मामले में 28.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ बैंक शीर्ष पर रहा। दूसरे स्थान पर एसबीआई कार्ड के 1.71 करोड़ इस्तेमाल में थे। इसके बाद आईसीआईसीआई बैंक के 1.46 करोड़ कार्ड प्रयोग में थे। एक्सिस बैंक 1.24 करोड़ क्रेडिट कार्ड के साथ चौथे स्थान पर था।

कच्चे तेल में गिरावट, कई शहर में बदले पेट्रोल-डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड का भाव 79.50 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी उछाल का सिलसिला थमा और क्रूड का भाव एक बार फिर 80 डॉलर से नीचे आ गया। इस बीच सोमवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बड़ा बदलाव देख जा रहा है। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, नोएडा में पेट्रोल 47 पैसे महंगा हुआ और 97.00 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 45 पैसे चढ़कर 89.75 रुपए लीटर पहुंच गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता हुआ और 96.47 रुपए लीटर बिक रहा है। डीजल भी यहां 9 पैसे सस्ता हुआ और 89.72 रुपए लीटर हो गया है। हरियाणा के गुरुग्राम में पेट्रोल 21 पैसे गिरकर 96.85 रुपए लीटर हो गया है, लेकिन डीजल 5 पैसे महंगा होकर 89.85 रुपए लीटर हो गया है।

कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में बड़ी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव 79.50 डॉलर प्रति बैरल चल रहा है। डब्ल्यूटीआई भी ग्लोबल मार्केट में 75.08 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.72 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 96.85 रुपए और डीजल 89.85 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

होंडा का नया 125 सीसी का स्कूटर लॉन्च

- टीवीएस और हीरो के लिए आएगी मुश्किल,

नई दिल्ली ।

ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी होंडा ने अपना नया 125 सीसी का स्कूटर लॉन्च कर दिया है। किसी समय में ये होंडा के प्रीमियम स्कूटर्स में गिना जाता था। होंडा ने डियो का 125 सीसी वेरिएंट लॉन्च कर दिया है। उल्लेखनीय है कि एक्टिवा और ग्राजिया के बाद ये होंडा का तीसरो 125 सीसी सेगमेंट में स्कूटर होगा। होंड डियो के बाजार में आने के साथ ही अब टीवीएस एनटॉर्क, हीरो मेस्ट्रो और यामाहा रे जेडाअर के साथ ही सुजुकी एवनिस जैसे स्कूटरों के लिए बड़ा मुकाबला खड़ा हो गया है.होंडा ने डियो के दो वेरिएंट्स बाजार में उतारे हैं।स्टैंडर्ड और स्मार्ट नाम से आए इन वेरिएंट्स में कुछ फीचर्स का फर्क आपको देखने को मिलेगा। इसके साथ ही इनकी कीमत में भी करीब 8 हजार रुपये का फर्क देखने को मिलेगा।

डियो में कंपनी ने 123.97 सीसी का सिंगल सिलेंडर एयर कूल्ड इंजन दिया है। स्कूटर में फ्यूल इंजेक्शन टेक्नोलॉजी दी गई है जो इसको बेहतरीन माइलेज देती है।स्कूटर में 8.19 बीएचपी की पावर जनरेट होती है वहीं इसका मैक्सिमम टॉर्क 10.4

एनएम का है।स्कूटर में आपको सीवीटी ट्रांसमिशन देखने को मिलेगा.होंडा डियो को भी कंपनी ने स्मार्ट की से लैस किया है। स्कूटर में स्पोर्टी एग्जॉस्ट नोट के लिए डुअल आउटलेट मफलर दिया गया है। वहीं फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है।स्कूटर में अलॉय व्हील के साथ डिस्क ब्रेक और यूएसबी चार्जिंग पॉइंट जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के एमडी, प्रेसिडेंट और सीईओ त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा कि डियो 125 को स्पेशली इंडियन यूथ को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है।स्कूटर के डिजाइन को काफी आकर्षक बनाया गया है, इसी के साथ इसकी पावर को भी बढ़ाया गया है।स्कूटर में 18 लीटर का अंडर सीट स्टोरेज भी दिया गया है।वहीं इसकी कीमत की बात की जाए तो स्टैंडर्ड वेरिएंट आपको 83400 रुपये और स्मार्ट वेरिएंट 91300 रुपये एक्स शोरूम कीमत पर उपलब्ध होगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशिया कप 2023 के आयोजन को लेकर बीसीसीआई और पीसीबी विवाद पर एशियन क्रिकेट काउंसिल ने साधी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2023 का आयोजन इस वर्ष पाकिस्तान में होना है। वहीं भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। अब जल्द ही एशियाई क्रिकेट परिषद पीसीबी और बीसीसीआई अधिकारियों के साथ बैठक के बाद एशिया कप 2023 के कार्यक्रम पर फैसले की घोषणा करेगी।

एशिया कप 2023 के कार्यक्रम की घोषणा के लिए 14 जुलाई की समय सीमा बीत चुकी है। मगर एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने इस मामले पर अब तक चुप्पी साधी हुई है। पाकिस्तान और भारत के बीच हाइब्रिड मॉडल पर मैच खेले जाने की सहमति के बाद, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी)कप के कार्यक्रम से नाखुश है।

इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान को नेपाल के खिलाफ सिर्फ एक ही मैच घरेलू मैदान पर खेलने के लिए अलॉट किया गया है, जबकि कुल चार मुकाबले होने है। वहीं श्रीलंका को एशिया कप के नौ मुकाबले होस्ट करने की जिम्मेदारी मिली है। वहीं इस पूरे मामले पर अब तक एशिया क्रिकेट काउंसिल की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है।

इसके अलावा पीसीबी ने ये भी मांग की है कि एशिया कप की मेजबानी के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को बीते वर्ष जितना रेवेन्यू यूएई ने दिया था, उतना ही रेवेन्यू इस बार श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड भी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को दे। माना जा रहा है कि बीसीसीआई और पीसीबी के साथ एसीसी दो दिवसीय बैठक दुबई में करेगी ताकि एशिया कप के शेड्यूल को लेकर अंतिम रुप दिया जा सके।

बता दें कि एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को सौंपी गई है। इस बार एशिया कप के चार मुकाबले पाकिस्तान में आयोजित होंगे और नौ मुकाबले श्रीलंका में आयोजित किए जाएंगे, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले दो मुकाबले भी है। वहीं श्रीलंका में होने वाले भारत और पाकिस्तान के मुकाबले में मिलने वाले रेवेन्यू का बड़ा हिस्सा पाकिस्तान अपने पास चाहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह पहले ही तय हो चुका है कि मेजबान देश के रूप में पाकिस्तान केवल एशिया कप मैचों की मेजबानी करेगा, जबकि बाकी कार्यक्रम श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि श्रीलंका में शेष मैचों की मेजबानी के लिए पाकिस्तान को कितना राजस्व मिलता है।

दरअसल पीसीबी एसीसी से मांग कर रहा है कि मुकाबलों को दोबारा से बांटा जाए। इस कारण ही एशिया कप का शेड्यूल आने में देरी हो रही है। सितंबर में होने वाले इस टूर्नामेंट में अधिकतर मुकाबले श्रीलंका में होने तय किए गए है। पाकिस्तान ने कहा है कि इस टूर्नामेंट के दौरान श्रीलंका में भारी बारिश का मौसम होगा, जिससे बारिश खेल में खलल डाल सकती है। पाकिस्तान बोर्ड ने मुकाबलों को लेकर श्रीलंका से अधिक शेयर की भी मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान बोर्ड के अधिकारियों का मानना है कि श्रीलंका में एशिया कप होस्ट होने से अधिक राशि नहीं मिल सकेगी। इस बार भी रेवेन्यू वैसा ही आना चाहिए जैसे दुबई में पिछले साल बीसीसीआई की अगुवाई में मिला था।

अल्काराज ने तोड़ा जोकोविच का तिलिस्म, 23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराकर जीता विंबलडन का खिताब

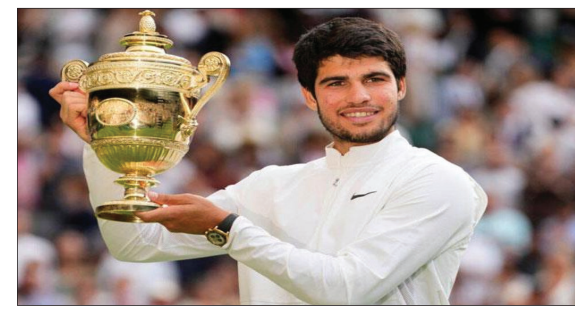

लंदन (एजेंसी)। टेनिस जगत के युवराज कार्लोस अल्काराज ने रविवार को विंबलडन 2023 का खिताब जीतकर आखिरकार सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच का तिलिस्म तोड़ दिया। स्पेन के 20 वर्षीय अल्काराज़ ने पिछले पांच विंबलडन जीतने वाले जोकोविच को सांस रोक देने वाले फाइनल में पहला सेट गंवाने के बाद 1-6, 7-6 (8-6), 6-1, 3-6, 6-4 से मात दी।

जोकोविच पिछले एक दशक में ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब के सेंटर कोर्ट पर एक भी मैच नहीं हारे थे। यहां तक कि विंबलडन में पहला सेट जीतने के बाद जोकोविच कोई मैच नहीं हारे थे, लेकिन अल्काराज ने सभी आंकड़ों को धता बताकर 23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन से जीत छीन ली।

इस हार के बाद जोकोविच को 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए साल के आखिरी बड़े आयोजन अमेरिकी ओपन 2023 का इंतजार करना होगा। जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के रूप में साल के शुरुआती दो ग्रैंड स्लैम आयोजन जीतकर लंदन आए थे लेकिन अल्काराज की इस जीत ने सर्बियाई खिलाड़ी से एक वर्ष में चारों ग्रैंड स्लैम जीतने का अवसर छीन लिया है।

यह स्पेन के दिग्गज राफेल नडाल के उत्तराधिकारी कहे जाने वाले अल्काराज़ का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले उन्होंने अमेरिकी ओपन 2022 में भी चैंपियन का ताज अपने सिर सजाया था।

हो गई भविष्यवाणी, तीनों प्रारूपों में चमकेगा जायसवाल, भविष्य उज्ज्वल है

स्पोर्ट्स डैस्क। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने विंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करते शतक सबका दिल जीत लिया। उनकी सनसनीखेज अंदाज से हुई शुरूआत से हर कोई खुश है। उनके दम पर विंडसर पार्क में सीरीज के पहले टेस्ट में भारत ने विंडीज पर पारी और 141 रन से शानदार जीत दर्ज की।

387 गेंदों में 171 रन बनाकर, जयसवाल ने पारी घोषित करने से पहले अपनी टीम को बोर्ड पर 421 रन बनाने में मदद की। उनकी पारी टीम के लिए बड़े अंतर से मुकाबला जीतने में भी महत्वपूर्ण रही। उनकी पारी ने प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया और उनके लिए भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ भी भविष्यवाणी करते हुए कहा कि इस युवा का करियर तीनों प्रारूपों में चमकने वाला है। राठौड़ ने इंडिया टुडे से बात करते हुए कहा, 'टेस्ट मैच के दूसरे दिन, उन्होंने लंच से पहले 90 गेंदों पर लगभग 20 रन बनाए। मुझे लगता है कि, मेरे लिए यह पारी का मुख्य आकर्षण था। कोई है जो ऐसा करने में सक्षम है। उनका सामान्य खेल, उस चरण से गुजरना और फिर बड़े रन बनाना, यह देखना अद्भुत था। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनके पास तीनों प्रारूपों में भारतीय टीम के साथ महान क्षमता और महान भविष्य है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि जयसवाल में कम से कम अगले दशक तक भारतीय टीम के लिए स्थायी खिलाड़ी बनने की क्षमता है। आईपीएल में अपनी विस्फोटकता से लेकर पहले टेस्ट में अपने लचीलेपन तक, इस युवा खिलाड़ी के पास किसी भी स्थिति के अनुकूल ढलने की क्षमता है। राठौर ने कहा, 'मैं पहले भी चयनकर्ता रह चुका हूं, इसलिए जब भी आप किसी खिलाड़ी को चुनें तो आपको उसे इस इरादे से चुनना चाहिए कि वह अगले 10 वर्षों तक भारत के लिए खेलेगा। उसमें निश्चित रूप से क्षमता है। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भले ही मैंने पहले यशस्वी के साथ काम नहीं किया है, मैंने उन्हें आईपीएल में रन बनाते हुए देखा था, आपने देखा होगा कि वह कितने गतिशील बल्लेबाज हैं, वह किस तरह के स्ट्रोक-खिलाड़ी हैं।

राहुल द्रविड़ और टीम को आयरलैंड सीरीज से मिल सकता है आराम : रिपोर्ट

मुम्बई (एजेंसी)। पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक पारी और 141 रन से शानदार जीत के साथ भारत पटरी पर लौट आई है। दूसरा और अंतिम टेस्ट 20 जुलाई से शुरू होगा। टेस्ट के बाद भारत तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में वेस्टइंडीज का सामना करेगा और पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के पूरा होने के बाद वेस्टइंडीज से लौटेगी। इसके बाद, 'मेन इन ब्लू' तीन मैचों की टी20आई श्रृंखला खेलने के लिए आयरलैंड की यात्रा करेगा। तीनों मैच 18, 20 और 23 अगस्त को डबलिन में खेले जाएंगे। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरे में राहुल द्रविड़ और उनकी टीम नहीं जाएगी।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और उनके कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य, जिनमें बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ और गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे शामिल हैं, वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20आई श्रृंखला के पूरा होने के बाद कुछ आराम के लिए भारत लौटेंगे। वे आयरलैंड की यात्रा पर जाने वाली टीम के साथ नहीं होंगे।

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के आयरलैंड में टीम की कमान संभालने की उम्मीद है। बल्लेबाजी कोच के रूप में उनके साथ सितांशु कोटक या हृषिकेश कानिटकर होंगे जबकि गेंदबाजी कोच का काम ट्रॉय कूली या साईराज बहुतुले को सौंपे जाने की उम्मीद है। इससे पहले लक्ष्मण ने भारतीय टीम के स्टैंड-इन मुख्य कोच के रूप में पिछली बार 2022 में आयरलैंड की यात्रा की थी।

आयरलैंड सीरीज में स्टार तेज गेंदबाज जसप्रित बुमराह की बहुप्रतीक्षित वापसी होने की उम्मीद है। यह एशिया कप, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप से पहले बड़ी तैयारी के रूप में काम करेगा। पूरी संभावना है कि हार्दिक पंड्या आयरलैंड में टीम का नेतृत्व करेंगे। श्रेयस अय्यर यूरोपीय देश की यात्रा करने वाली टीम में हो सकते हैं। चोट से उबर रहे एक अन्य खिलाड़ी केएल राहुल आयरलैंड सीरीज के साथ-साथ एशिया कप के लिए भी दावेदार नहीं हैं क्योंकि उन्हें ठीक होने के लिए अभी कुछ और समय चाहिए।

साबले ने डायमंड लीग में छठे स्थान के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

सिलेसिया (पोलैंड)।अविनाश साबले ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में रविवार को सिलेसिया डायमंड लीग मीट में छठे स्थान पर रहने के बाद 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया राष्ट्रीय चैंपियन साबले ने आठ मिनट 11.63 सेकंड का समय लिया, जो उनके राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय आठ मिनट 11.20 सेकंड से थोड़ा अधिक है। उन्होंने हालांकि पेरिस ओलंपिक क्वालीफाइंग मार्क आठ मिनट 15 सेकंड को काफी अंतर से पीछे छोड़ दिया। साबले के अलावा 20 किमी पैदल चाल पुरुषों की स्पर्धा में अक्षदीप सिंह, विकास सिंह और परमजीत सिंह बिष्ट और महिलाओं की स्पर्धा में प्रियंका गोस्वामी भी पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का कर चुके है। लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर ने भी इन खेलों का क्वालिफिकेशन हासिल कर लिया है। साबले पहले ही हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैंपियनशिप (19-27 अगस्त) के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं बुमराह

मुम्बई।भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अक्टूबर-नववर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप से पहले वापसी की उम्मीदें हैं। बुमराह सर्जरी से तकरीबन उबर गये हैं और उनके आयरलैंड के खिलाफ होने वाले टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीदें हैं। बुमराह की मार्च में पीठ की सर्जरी हुई थी इसके बाद से ही वह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में उनका रीहैब कार्यक्रम भी चल रहा है। इसी बीच पिछले माह ही उन्होंने गेंदबाजी का अभ्यास भी शुरु कर दिया था वह अभी 8 से 10 ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं। चयनकर्ता और टीम प्रबंधन सितंबर में होने वाले एशिया कप में बुमराह को उतारना चाहते हैं। इससे पहले उन्हें आयरलैंड के खिलाफ भी शामिल किया जा सकता है जिससे कि उनकी फिटनेस और लय का आंकलन किया जा सके। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह को अतिरिक्त देखभाल के साथ संभाला जा रहा है और वह पिछले सितंबर से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, बुमराह को अब तक नेट्स पर गेंदबाजी में कोई परेशानी नहीं आई है। वह दिन अभ्यास कर रहे हैं। ऐसा भी माना जा रहा है कि बुमराह एनसीए में कुछ अभ्यास मैच भी खेल सकते हैं। उनका फिट होने से एशिया कप और आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप जैसे प्रमुख आयोजनों से पहले भारतीय क्रिकेट टीम का मनोबल बढ़ेगा। वहीं भारत के ही एक अन्य युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी सर्जरी से उबर गये हैं। कृष्णा की स्ट्रेस फैक्चर के लिए सर्जरी हुई थी। इसके बाद से ही उन्होंने गेंदबाजी भी शुरु कर दी है। कृष्णा चोट के कारण आईपीएल 2023 में शामिल नहीं हुए थे और अंतिम बार उन्होंने अगस्त 2022 में जिम्बाब्वे में एक प्रतिस्पर्धी मैच में खेला था। तभी से वह स्ट्रेस फैक्चर के कारण परेशान थे जिसके कारण उनकी सर्जरी करायी गयी। कृष्णा का अगले माह आयरलैंड दौरे पर जाना तय नहीं है हालांकि वह एशिया कप में लेक सकते हैं।

हमें दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए फॉर्म में चल रहे रहाणे जैसे खिलाड़ी की जरूरत: राठौड़

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ का मानना है कि आश्वस्त होकर खेलना अजिंक्य रहाणे की वापसी का अहम पहलू रहा है और भारतीय टीम को उम्मीद है कि वह इस साल होने वाले दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान अपनी फॉर्म बरकरार रखेंगे। पिछले महीने लंदन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारत की हार के दौरान रहाणे की 89 और 46 रन की पारियां भारत के लिए एकमात्र सकारात्मक पक्ष रहा। यह रहाणे का 18 महीने में पहला टेस्ट था और इसके बाद उन्हें वेस्टइंडीज के मौजूदा दौरे के लिए उप कप्तान नियुक्त किया गया। यह 35 वर्षीय बल्लेबाज हालांकि यहां पहले टेस्ट में सस्ते में आउट हो गया और पोर्ट ऑफ स्पेन में 20 जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में इसकी भरपाई करने की कोशिश करेगा। रहाणे की वापसी पर राठौड़ ने कहा, ''वह डब्ल्यूटीसी फाइनल में काफी अच्छा खेला। वह हमेशा से अच्छा खिलाड़ी रहा है।

उसे खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर किया गया था। जब बात तकनीक की आती है तो आप लगातार इस पर काम करते हो लेकिन मेरे लिए महत्वपूर्ण यह है कि उसका रवैया काफी शांत था।'' उन्होंने कहा, ''वह देर से और शरीर के करीब शॉट खेल रहा है। वापसी के बाद से यह सबसे महत्वपूर्ण चीज रही है। वह नेट पर अब भी इसी तरह बल्लेबाजी कर रहा है। हमें उम्मीद है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। दक्षिण अफ्रीका के हालात में आपको जरूरत है कि उसकी तरह का कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करे।'' भारत अपनी अगली टेस्ट श्रृंखला दिसंबर-जनवरी में दक्षिण अफ्रीका में खेलेगा। राठौड़ अपने पहले टेस्ट में युवा यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन से बेहद प्रभावित दिखे। जायसवाल ने 171 रन की पारी खेलकर भारत की जीत की नींव रखी। उन्होंने कहा, ''मैं पहले चयनकर्ता भी रह चुका हूं इसलिए जब भी आप किसी खिलाड़ी को चुनें तो आपको उसे इस इरादे से चुनना चाहिए कि वह अगले 10 वर्षों तक भारत के लिए खेलेगा। उसमें निश्चित रूप से क्षमता है।''

राठौड़ ने कहा, ''हालांकि मैंने यशस्वी के साथ पहले काम नहीं किया है। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैंने उसे आईपीएल में रन बनाते हुए देखा था। आपने देखा होगा कि वह कितना गतिशील बल्लेबाज है। वह किस तरह का स्ट्रोक खेलने वाला खिलाड़ी है। लेकिन वह टीम की स्थिति के अनुसार खेल को बदलने में भी सफल रहा।'' भारत के बल्लेबाजी कोच ने कहा, ''दूसरे दिन उसने लंच से पहले 90 गेंदों पर लगभग 20 रन बनाए। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह पारी का मुख्य आकर्षण था। कोई ऐसा व्यक्ति जो ऐसा करने में सक्षम है, जो अपने चरित्र, अपने सामान्य खेल के विपरीत खेल सकता है, उस चरण से निकलना और फिर रन बनाना, यह देखना शानदार था।'' तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद शुभमन गिल पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। लेकिन राठौड़ ने कहा कि गिल को अपने नए बल्लेबाजी क्रम में खुद को साबित करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। उन्होंने कहा, ''उसमें बहुत क्षमता है और वह अन्य प्रारूपों में भी उस क्षमता तक पहुंचा है। उसने टेस्ट क्रिकेट में भी रन बनाए हैं। कभी-कभी किसी विशिष्ट प्रारूप में थोड़ा समय लग सकता है और वह समय ले रहा है। उसके पास वह समय है।'' राठौड़ ने कहा, ''वह समय ले रहा है लेकिन अच्छी बात यह है कि उसकी मेहनत में कोई कमी नहीं है। वह चीजों पर काम कर रहा है। क्षमता के साथ-साथ उसके पास धैर्य भी है जो किसी को बड़ा खिलाड़ी बनाता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह लंबे समय तक तीनों प्रारूप में खेलेगा।

टेनिस रैंकिंग : कार्लोस अल्कारेज नंबर एक पर बरकरार, मार्केटा वोंद्रोसोवा शीर्ष 10 में पहुंची

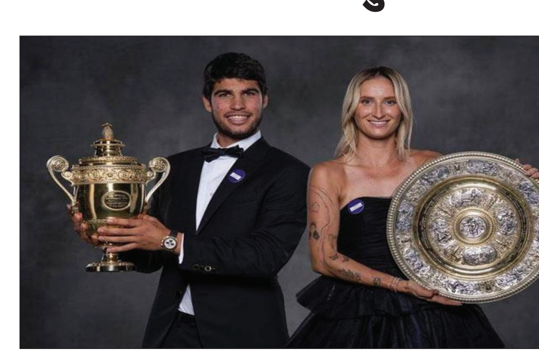

विंबलडन। कार्लोस अल्कारेज ने विंबलडन फाइनल में विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को हराकर अपनी नंबर एक रैंकिंग भी बरकरार रखी है जबकि महिला वर्ग की चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा लंबी छलांग लगाकर शीर्ष 10 में पहुंच गई हैं। ऑल इंग्लैंड क्लब में शनिवार को हुए फाइनल में ओन्स जाबेउर के खिलाफ 6-4, 6-4 की जीत की बदौलत वोंद्रोसोवा 32 स्थान की छलांग लगाकर दसवें नंबर पर काबिज हो गई हैं। वह विंबलडन का खिताब जीतने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बनी थी। अल्कारेज ने रविवार को खेले गए पुरुष एकल के फाइनल में जोकोविच को 1-6, 7-6 (6), 6-4, 3-6, 6-4 हराया जिससे उन्होंने अपनी शीर्ष रैंकिंग भी बरकरार रखी। पिछले 15 महीने से नंबर एक की कुर्सी पर काबिज इगा स्वियातेक विंबलडन में अपनी शीर्ष रैंकिंग आर्यना सबालेंका को गंवा सकती थी लेकिन वह शीर्ष पर बनी हुई हैं। स्वियातेक विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जबकि सबालेंका सेमीफाइनल में हार गई थी। महिला रैंकिंग में शीर्ष सात खिलाड़ियों ने अपना स्थान बरकरार रखा है। ऐलेना रयबाकिना तीसरे नंबर पर बनी हुई हैं। उनके बाद जेसिका पेगुला, कैरोलिन गार्सिया, जाबेउर और कोको गॉफ का नंबर आता है।

सीह सू-वेई और स्ट्राइकोवा ने महिला युगल वर्ग में जीता विंबलडन का खिताब

विंबलडन। ताइवान की सीह सू-वेई और चेक गणराज्य की बारबरा स्ट्राइकोवा ने रविवार को यहां बेल्जियम की एलिस मर्टेन्स और ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर को हराकर दूसरी बार विंबलडन का महिला युगल खिताब जीता। सू-वेई और स्ट्राइकोवा की जोड़ी ने फाइनल में बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को सीधे सेट में 7-5, 6-4 से हराया। सू-वेई ने बैकहैंड से दूसरा मैच प्वाइंट जीता जिससे 2019 की विंबलडन चैंपियनशिप जोड़ी ने विरोधी जोड़ी की सर्विस तोड़कर खिताब अपने नाम किया। स्ट्राइकोवा ने अपने बेटे के जन्म के बाद संन्यास से वापसी की है और उन्हें लगता है कि यह उनका आखिरी विंबलडन टूर्नामेंट है। स्ट्राइकोवा ने कहा, 'मैं इससे बेहतर अंत की उम्मीद नहीं कर सकती थी। पिछले साल मैंने सू-वेई को एसएमएस किया था कि एक साथ विंबलडन 2023 खेलने का प्रयास करते हैं। अब कोई कोविड नहीं है। उसने कहा कि हां ऐसा करते हैं। मजे करते हैं। अब हम ट्रॉफी के साथ खड़े हैं।'

अमेरिकी ओपन की हार ने मुझ पर काफी भावनात्मक प्रभाव डाला: सिंधु

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली -अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में हार ने पीवी सिंधु पर 'काफी भावनात्मक प्रभाव% छोड़ा है लेकिन भारत की शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी की नजरें सत्र का अंत शानदार तरीके से करने पर टिकी हैं। टखने में स्ट्रेस फेक्चर कारण पांच महीने बाद वापसी करने पर सिंधु मौजूदा सत्र में रंग में नजर नहीं आई हैं। आधे से अधिक साल बीतने के बावजूद पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को अब भी इस सत्र में अपने पहले खिताब का इंतजार है।

दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु अमेरिकी ओपन में चीन की गाओ फांग जी के खिलाफ सीधे गेम में हार के साथ क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गईं थी। सिंधु ने ट्वीट किया, ''इस हार ने मुझ पर काफी भावनात्मक प्रभाव छोड़ा है, खासकर मेरे लिए चुनौतीपूर्ण वर्ष को देखते हुए।' उन्होंने कहा, ''प्रत्येक सफल टूर्नामेंट के बाद निराशाजनक हार का अनुभव करना दिल तोड़ने वाला है। हालांकि मैं अपनी भावनाओं का इस्तेमाल अपने प्रयासों को दोगुना करने और बाकी बचे साल को उल्लेखनीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।'

सिंधु फरवरी में दोहा में बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारत की कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थी लेकिन इस साल विश्व टूर पर कुछ प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले पाईं। इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अप्रैल में मैड्रिड मास्टर्स सुपर 300 प्रतियोगिता में रजत पदक जीतना रहा। सिंधु इस महीने की शुरुआत में कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं और अच्छी लय में दिख रही थीं लेकिन दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से हार गई।

उन्होंने लिखा, 'अमेरिकी ओपन में मेरा सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हुआ जहां मेरा सामना प्रतिभावान गाओ फांग जी से हुआ। पहले उसे कनाडा में हराने के बावजूद उसने मेरी कमजोरियों का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए इस बार मुझे सीधे गेम में हरा दिया।' सिंधु ने लिखा, 'पूरी तरह से तैयार रहने और प्रभावशाली प्रदर्शन करने के लिए मुझे उसकी सराहना करनी चाहिए। अगली बार जब मैं गाओ आपका सामना करूंगी तो कड़ी टक्कर होनी चाहिए।''

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने हमवतन लक्ष्य सेन की भी सराहना की जो कनाडा ओपन जीतने से पहले नाक की सर्जरी के प्रभाव के कारण मौजूदा सत्र में संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''मैं लक्ष्य के लिए अपनी वास्तविक खुशी व्यक्त करना चाहती हूं जो कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद असाधारण प्रदर्शन कर रहा है। उसके मजबूत प्रदर्शन को देखना वास्तव में प्रेरणादायक रहा है।' सिंधु अब इस सप्ताह यिओसु में कोरिया ओपन सुपर 500 में हिस्सा लेंगी।

शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।

बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्चे से बचने में मदद करेगा।

कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्सट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखे। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें.कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गईं ज्यादातर चीजें ऐसी होती है जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

ऑनलाइन देखें ऑप्शन्स

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्च करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।

शॉपिंग पार्टनर भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाए।

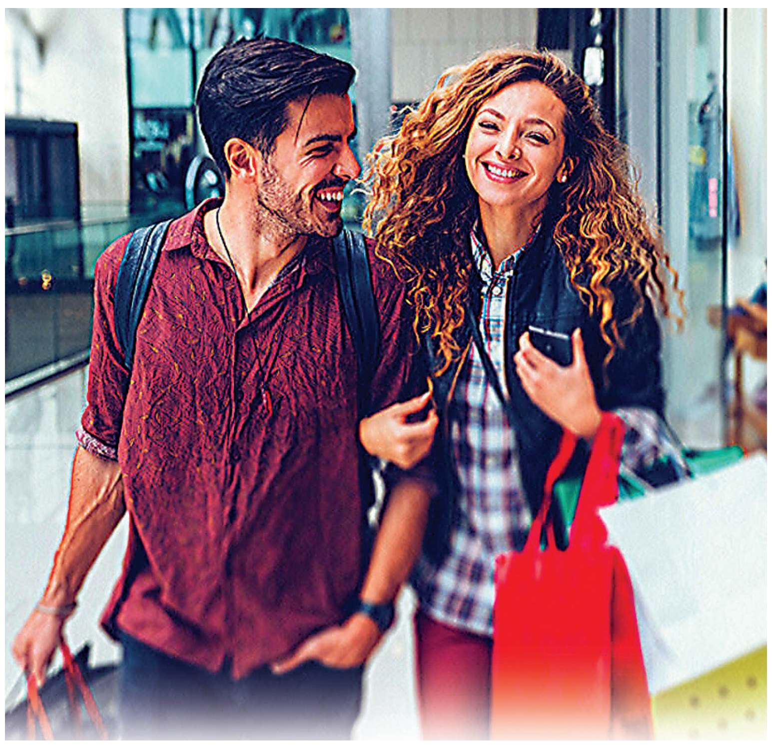

जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वॉलिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूंघकर देखें

मार्केट में पैक्ड मशरूम, कॉर्न्स, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगीं।

बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स

क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ें लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं। फैब्रिक का रखें ध्यानसबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कंफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ स्किन के अगेंस्ट कंफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

वाइट- कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलैक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में चियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती है क्योंकि यह क्वॉलिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जर्मनी के अस्पताल में शाकाहार और योग पर फोकस

जर्मनी । जर्मनी के हेटिनगन शहर में पिछले 14 साल से प्रोटेस्टेंट अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग में आयुर्वेदिक को पूरक पद्धति के रूप में मान्यता देकर,मरीजों का इलाज आयुर्वेदिक दवाओं से किया जा रहा है। यहां के डॉक्टर एलोपैथी और आयुर्वेदिक दवाओं का समान रूप से उपयोग करते हैं। अस्पताल की रिसर्च टीम की डॉक्टर संदीप और डॉक्टर सुनील का कहना है,कि उन्होंने आयुर्वेद पद्धति से पार्किंसन के रोगियों में सुनने की शक्ति लौटाने में सफलता पाई है। आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार के अन्य मामलों पर भी रिसर्च की जा रही है।

ध्यान स्पीच से फायदा

अस्पताल में मरीजों को योग, मेडिटेशन, मसाज और स्पीच थेरेपी के माध्यम से भी इलाज किया जा रहा है। जिसके अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। अस्पताल में मरीजों को शाकाहारी भोजन और योग के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शुगर की बीमारी में भी बेहतर प्रभाव देखने को मिल रहा है। डॉक्टर हासर्ट प्रेजुन्टेक भारत प्रवास के दौरान, 2009 में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को पूरक पद्धति के रूप में जाना था। तभी से इस अस्पताल में उन्होंने एलोपैथी इलाज के साथ-साथ आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से मरीजों का मिश्रित उपचार शुरू किया। जिसके बहुत अच्छे फायदे मरीजों में देखने को मिल रहे हैं।

'किराये की कोख' से अकेले पिता भी हासिल कर सकते हैं औलाद का सुख

लंदन। ऐसे पुरुष, जिन्होंने शादी नहीं की है या जो जीवनसाथी से अलग हो चुके हैं या फिर उन्हें गंवा चुके हैं, वे भी 'किराये की कोख' (सरोगेसी) से संतान सुख हासिल कर सकते हैं। हालांकि, किसी अकेले पिता के लिए सरोगेसी से औलाद पाने की प्रक्रिया आसान नहीं होती। ऐसे पुरुषों को न सिर्फ सरोगेसी से जुड़े विभिन्न कानूनों, बल्कि इसके भारी-भरकम खर्च और भ्रूण की उपलब्धता सहित अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यही नहीं, हाल के दशकों में लोगों की सोच में आए व्यापक बदलाव के बावजूद अधिकांश समुदायों में, विशेष रूप से अधिक रूढ़िवादी और धार्मिक समुदायों में, सरोगेसी के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण बरकरार है। बहरहाल, विभिन्न अध्ययन दर्शाते हैं कि किसी अकेले पिता के 'किराये की कोख' से जन्मे बच्चे मनोवैज्ञानिक पक्ष पर मजबूत होते हैं और पारिवारिक ढांचे एवं संस्कृति में आसानी से ढल जाते हैं।ऐसे में यह मानने की कोई वजह नहीं है कि एकल पिता की देखरेख में पले-बढ़े बच्चे भावनात्मक पहलू पर अधिक चुनौतियों एवं खतरों का सामना करते हैं। अध्ययन यह भी बताते हैं कि किसी अन्य परिवार की तरह ही सरोगेसी की बुनियाद पर बने परिवारों में भी माता-पिता और बच्चे के रिश्ते सामान्य होते हैं और उनके मनोवैज्ञानिक एवं भावनात्मक विकास पर बुरा असर नहीं पड़ता। ऐसे में अकेले पुरुषों को 'किराये की कोख' से पिता बनने का सुख हासिल करने से नहीं रोका जाना चाहिए। अकेले पिता और बच्चों से उनके रिश्तों को लेकर समाज में मौजूद पूर्वाग्रहों को दूर किए जाने की जरूरत है। इससे सरोगेसी की बुनियाद पर बने परिवारों में पिता और बच्चों के संबंधों के बीच ज्यादा सकारात्मकता लाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, उन देशों में अकेले पुरुषों के लिए 'किराये की कोख' से संतान सुख हासिल करने की प्रक्रिया को आसान बनाना होगा, जहां सरोगेसी वैध और बेहद आम है। इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों को अकेली महिलाओं या दंपती की तरह ही अकेले पिताओं के प्रति भी बिना भेदभाव वाला रवैया अपनाने को प्रेरित करना होगा।

40 कंकालों के साथ मानव अंग तस्कर ग्रुप के सदस्य को एफबीआई ने किया गिरफ्तार

वॉशिंगटन। अमेरिका में एफबीआई ने एक शख्स को 40 मानव कंकालों के साथ पकड़ा है। यह बहुत ही हैरान करने वाला मामला है क्योंकि एफबीआई ने जिस शख्स को पकड़ा है वह मानव अंग तस्कर ग्रुप का सदस्य बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां एफबीआई ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसके घर से 40 मानव कंकाल मिले हैं। जब उससे इनके बारे में पूछा गया तो उसने कहा कि यह उसके मरे हुए दोस्तों के हैं। पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया जेम्स विलियम नॉट कथित तौर पर एक भयानक अंडरग्राउंड ग्रुप से जुड़ा हुआ है, जो हॉर्वर्ड के प्रतिष्ठित मेडिकल स्कूलों से चुराए गए दिमाग, दिल, त्वचा और भ्रूण का सौदा करते हैं। इस ग्रुप का यह आठवां सदस्य है, जिसकी गिरफ्तारी हुई है। शिकायत के मुताबिक 39 साल के नॉट के पास दर्जनों मानव खोपड़ियां, कूल्हे और रीढ़ की हड्डी मिली, जिनका इस्तेमाल सजावट के लिए किया जा रहा था। केंटकी के लुइसविले में उसके घर को सील कर दिया गया है। एक खोपड़ी के गले में दुपट्टा बंधा हुआ था। वहीं, दूसरा उस बिस्तर पर था, जहां नॉट सोया हुआ था। अधिकारियों के मुताबिक पूर्व में गिरफ्तार किए गए जेरेमी पॉली से उसने इन्हें खरीदा था। जेरेमी पर एक शव के साथ दुर्व्यवहार करने और चोरी की संपत्ति के लेन-देन का आरोप था। शिकायत के मुताबिक नॉट के घर में हार्वर्ड मेडिक का बैग भी था। इसके अलावा एक एके-47 समेत कई हथियार मिले हैं। पेंसिल्वेनिया में इसी नेटवर्क से जुड़ा एक नया मामला आया है, जिसके मुताब पॉली ने जोश टेलर नाम के एक शख्स से 40 हजार डॉलर में अंग खरीदे थे। सभी अंग सेड्रिक लॉज नाम के व्यक्ति से लिए थे जो लगभग एक दशक तक हार्वर्ड मेडिकल स्कूल का मैनेजर रहा। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि नॉट ने ऑनलाइन दूसरे नाम का इस्तेमाल किया और इसी से वह पॉली को अवशेषों की तस्वीरें भेजता था। सबसे पहले पेंसबोरो टाउनशिप पुलिस डिपार्टमेंट को पॉली के घर के अंदर संभावित मानव अवशेषों के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद इस अंडरग्राउंड नेटवर्क की जांच शुरू हुई।

भारत यात्रा से पहले श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे टीएनए के साथ वार्ता करेंगे

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे इस सप्ताह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा के लिए रवाना होने से पहले तमिल अल्पसंख्यक समुदाय की राजनीतिक स्वायत्तता की पुरानी मांग के निपटारे की कोशिश के तहत संसद में मंगलवार को 'तमिल नेशनल अलायंस' (टीएनए) के साथ वार्ता करेंगे। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। टीएनए उन दलों का गठबंधन है जो उत्तर और पूर्व क्षेत्रों के तमिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। सूत्रों ने बताया कि कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे इस सप्ताह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा के लिए रवाना होने से पहले तमिल अल्पसंख्यक समुदाय की राजनीतिक स्वायत्तता की पुरानी मांग के निपटारे की कोशिश के तहत संसद में मंगलवार को 'तमिल नेशनल अलायंस' (टीएनए) के साथ वार्ता करेंगे। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। टीएनए उन दलों का गठबंधन है जो उत्तर और पूर्व क्षेत्रों के तमिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। सूत्रों ने बताया कि टीएनए और विक्रमसिंघे के बीच वार्ता मंगलवार दोपहर को संसद में होगी। यहां विदेश कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि विक्रमसिंघे 20 जुलाई को नयी दिल्ली रवाना होंगे और वह 21 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

दक्षिण कोरिया में बारिश से जुड़े हादसों में 40 लोगों की मौत, तलाश अभियान जारी

सियोल। दक्षिण कोरिया में सोमवार को नौवें दिन बारिश का कहर जारी है, करीब 40 लोगों की मौत हो गई है और बचावकर्मी भूस्खलन, तबाह मकानों और मलबे के ढेर में लोगों की तलाश कर रहे हैं। देश में नौ जुलाई से बारिश से हो रही है। बारिश के कारण भूस्खलन तथा अन्य घटनाओं में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई है, 34 घायल हुए हैं और 10,000 लोगों को घर-बार छोड़ कर सुरक्षित स्थानों कर जाना पड़ा है। बारिश का सर्वाधिक असर दक्षिण कोरिया के मध्य तथा दक्षिणी इलाकों में पड़ा है। चेओंगजू शहर में गोताखोरों सहित सैंकड़ों बचावकर्मी मलबे से भरी सुरंग में लोगों की तलाश कर रहे हैं। इस सुरंग में शनिवार शाम को अचानक बाढ़ का पानी घुसने से एक बस सहित 15 वाहन फंस गए थे। सरकार ने सुरंग में लगभग 900 बचावकर्मियों को तैनात किया है, जिन्होंने अब तक 13 शव निकाले हैं और नौ लोगों को बचाया है। इन लोगों का इलाज चल रहा है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वाहनों में कुल कितने लोग सवार थे। सोमवार तक बचावकर्मियों ने सुंरग से लगभग सारा पानी निकाल दिया था और अब वह खुद चल कर लोगों की तलाश कर रहे हैं, इससे एक दिन पहले वे बचावकार्यों के लिए रबर की नावों का इस्तेमाल कर रहे थे। काउंटी कार्यालय ने बताया कि सैकड़ों आपातकालीन कर्मचारी, सैनिक और पुलिस दक्षिणपूर्वी शहर येचोन में जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। येचोन में नौ लोग मारे गए और आठ अन्य लापता हैं। गृह एवं सुरक्षा मंत्रालय ने कहा कि देशभर में लगभग 200 मकान और लगभग 150 सड़कें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गईं हैं, वहीं 28,607 लोग पिछले कई दिनों से बिना बिजली के रह रहे हैं।

इटली में मौसम को लेकर चेतावनी जारी की गयी। इसके तहत तापमान रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने की आशंका जतायी गयी। ऐसे में लोग राहत पाने के लिए एक स्वीमिंग पूल में मस्ती करते दिखे।

रूस ने क्रीमिया को मुख्य भूभाग से जोड़ने वाले पुल पर विस्फोट के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया

कीव। क्रीमिया को रूस के मुख्य भूभाग से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण पुल के एक हिस्से के विस्फोट में क्षतिग्रस्त होने के बाद सोमवार को इस पर यातायात रोक दिया गया। विस्फोट में एक दंपति की मौत हो गई और उनकी बच्ची घायल हो गई। रूस और क्रीमिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाले 19 किलोमीटर लंबे केर्च पुल पर रेल यातायात छह घंटे तक रोका गया लेकिन बाद में इसे बहाल कर दिया गया। रूस के बेलगोरोव क्षेत्र के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लादकोव ने बताया कि हमले में क्षेत्र के एक दंपति की मौत हो गई और उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रूस की राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी समिति ने आरोप लगाया कि यह हमला दो यूक्रेनी समुद्री ड्रोन द्वारा किया गया। यूक्रेन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। लेकिन, यूक्रेनी सुरक्षा सेवा के प्रवक्ता अर्टेम देगतिरेंको ने एक बयान में कहा कि उनकी एजेंसी यूक्रेन के युद्ध जीतने के बाद इस बात का खुलासा करेगी कि ''धमाके'' किस तरह किए गए। रूस ने 2014 में क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। यह पुल पिछले साल अक्टूबर में एक ट्रक में रखे बम में विस्फोट के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था और इसकी मरम्मत में महीनों लग गए थे। क्रीमिया 24 ऑनलाइन समाचार चैनल द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में पुल का एक हिस्सा झुका हुआ और नीचे लटकता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन ऐसा कोई संकेत नहीं है कि कोई हिस्सा पानी में गिर गया। रूसी उप प्रधानमंत्री मराट खुस्नुलिन ने संवाददाताओं से कहा कि अधिकारी यह निर्धारित करने से पहले क्षति का विस्तृत निरीक्षण कर रहे हैं कि मरम्मत में कितना समय लगेगा।

सोलोमन द्वीप के नेता ने चीन के साथ सुरक्षा संबंधों को बढ़ाने की आलोचना पर किया पलटवार

बीजिंग (एजेंसी)। सोलोमन द्वीप के नेता ने सोमवार को चीन के साथ अपने देश के व्यापक सुरक्षा संबंधों की आलोचना पर पलटवार करते हुए कहा कि अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया को डरने की कोई जरूरत नहीं है। प्रधान मंत्री मनासहे सोगावरे ने चीन की यात्रा से लौटने के बाद राजधानी होनियारा में एक संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। उन्होंने यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की थी। सोगावरे ने कहा कि चीन में रहते हुए उन्होंने पुलिस सहयोग योजना सहित नौ समझौतों और ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रशांत महासागरीय राष्ट्र में पुलिस कानून लागू करने की क्षमता को मजबूत करने के लिए 'आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करने की चीन की प्रतिबद्धता के साथ कानून प्रवर्तन और सुरक्षा मामलों पर सहयोग को बढ़ाती है'।

नए समझौते सोलोमन द्वीप समूह द्वारा पिछले साल चीन के साथ एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद किए गए हैं, जिससे क्षेत्र में सैन्य जमावड़े की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका ने सोलोमन द्वीप में दूतावास खोलने सहित अपने राजनयिक कदमों के जरिये जवाबी कार्रवाई की है। सोलोमन द्वीप समूह ने 2019 में स्व-शासित द्वीप ताइवान से बीजिंग के प्रति निष्ठा बदल ली, जिससे द्वितीय विश्व युद्ध के समय से अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंधों को खतरा पैदा हो गया। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया दोनों ने नई पुलिस योजना की गोपनीयता को लेकर चिंता जताई है। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने पिछले हफ्ते जकार्ता में चीन के शीर्ष राजनयिक वांग यी से मुलाकात के दौरान इस योजना के बारे में पूछा था।

संवाददाता सम्मेलन में सोगावरे ने पुलिस योजना की आलोचना करके अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया पर पड़ोसियों जैसा व्यवहार नहीं करने का आरोप लगाया। सोगावरे ने कहा, 'यह सोलोमन

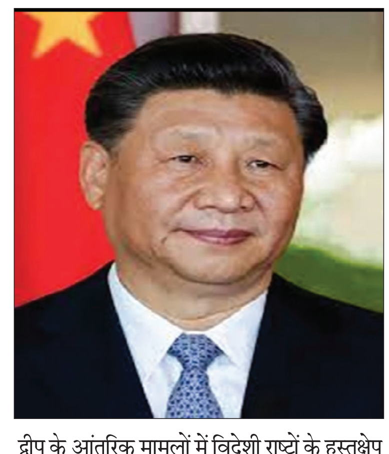

द्वीप के आंतरिक मामलों में विदेशी राष्ट्रों के हस्तक्षेप के अलावा और कुछ नहीं है।' उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका को सोलोमन द्वीप पर चीन के पुलिस सहयोग से डरना नहीं चाहिए।

जयशंकर ने बैंकाक में बिम्सटेक की बैठक में हिस्सा लिया, समन्वय को मजबूत बनाने पर चर्चा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को बिम्सटेक क्षेत्र के देशों के अपने समकक्षों के साथ सार्थक चर्चा की जिसमें नेताओं ने प्रगति और समृद्धि को प्रोत्साहित करने के साझा उद्देश्यों को लेकर ''लचीलेपन एवं समन्वय'' को मजबूत बनाने पर चर्चा की। बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) की स्थापना 1997 में हुई थी। यह एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय समूह है जिसमें भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमा, थाईलैंड, नेपाल और भूटान शामिल हैं। इस समूह के देशों की कुल आबादी 1.73 अरब है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4000 अरब डॉलर से अधिक का है। जयशंकर ने ट्वीट किया, ''बैंकाक में थोड़ी देर पहले बिम्सटेक की सार्थक बैठक संपन्न हुई। सहयोगियों के साथ खुली बातचीत और आगे की ओर बढ़ने वाली चर्चा हुई।''

उन्होंने कहा, ''बिम्सटेक सदस्यों के बीच लचीलेपन और समन्वय को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमने सहयोग के नए क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए नए आयाम एवं गतिविधियां तलाशीं।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''खाद्य, स्वास्थ्य और ऊर्जा सुरक्षा साझा चिंता के विषय हैं। प्रौद्योगिकी समाधान हमारे बीच गठजोड़ और अच्छी पहल के आदान-प्रदान के विषय हो सकते हैं। हमारा साझा उद्देश्य प्रगति और समृद्धि को प्रोत्साहित करना है। हमने इन विचारों को आगे बढ़ाने के लिए अकसर मुलाकात करने पर सहमति व्यक्त की।''

छह जुलाई को विदेश मंत्रालय में पूर्वी मामलों के सचिव सौरभ कुमार और बांग्लादेश के विदेश सचिव मसूद बिन मोमिन ने ढाका में विभिन्न विषयों पर चर्चा की थी जो ढाका आधारित बिम्सटेक समूह से जुड़ी थी। बांग्लादेश सात सदस्यीय इस समूह का दिसंबर से नया अध्यक्ष बनेगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को यहां मेकोंग गंगा सहयोग (एमजीसी) तंत्र की 12वीं बैठक में हिस्सा लिया था।

अर्जेंटीना में 6.6 तीव्रता का भूकंप, चिली में भी झटके महसूस किए गए

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना में रविवार को 6.6 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके चिली में भी महसूस किए गए। अधिकारियों ने इस दौरान किसी भी तरह का नुकसान होने की कोई सूचना नहीं दी है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र पश्चिमी अर्जेंटीना के न्यूक्वेन प्रांत में लोन्कोप्यु शहर से 25 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में था। भूकंप 171 किलोमीटर की गहराई में आया। पड़ोसी देश चिली के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। अर्जेंटीना और चिली के अधिकारियों ने भूकंप से किसी प्रकार का नुकसान होने की कोई सूचना नहीं दी है।

ईरान में महिलाओं ने फिर ओढ़ा हिजाब, सड़कों पर लौटी क्रूर मॉरल पुलिस

– 500 मौतों के बाद भी बेकार गई क्रांति!

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के अधिकारियों ने महिलाओं को इस्लामी पोशाक पहनने के लिए मजबूर करने वाले एक नए अभियान की घोषणा की। इसके साथ ही हिरासत में एक महिला की मौत के 10 महीने बाद मॉरल पुलिस फिर से सड़कों पर लौट आई। पिछले साल सितंबर में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद मॉरल पुलिस को वापस बुला लिया गया था क्योंकि अधिकारियों को भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। न सिर्फ देश में बल्कि दुनिया के कई हिस्सों में ईरानी शासन के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए थे। इस साल की शुरुआत में पुलिस की सख्त कार्रवाई के बाद विरोध प्रदर्शन लगभग खत्म हो गए। इस दौरान 500 से अधिक प्रदर्शनकारी मारे गए और लगभग 20,000 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने प्रदर्शनों के दौरान इस बात पर जोर दिया कि पोशाक के नियम में बदलाव नहीं किया गया है। ईरान के शासक हिजाब को इस्लामी क्रांति के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में देखते हैं, जिससे उन्हें सत्ता मिली।

पुलिस प्रवक्ता जनरल सईद मोंटाज़ेरोलमहदी ने कहा कि मॉरल पुलिस सार्वजनिक रूप से हिजाब नहीं पहनने वाली महिलाओं को अवगत कराएगी और फिर हिरासत में लेने की प्रक्रिया शुरू करेगी। तेहरान में, लोकाचार पुलिस के सदस्यों को सड़कों पर गश्त करते हुए देखा जा सकता है। ईरान में पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व महिलाओं के हाथ में था जिन्होंने अपने बाल काटकर और हिजाब जलाकर विरोध दर्ज कराया। हिजाब के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन देखते ही देखते ईरानी शासकों को उखाड़ फेंकने की मांग में बदल गया। ईरान की सरकार ने बिना किसी सबूत के विरोध प्रदर्शनों के लिए विदेशी साजिश को जिम्मेदार ठहराया था। कई ईरानी हस्तियां विरोध प्रदर्शन में शामिल हुई थीं। कई ईरानी अभिनेत्रियों को बिना हिजाब के सार्वजनिक रूप से सामने आने या विरोध प्रदर्शन का समर्थन करने के लिए हिरासत में लिया गया था।

पाकिस्तानी हिंदू समुदाय की स्थिति खराब, मंदिरों में हो रही तोड़फोड़

–जबरन धर्म परिवर्तन के मामले भी सामने आए, सरकार का दावा झूटा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों और स्वतंत्रता का एम्बेसडर बनने की लाख कोशिश कर ले, लेकिन जमीनी हकीकत वहां कुछ और ही दिखती है। पाकिस्तान में हिंदू समुदाय दशकों से दबाव में है। हाल ही में यहां कुछ उपद्रवियों ने मंदिरों को निशाना बनाया है और युवा हिंदू लड़कियों का जबरन अपहरण कर विवाह किया है। नवीनतम घटना में, कथित लुटेरों के एक गिरोह ने सिंध प्रांत के काशमोर जिले में गुलशन डेरा बाबा सनवाल शाह पर मोर्टार के गोले दागे, जिससे परिसर का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बदमाशों ने रामदास बघवानो दास, रेहारी कुमारी और अन्य के घरों पर भी गोलीबारी की। इस बीच कराची के सोल्जर बाजार इलाके में अधिकारियों ने कथित तौर पर 150 साल से अधिक पुराने एक हिंदू मंदिर को ध्वस्त कर दिया है। क्षेत्र के स्थानीय लोगों ने दावा किया कि विध्?वंस के दौरान सुरक्षा और कवर प्रदान करने के लिए पुलिस मौजूद थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मरी माता मंदिर को 14 जुलाई की रात को एक गुप्त ऑपरेशन में ध्वस्त कर दिया गया था।

यह ऑपरेशन तब हुआ जब क्षेत्र में बिजली नहीं थी। तभी खुदाई करने वाले और एक बुलडोजर विध्वंस कार्य को अंजाम देने के लिए पहुंचे। मंदिर की दीवारों और मुख्य द्वार को न छेड़ते हुए उन्होंने अंदर की पूरी संरचना को ध्वस्त कर दिया। पास के श्री पंच मुखी हनुमान मंदिर के राम नाथ मिश्रा महराज ने कहा, यह एक बहुत पुराना मंदिर है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसका निर्माण 150 साल पहले हुआ था। हमने इसके आंगन में दबे पुराने खजाने के बारे में कहानियां भी सुनी हैं। क्षेत्र में अफवाहों से ऐसा प्रतीत होता है कि मंदिर को कम से कम सात करोड़ पाकिस्तानी रुपये में बेचा जा रहा है क्योंकि खरीदार परिसर में एक व्यावसायिक भवन का निर्माण करना चाह रहे हैं। हालांकि, कराची के मेयर मुर्तज़ा वहाब ने दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर यथावत है।

प्रशासन का भी दावा है कि मंदिर का ऐसा कोई विध्वंस नहीं हुआ है और मंदिर अभी भी बरकरार है। प्रशासन ने हस्तक्षेप किया है और हिंदू पंचायत से सही तथ्यों का पता लगाने में पुलिस की सहायता करने के लिए कहा गया है। लेकिन गंभीर वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान में हिंदू समुदाय अपने मंदिरों पर हमलों का सामना कर रहा है, जबकि उनके परिवारों को अपनी युवा लड़कियों का अपहरण करने, जबरन इस्लाम में परिवर्तित करने और फिर मुस्लिम पुरुषों से शादी करने के आघात से गुजरना पड़ा है। जानकारी के अनुसार काशमोर की घटना जहां हिंदू मंदिर और समुदाय के आवासों पर मोर्टार के गोले दागे गए, वह हिंदू समुदाय के खिलाफ चरमपंथी तत्वों द्वारा चल रहे खुले और स्पष्ट भेदभाव सह रहा है। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग ने काशमोर हमले को गंभीरता से लिया है और इसकी निंदा की है।

काला सागर अनाज निर्यात समझौता दोबारा नहीं होगा, रूस ने रोकी भागीदारी

इंटरनेशनल डेस्क : क्रेमलिन ने सोमवार को कहा कि रूस ने काला सागर अनाज निर्यात सौदे में अपनी भागीदारी निलंबित कर दी है। पिछले जुलाई में संयुक्त राष्ट्र और तुर्की की मध्यस्थता से हुए इस समझौते का उद्देश्य रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण अवरुद्ध यूक्रेनी अनाज को सुरक्षित रूप से निर्यात करने की अनुमति देकर वैश्विक खाद्य संकट को कम करना था। इसे कई बार बढ़ाया जा चुका था, लेकिन इसकी अवधि सोमवार को समाप्त होने वाली थी। रूस कई महीनों से कह रहा था कि उसके विस्तार की शर्तें पूरी नहीं की गईं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा कि वास्तव में काला सागर समझौते आज वैध नहीं रहे। दुर्भाग्य से, रूस से संबंधित इन काला सागर समझौतों का हिस्सा अब तक लागू नहीं किया गया है, इसलिए इसका प्रभाव समाप्त हो गया है।

अमेरिका-जापान से लेकर यूरोप तक हुआ ग्लोबल वार्मिंग का असर

–यहीं पड़ रही है भीषण गर्मी, उधर दक्षिण कोरिया में बाढ़ से मचा हाहाकार

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया के ज्यादातर देश इस समय मौसम की मार झेल रहे हैं। एक तरफ जहां अमेरिका के साथ-साथ यूरोप के कई देशों में प्रचंड गर्मी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर दक्षिण कोरिया समेत कई देशों में बाढ़ ने तबाही मचा दी है। दक्षिण कोरिया में कई दिनों की भारी बारिश के कारण भूस्खलन, बाढ़ और अन्य घटनाओं में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लापता हो गए। वहीं यूरोप और जापान में रिकॉर्ड गर्मी के पूर्वानुमान के कारण और शनिवार को संयुक्त राज्य अमेरिका में लाखों लोग खतरनाक रूप से उच्च तापमान से जूझ रहे थे। बताया जा रहा है कि कैलिफ़ोर्निया से टेक्सास तक चलने वाली शक्तिशाली हीटवेव के चरम पर होने की आशंका थी क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बेहद गर्म और खतरनाक सप्ताहांत की चेतावनी दी थी। पश्चिम में दिन के समय अधिकतम तापमान सामान्य से 10 से 20 डिग्री फ़ारेनहाइट के बीच रहने का अनुमान लगाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक, एरिजोना में, निवासियों को सूरज के खिलाफ दैनिक सहनशक्ति मैराथन का सामना करना पड़ रहा है। राज्य की राजधानी फीनिक्स में लगातार 16 दिनों तक तापमान 109एफ (43 डिग्री सेल्सियस) से ऊपर दर्ज किया गया, शनिवार को तापमान 111एफ तक पहुंच गया, जो अपेक्षित 115एफ तक पहुंच गया।

बता दें कि पृथ्वी पर सबसे गर्म स्थानों में से एक कैलिफ़ोर्निया की डेथ वैली में रविवार को तापमान के नए रिकॉर्ड दर्ज होने की संभावना है। शनिवार को दोपहर तक तापमान पहले ही 48सी तक पहुंच गया था और रात में भी न्यूनतम तापमान 38से. से अधिक हो सकता है। लोगों को दिन के समय बाहरी गतिविधियों से बचने और निर्जलीकरण से सावधान रहने की चेतावनी दी गई है। यूरोप में, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा रोम, बोलोग्ना और फ्लोरेंस सहित 16 शहरों के लिए रेड अलर्ट जारी करने के साथ, इटली को सप्ताहांत में ऐतिहासिक ऊंचाई की भविष्यवाणी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम केंद्र ने इटालियंस को गर्मी की सबसे तीव्र लू और अब तक की सबसे तीव्र लू में से एक के

लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है।

गर्मी ने अनेक मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। यहां फ्रांस में, उच्च तापमान और परिणामी सूखा कृषि उद्योग के लिए खतरा पैदा कर रहा है, जिसके कारण कृषि मंत्री मार्क फेसन्यू को शनिवार को मौसम विज्ञानियों की आलोचना का सामना करना पड़ा, क्योंकि उन्होंने परिस्थितियों को गर्मी के लिए पर्याप्त सामान्य कहकर नजरअंदाज कर दिया था। पूर्वी जापान के हिस्सों में भी रविवार और सोमवार को तापमान 38 से 39सी तक पहुंचने की उम्मीद है, मौसम विज्ञान एजेंसी ने चेतावनी दी है कि तापमान पिछले रिकॉर्ड को तोड़ सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हमले की आशंका के चलते सीमा हैदर की सुरक्षा बढ़ी, पुलिस कर रही निगरानी

ग्रेटर नोएडा। पाकिस्तान से बच्चों के साथ आई सीमा हैदर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस की हिदायत के बाद सीमा के प्रेमी सचिन के परिजनों ने दोनों को मीडिया व लोगों से दूर कर दिया है। वहां पर पुलिस की तैनाती कर दी गई है। गौरतलब है कि सीमा हैदर पाकिस्तान स्थित कट्टरपंथियों व अराजकतत्वों के निशाने पर आ गई हैं। पिछले दिनों मिली धमकी को देखते हुए और खुफिया इनपुट के बाद शनिवार रात से सीमा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। चर्चा है कि पुलिस विभाग को सीमा के साथ किसी अनहोनी के बारे में खुफिया इनपुट मिला है। आशंका है कि मीडियाकर्मी व भीड़भाड़ का फायदा उठाकर कोई उसकी हत्या कर सकता है। इसको देखते हुए पुलिस ने सचिन के घर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। हालांकि परिजन सीमा की तबीयत खराब होने का हवाला देकर दोनों से मिलवाने से इनकार कर रहे हैं। रविवार को भी मीडियाकर्मी व ग्रामीण सीमा हैदर से मिलने पहुंचे थे, लेकिन देर शाम तक किसी की मुलाकात नहीं हो सकी। हालांकि सीमा हैदर के सामने नहीं आने से उसके लापता होने की चर्चा हो रही। सोशल मीडिया पर लोग तरह तरह के सवाल उठा रहे हैं। लोग दावा कर रहे हैं कि सीमा हैदर सचिन को छोड़कर चली हो गई है। वहीं, सीमा के पाकिस्तान वापस लौटने की अफवाह भी उड़ रही है। उधर, शनिवार रात पुलिस की एक टीम सीमा हैदर से पूछताछ करने के लिए रबूपुरा स्थित सचिन मीणा के घर पहुंची थी। बताया जाता है कि पुलिस की टीम ने काफी समय तक सीमा हैदर व उसके प्रेमी सचिन से अलग अलग पूछताछ की। हालांकि, दोनों से किस संबंध में जानकारी जुटाई गई इसकी कोई सूचना नहीं है। पूछताछ के बाद से सीमा हैदर की निगरानी रखने के लिए सिविल ड्रेस में 2 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

जमशेदपुर में बन रही है महिलाओं के लिए पहली मस्जिद

जमशेदपुर। जमशेदपुर के कपाली ताज नगर में देश की पहली महिला मस्जिद तैयार हो रही है। इसमें पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा यह मस्जिद समाजसेवी डॉ नूरूज्जमां खान बनवा रही है। एक चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से 25 साल से गरीब बच्चियों के लिए हाई स्कूल की शिक्षा दे रहे हैं। डॉक्टर खान का कहना है, कि जब महिलाएं पुरुषों के साथ हज कर सकती हैं। तो मस्जिद में आकर नमाज पढ़ने में बंदिस क्यों हो। लगभग डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से यह मस्जिद तैयार की जा रही है। इसमें 500 महिलाएं एक साथ 5 वक्त की नमाज पढ़ सकती हैं। सुरक्षा के लिए यहां महिला दरवानो को नियुक्त किया जाएगा। मुस्लिम धर्म गुरुओं का मानना है, कि महिलाएं खड़े होकर नमाज नहीं पढ़ सकती हैं। महिलाओं की मस्जिद बनाने का विरोध भी यहां पर शुरू हो गया है। मुस्लिम समाज के पढ़े-लिखे मुस्लिम समाज के लोग इस कार्य में ट्रस्ट की मदद कर रहे हैं। दान भी दे रहे हैं। अभी तक महिलाओं के लिए एक शिया मस्जिद उत्तर प्रदेश में है। जो बहुत छोटी है। उसकी तुलना में जमशेदपुर की मस्जिद काफी बड़ी होगी। सुन्नी संप्रदाय की यह पहली मस्जिद होगी।

भोपाल-दिल्ली वंदे भारत ट्रेन के बैटरी बॉक्स में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से नयी दिल्ली जा रही वंदे भारत ट्रेन की एक बोगी के बैटरी बॉक्स में सोमवार सुबह आग लग गई। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। बोगी में 37 यात्री थे और उन्हें तुरंत दूसरी बोगी में स्थानांतरित किया गया। अधिकारी ने बताया कि बाद में आग पर काबू पा लिया गया और मरम्मत का काम किया गया। तीन घंटे से अधिक समय तक रुकने के बाद ट्रेन अपनी आगे की यात्रा पर रवाना हुई। पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि रानी कमलापति-हज़रत निज़ामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सुबह पांच बजकर 40 मिनट पर भोपाल से रवाना हुई। उन्होंने एक बयान में कहा, ''जब यह कल्हार स्टेशन से गुजर रही थी तो स्टेशन प्रबंधक ने सी-14 बोगी के बैटरी बॉक्स से धुआं निकलते देखा, जिसके बाद उन्होंने वरिष्ठ अधिकारी को सूचना दी और ट्रेन को कुरवाई-कैथोरा स्टेशन पर रोक दिया गया।'' उन्होंने बताया कि दमकल कर्मियों ने सुबह करीब आठ बजे आग पर काबू पा लिया। अधिकारी ने कहा कि बैटरी बॉक्स बोगी के नीचे यात्रियों की सीटों से काफी दूर पर होता है। बैटरी बॉक्स में आग लगते ही विद्युत सुरक्षा प्रणाली ने बैटरियों को उससे अलग कर दिया। उन्होंने बताया कि बैटरियां हटा दी गईं और आग बुझा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे कर्मचारियों द्वारा मरम्मत कार्य करने के बाद ट्रेन ने सुबह करीब सवा 10 बजे अपनी आगे की यात्रा फिर से शुरू की।

गुजरात : पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी के आरोप में तीन लोगों को उम्रकैद

अहमदाबाद। गुजरात की एक सत्र अदालत ने जासूसी करने और भारत के सैन्य ठिकानों के बारे में गोपनीय जानकारी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी 'इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस' (आईएसआई) को लीक करने के आरोप में सोमवार को तीन लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अंबालाल पटेल की अदालत ने मौत की सजा के लिए अभियोजन पक्ष की अपील खारिज कर दी और कहा कि तीनों व्यक्तियों द्वारा किया गया अपराध 'दुर्लभ से दुर्लभतम' श्रेणी में नहीं आता है। अदालत ने कहा कि तीनों को रोजगार भारत में मिला, लेकिन उनका प्रेम और देशभक्ति पाकिस्तान के लिए थी। अदालत ने यह भी कहा कि 'भारत में रह कर भारत के नागरिक के रूप में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले व्यक्ति को स्वेच्छा से देश छोड़ देना चाहिए, या सरकार को उन्हें ढूंढना चाहिए और पाकिस्तान भेज देना चाहिए'। अदालत ने 2012 के मामले में सिराजुद्दीन अली फकीर (24), मोहम्मद अयूब (23) और नौशाद अली (23) को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), शासकीय गोपनीयता अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत आपराधिक साजिश और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के आरोप में दोषी ठहराया। तीनों को आईपीसी की धारा 121, 121 (ए) और 120 (बी) और आईटी अधिनियम की धारा 66 (एफ) के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई, साथ ही शासकीय गोपनीयता अधिनियम की धारा 3 के तहत 14 साल के कठोर कारावास और आईपीसी की धारा 123 (युद्ध छेड़ने की साजिश को छिपाना) के तहत 10 वर्ष कैद की सजा सुनाई। सभी सजाएं एक साथ जारी रहेंगी। अहमदाबाद शहर की अपराध शाखा ने 14 अक्टूबर 2012 को जमालपुर इलाके के निवासी फकीर और अयूब को अहमदाबाद और गांधीनगर सैन्य छावनी से संबंधित गोपनीय जानकारी आईएसआई को देने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

पुंछ में एलओसी पर घुसपैठ करने वाले दो आतंकी ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में सेना और पुलिस ने मिलकर दो घुसपैठियों को मार गिराया है। जानकारी के अनुसार नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर एक संयुक्त अभियान में सेना और पुलिस ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया, इसमें दो आतंकवादी मारे गए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि सेना के सतर्क जवानों ने आज सुबह घुसपैठ की बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया, इसके बाद नियंत्रण रेखा के बहादुर सेक्टर में सेना और पुलिस द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया। सेना के प्रवक्ता ने कहा कि 17 जुलाई की रात को पुंछ सेक्टर में भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में घुसपैठ की बड़ी कोशिश को खत्म कर दिया गया। दो घुसपैठियों को मार गिराया गया है। तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने कहा कि यह एक खुफिया ऑपरेशन था जिसे सेना और पुलिस ने संयुक्त रूप से चलाया था।

कश्मीर विवि के पीआरओ व दो अन्य सेवा से बर्खास्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने कश्मीर विवि के पीआरओ व दो अन्य कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। जानकारी के अनुसार इन तीनों पर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का आरोप है। इस मामले में जम्मू-कश्मीर सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 (2) का इस्तेमाल करते हुए, तीनों को सेवा से बर्खास्त कर दिया। गौरतलब है कि यह अनुच्छेद भारत के राष्ट्रपति या राज्यपाल को किसी भी सरकारी कर्मचारी को सुनवाई का अवसर दिए बिना सेवा से बर्खास्त करने का अधिकार देता है, लेकिन तब, जब राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में उनकी संलिप्तता से देश की अखंडता को खतरा हो। सोमवार को प्रावधान लागू करते हुए, जम्मू-कश्मीर सरकार ने पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के साथ सक्रिय रूप से काम करने, आतंकवादियों को रसद प्रदान करने, आतंकवादियों की विचारधारा का प्रचार करने, धन जुटाने और आगे बढ़ाने के लिए कश्मीर विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) फहीम असलम, राजस्व विभाग के अधिकारी मुरावथ हुसैन मीर और पुलिस कांस्टेबल अर्शीद अहमद थोकर की सेवाओं को समाप्त कर दिया।

भारत में पांच साल में साढ़े तेरह करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए, यूपी अव्वल

-नीति आयोग ने जारी किए आंकड़े, बिहार और मध्य प्रदेश दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में पिछले पांच साल के दौरान साढ़े तेरह करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर आए हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार यूपी में यह दर सर्वाधिक रही है। जबकि बिहार व मप्र दूसरे नंबर पर हैं। जानकारी के अनुसार नीति आयोग ने बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2023 रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार साल 2015-16 से 2019-21 के दौरान रिकॉर्ड 13.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए हैं। उत्तर प्रदेश में गरीबों की संख्या में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई है। इसके बाद बिहार और मध्य प्रदेश का स्थान आया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीच बहुआयामी गरीबों की संख्या में 24.85 प्रतिशत से 14.96 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। इस रिपोर्ट का नाम 'राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांकः एक प्रगति संबंधी समीक्षा 2023 है। इसके अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में सबसे तेज गिरावट 32.59प्रतिशत से घटकर 19.28 प्रतिशत हो गई है। भारत 2030 की समय सीमा से बहुत पहले एसडीजी लक्ष्य 1.2 हासिल करने की राह पर है। रिपोर्ट की मानें तो जमीनी स्तर पर सभी 12 एमपीआई संकेतकों में पर्याप्त सुधार देखा गया है। आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में 3.43 करोड़ के साथ गरीबों की संख्या में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई, इसके बाद बिहार और मध्य प्रदेश का स्थान है।

वहीं पोषण में सुधार, स्कूली शिक्षा के वर्षों, स्वच्छता और खाना पकाने के ईंधन ने गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय एमपीआई स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के तीन समान रूप से भारित आयामों में एक साथ अभावों को मापता है जो 12 एसडीजी-संरेखित संकेतकों द्वारा दर्शाया गया है। इनमें पोषण, बाल और किशोर मृत्यु दर, मातृ स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, रसोई गैस, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, आवास, परिसंपत्ति और बैंक खाते शामिल हैं, सभी में उल्लेखनीय सुधार देखे गए हैं। पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने स्वास्थ्य में अभावों को कम करने में योगदान प्रदान किया है। जबकि स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसी पहलों ने देशभर में स्वच्छता संबंधी सुधार किया है।

रिपोर्ट के अनुसार स्वच्छता अभावों में इन प्रयासों के प्रभाव के परिणामस्वरूप तेजी से और स्पष्ट रूप से 21.8प्रतिशत अंकों का सुधार हुआ है। पीएम उज्जवला योजना के माध्यम से सब्सिडी वाली रसोई गैस के प्रावधान ने जीवन को सकारात्मक रूप से बदल दिया है। रसोई गैस की कमी में 14.6 प्रतिशत अंकों का सुधार हुआ है। सौभाग्य, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) और समग्र शिक्षा जैसी पहलों ने भी बहुआयामी गरीबी को कम करने में प्रमुख भूमिका निभाई है।

भाजपा विधायक का बयान, कश्मीर से कन्याकुमारी तक के लुटेरे एक साथ

बेंगलुरु। विपक्षी दलों की बैठक को लेकर भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने सोमवार को कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक के लुटेरे एक जगह एकत्र हो रहे हैं और बेंगलुरु में एक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। विवादास्पद बयान जारी करने में माहिर भाजपा विधायक यतनाल ने यह बात आज यहां पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्षी दल एक साथ आ गए हैं। उन्होंने कहा, कश्मीर से कन्याकुमारी तक के लुटेरे एक साथ आ रहे हैं। वे लोकसभा

चुनाव में पीएम मोदी को हराने के लिए एकजुट हो रहे हैं। जो परिवार जमानत पर बाहर हैं वे भी राज्य में साथ आ रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वे अच्छी तरह से जानते हैं कि अगर पीएम मोदी दोबारा सत्ता में आए तो वे निश्चित रूप से जेल जाएंगे। यही कारण है कि सभी लुटेरे एक साथ आ रहे हैं। विधायक ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस को सत्ता में आए दो महीने हो गए हैं। कांग्रेस के सत्ता संभालने के बाद सूखा आ गया है। किसानों के द्वारा आत्महत्याएं बढ़ रही हैं, चिंता का माहौल है और हिंदू कार्यकर्ता मारे जा रहे हैं। इसी दौरान विपक्ष की बैठक पर टिप्पणी करते हुए, पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा कि विपक्षी दल इसे महागठबंधन कह रहे हैं, लेकिन वास्तव में इसमें कोई बंधन नहीं है। उनका एकमात्र उद्देश्य पीएम मोदी को हराना है, जो असंभव है, जब शून्य में शून्य जोड़ा जाता है, तो वह कुछ भी नहीं होता है। इससे कुछ फर्क नहीं पड़ेगा।

'एनडीए की बैठक में शामिल होंगे 38 दल', नड्डा बोले- देश में हो रही विकास की राजनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 के लोकसभा चुनाव में एक साल से भी कम का वक्त बचा है। इसी कड़ी में राजनीतिक दल अपने-अपने समीकरणों को साधने में लग गए हैं। एक ओर बेंगलुरु में जहां विपक्षी दलों की बड़ी बैठक हो रही है तो वहीं दिल्ली में 18 जुलाई को सत्तारूढ़ एनडीए की बैठक होने जा रही है। इसको लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में नड्डा ने दावा किया कि एनडीए की बैठक में 38 दल शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 9 सालों में एनडीए के शासन में देखा। देश का ग्राफ तेजी से ऊपर हुआ है। देश में अब सिर्फ और सिर्फ विकास की राजनीति हो रही है। उन्होंने साफ-साफ कहा कि एनडीए सरकार में भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हमारा गठबंधन सेवा के लिए

नड्डा ने कहा कि कल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बैठक शाम को आहुत की गई है। पिछले 9 सालों में एनडीए का जो डेवलमेंट का एजेंडा है, जो स्कीम्स हैं, जो नीतियां हैं, जो मोदी जी के नेतृत्व में चल रही हैं, इसमें एनडीए के सभी दलों ने रूचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में एनडीए सरकार द्वारा सुशासन का काम किया गया है और हम इस पर लगातार काम कर रहे हैं। अब तक 28 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थी को हस्तांतरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में हमने पीएम मोदी का मजबूत नेतृत्व देखा है। इसे देश ने सराहा है और सकारात्मक माहौल बना है। देश का सामान्य नागरिक भी गौरव महसूस करता है। उन्होंने कहा कि बैठक को लेकर एनडीए में उत्साह है।

भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 9 साल के अंदर गांव, गरीब, शोषित, पीड़ित, वंचित, दलित, युवा, महिला, किसान इन सबके प्रति स्कीम्स को फोकस किया गया है। इससे इनके सशक्तिकरण में हमें बहुत सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि दुनिया कई कारणों से वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर रही है। इसके बावजूद, आईएमएफ ने कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर है...मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और यह एशिया और वैश्विक विकास के लिए एक प्रमुख चालक है। उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में मोदी जी के नेतृत्व में एक मजबूत लीडरशिप देखने को मिली है, जिसको देश ने भी सराहा है और एक बहुत ही पॉजिटिव वातावरण बना है। कोविड प्रबंधन में मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया में मिसाल कायम की है।

यूपीए पर तंज

नड्डा ने कहा कि आज एनडीए के प्रति लोगों का रूझान है। ये गठबंधन सत्ता के लिए नहीं है। ये गठबंधन सेवा के लिए है, भारत को मजबूत करने के लिए है। उन्होंने विपक्षी एकता की बैठक पर तंज कसते हुए कहा कि जहां तक यूपीए सवाल है, ये भानुमति का कुनबा है। ये ऐसा गठबंधन है, जिसके पास न तो नेता है और न ही नीयत है, न नीति है और न ही फैसला लेने की ताकत है। यह 10 साल की यूपीए सरकार के भ्रष्टाचार और घोटालों का टोला है। यह स्वार्थ पर आधारित गठबंधन है और केवल फोटो खींचने के अवसर के लिए है। उन्होंने कहा कि कहीं की ईंट, कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा।

गुरपतवंत ने सिख सैनिकों को उकसाया, तिरंगा फेंको और खालिस्तानी झंडा उठाओ

- 14 जुलाई को फ्रांस में बैस्टिल दिवस समारोह का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के तीनों अंगों की एक टुकड़ी ने 14 जुलाई को फ्रांस में बैस्टिल दिवस समारोह में हिस्सा लिया था। यह फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस है, जिसे बैस्टिल डे के रूप में भी जाना जाता है। यह हर साल 14 जुलाई को मनाया जाता है। बैस्टिल दिवस परेड समारोह का मुख्य आकर्षण है। इसी बीच सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने फ्रांस में बैस्टिल डे परेड में भाग लेने वाले सिख सैनिकों को उकसाते हुए कहा कि तिरंगा छोड़ें और खालिस्तान झंडा फहराओ। पंजाब रेजिमेंट भारतीय सेना की सबसे खतरनाक बटालियनों में से एक है और इसके सैनिकों का भारत की सेवा का एक लंबा और गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। पंजाब रेजिमेंट ने आजादी के बाद से हर बड़े संघर्ष में लड़ाई लड़ी है और हमेशा अपने साहस और समर्पण से खुद को प्रतिष्ठित किया है। पंजाब रेजिमेंट के सैनिक देशभक्त हैं जिन्हें अपने देश की सेवा करने पर गर्व है। खालिस्तान का झंडा उठाकर भारत से गद्दारी करने का उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा। पन्नू की बातें परेशानी और हताशा पैदा करने की कोशिश से ज्यादा कुछ नहीं हैं। पन्नू एक स्व-सेवारत तानाशाह हैं जो केवल अपने एजेंडे को बढ़ावा देने में रुचि रखता है।

पंजाब के लोगों के लिए पन्नू की बातें एक बकवास की तरह हैं, इससे ज्यादा कुछ नहीं। पंजाब के लोगों को भारतीय होने पर गर्व है और पंजाबी कभी भी खालिस्तानी आंदोलन का समर्थन नहीं करेंगे। खालिस्तान आंदोलन पन्नू जैस लोग सिर्फ उकसावे और अपने फायदे के लिए उठा रहे हैं इससे पंजाब का कुछ भी भला होने वाला नहीं है और पंजाब के लोग यह अच्छे से जानते हैं। सिख सैनिकों ने पीढ़ियों से भारतीय सेना में उत्कृष्टता के साथ सेवा की है और वे आने वाले कई वर्षों तक ऐसा करना जारी रखेंगे। पन्नू का खालिस्तानी आंदोलन का आह्वान का मतलब है एक और बंटवारे का दंश झेलना जो कलह का कारण तो बनेगा है लेकिन उसका असहनीय दर्द लोग कभी भूल नहीं पाएंगे जैसे भारत-पाकिस्तान के बीच हुआ।

खड़गे ने की ईडी द्वारा छापेमारी की निंदा, बताया बदले की कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ईडी के छापों को बदले की कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि जहां सभी दल एक हो रहे हैं वहीं ईडी की कार्रवाई से हमारी आवाज को दबा नहीं सकते। बता दें कि बेंगलुरु में सोमवार को विपक्ष की दूसरी बैठक शुरू होते ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री के. पोनमुडी से जुड़े परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की निंदा की। एक लंबे ट्विटर पोस्ट में, खड़गे ने कहा कि हम अपनी महत्वपूर्ण विपक्षी बैठक से ठीक पहले तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री डॉ. के. पोनमुडी के खिलाफ ईडी की छापेमारी की निंदा करते हैं। यह विपक्ष को डराने और विभाजित करने के लिए मोदी सरकार की पूर्वानुमेय स्क्रिप्ट बन गई है।

उन्होंने कहा कि आश्चर्यजनक रूप से, भाजपा अचानक वैचारिक रूप से विरोधी दलों के गठबंधन को एक साथ लाने की आवश्यकता के प्रति जाग गई है। सभी समान विचारधारा वाली पार्टियां मोदी सरकार की प्रतिशोध की राजनीति के खिलाफ एकजुट हैं और लोकतंत्र को कुचलने की इन कायरतापूर्ण रणनीति से नहीं डरेंगी। खड़गे की यह टिप्पणी ईडी द्वारा सोमवार सुबह पोनमुडी से जुड़े नौ स्थानों पर छापेमारी के कुछ ही घंटों बाद आई है।

अब पुरुषों पर धीरेंद्र शास्त्री का विवादित बयान- काला आदमी, जिसे देखकर अमावस भी डर जाए

- बीते दिनों धीरेंद्र शास्त्री ने महिलाओं को लेकर भी विवादित बयान दिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। बागेश्वर धाम सरकार के पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कथा के दौरान कहा कि मोबाइल पर एक एप चल रहा है। उसका नाम हमने फेकबुक रखा है। यानी फेंकते रहो। काला आदमी, जिसे देखकर अमावस डर जाए, फेसबुक पर फोटो इतनी गोरी करके अपलोड करता है, जैसे अंग्रेज हो। उन्होंने कहा कि एक बार फेसबुक पर एक युवती की युवक से दोस्ती हुई। फिर बात होने लगी, जब वह युवक से मिलने गई, तो उसकी उम्र 62 साल निकली और युवती की 22 साल इसलिए हम इसे फेकबुक कहते हैं। इसका आशय यह है कि कई बार जो दिखता है, वो होता नहीं है। इसलिए गुण और कर्म देखकर ही आगे बढ़ना चाहिए।धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हम जहां कथा शुरू करने जाते हैं। हमारे साथ 10-12 सेवादार होते हैं। बाकी सब आयोजक होते हैं। इसलिए हर सब्जेक्ट हमसे न जोड़ा जाए। हमसे मिलाने के नाम पर, हमारे साथ फोटो खिंचवाकर हमारा क़रीबी बताने वाले के चक्कर में न पड़ें। हमसे मिलने के लिए किसी मीडिएटर की जरूरत नहीं। है। हमारा द्वार हमेशा आपके लिए खुला है। उन्होंने कहा कि हम भारत में दान कमाने नहीं आए। हम लोगों के हृदय में हनुमान जगाने आए हैं। जो भी सनातनियों और साधुओं का विरोध करे उन्हें मुंहतोड़ जवाब देने की जिम्मेदारी आपकी है।

ऐसा नहीं कि धीरेंद्र शास्त्री ने पहली बार विवादित बयान दिया है। बीते दिनों उन्होंने महिलाओं को लेकर भी इसी तरह का बयान दिया था। जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना की जा रही है। दरअसल प्रवचन के दौरान धीरेंद्र शास्त्री कहते हैं, किसी स्त्री की शादी हो गई हो तो उसकी दो पहचान होती है- मांग का सिंदूर, गले में मंगलसूत्र। अच्छा, मान लो मांग का सिंदूर न भरा हो, गले में मंगलसूत्र न हो तो हम लोग क्या समझते हैं कि भाई ये प्लॉट अभी खाली है। इस वीडियो में आगे बागेश्वर बाबा आगे कहते हैं, और मांग का सिंदूर भर गया हो। गले में मंगलसूत्र लटक गया हो तो हम लोग दूर

से ही देखकर समझ जाते हैं कि रजिस्ट्री हो गई है। वैसे इस वीडियो में दिखाई देता है कि प्रवचन सुन रही कई महिलाएं तालियां बजाकर खिलाखिलाकर हंस पड़ती है लेकिन अब कुछ हिंदू महिलाएं इस पर आपत्ति जता रही हैं।

प्राइवेट सेक्टर भी अंतरिक्ष में उड़ान भरने को तैयार, 246 कंपनियां कर रही काम

-चंद्रयान-3 मिशन की सफलता से उत्साहित इसरो भी दे रहा निजी कंपनियों को सहयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब प्रायवेट सेक्टर भी अंतरिक्ष में उड़ान भरने को तैयार हो रहा है। इसके लिए देश की 146 कंपनियां काम कर रही हैं। इनको इसरो भी सहयोग कर रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में चंद्रयान-3 मिशन पर भेजा गया है जिसकी सफलता से भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनियों को बढ़ावा मिल सकता है। 2020 में महज 21 कंपनियां अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रही थीं मगर अब इनकी संख्या बढ़कर 146 हो चुकी है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार इन्हें बढ़ावा देने के लिए सरकार इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का दायरा बढ़ाने की योजना बना रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) भी निजी क्षेत्र में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को रफ्तार दे रहा है। चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण से कुछ दिन पहले इसरो की वाणिज्यिक शाखा इन-स्पेस (भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्द्धन एवं प्राधिकरण केंद्र) ने अपनी लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) तकनीक निजी क्षेत्र को सौंपने के लिए अ?भिरुचि पत्र मांगे थे। हालांकि प्रक्षेपण यान तकनीक निजी क्षेत्र के साथ साझा करने का यह पहला मौका है। इसके लिए इसरो ने 1980 के दशक से अब तक करीब 235 उद्योगों को 400 से अधिक प्रौद्योगिकी दी हैं। सूत्रों का कहना है कि ऐसी ही करीब 200 तकनीक पिछले कुछ साल में ही निजी क्षेत्र को दी गई हैं।

इसरो और प्राइवेट सेक्टर के बीच पुल का काम करने वाली इन-स्पेस के चेयरमैन पवन गोयनका ने कहा कि हम निजी क्षेत्र को प्रौद्योगिकी देने का काम बहुत तेजी से कर रहे हैं। इन-स्पेस इस काम में समन्वय का काम कर रही है। कुछ दिन पहले एसएसएलवी की प्रौद्योगिकी देने की भी घोषणा की है। हम ऐसी नौ या दस प्रमुख तकनीक पर विचार कर रहे हैं। इसका मकसद निजी क्षेत्र को सहारा देना है।' गोयनका ने कहा कि हाल में अंतरिक्ष नीति की घोषणा होने से इस काम को काफी बढ़ावा मिलेगा। सरकार इस क्षेत्र के लिए एफडीआई नीति तैयार कर रही है, जिससे स्टार्टअप को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। योजना के अनुसार सब-सिस्टम विनिर्माण, प्रक्षेपण यान परिचालन और उपग्रह संचालन एवं स्थापना जैसे क्षेत्रों में एफडीआई की अनुमति होगी। चंद्रयान-3 मिशन से भी अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की बढ़ती रुचि का पता चलता है।

गौरतलब है कि एनवीएम-3 रॉकेट का करीब 85 फीसदी हिस्सा निजी क्षेत्र से आया था। इसकी कई महत्त्वपूर्ण प्रणालियां जीओसीओ (सरकारी स्वामित्व एवं कंपनियों द्वारा संचालित) मॉडल के तहत बनाई गई थीं। उद्योग का अनुमान है कि अंतरिक्ष क्षेत्र में 146 स्टार्टअप के अलावा 1,500 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम काम करते हैं। इस क्षेत्र को जून 2020 में निजी क्षेत्र के लिए खोला गया था। तब से इस क्षेत्र में करीब 17.5 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ है। अभी तक यहां कुल 25.8 करोड़ डॉलर का निवेश आया है। जिन कंपनियों को विदेशी निवेश मिला है, उनमें अग्निकुल, स्काईरूट, ध्रुव और पिक्सेल शामिल हैं। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से इसमें और तेजी आने की उम्मीद बताई जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी के नेतृत्व में देश का सम्मान बढ़ा : सुधा यादव

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड की सदस्य सुधा यादव ने कहा कि आज देश की बागडोर एक ऐसे प्रधानमंत्री के हाथों में हैं, जिन्होंने कभी छुट्टी नहीं ली और केवल अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित किया। आज उनके नेतृत्व में देश में सडक़ों का जाल बिछ चुका है और अनेक आमजन के जीवन से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। श्रीमती सुधा यादव रविवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पंकज सिंगला द्वारा ओल्ड फरीदाबाद अग्रवाल धर्मशाला में चाय पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंची। इस अवसर पर उनके साथ विधायक ओल्ड फरीदाबाद नरेन्द्र गुप्ता, जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला श्रीमती ऊषा प्रियदर्शनी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमल यादव, सोहनपाल छोकर आदि मौजूद रहे। श्रीमती सुधा यादव ने कहा कि 2024 के चुनावों के लिए सभी विपक्षी दल एकत्रित हो गए हैं, वो केवल अपने आपको बचाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका केवल एकमात्र उद्देश्य है कि किसी प्रकार से मोदी को हटाया जाए। आज मोदी जी के नेतृत्व में देश का मान एवं सम्मान दुनिया में बढ़ा है। आज एक देश का राष्ट्रपति मोदी जी के पैर लेता है और कई देशों के प्रधानमंत्री मोदी जी के साथ सेल्फी लेते हैं। आज राष्ट्र निर्माण की इस दिशा में देश बढ़ रहा है, इसमें युवाओं को बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पंकज सिंगला की पीठ थपथपाते हुए कहा कि उन्होंने चाय के एक छोटे से कार्यक्रम को इतने शॉर्ट नोटिस में इतना बड़ा कर दिया। यह दिखाता है कि वह युवा तो हैं कि मगर, राजनीति के परिपक्व खिलाड़ी भी हैं। इस अवसर पर विधायक नरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि श्रीमती सुधा यादव सरल एवं सहज स्वभाव की हैं और हमारे लिए गर्व कीबात है कि संसदीय बोर्ड के 12 सदस्यों में वह शामिल हुई हैं। फरीदाबाद की जनता एवं लोगों से उनका प्यार आज उनको यहां खींच लाया है और हमें उम्मीद है कि उनके मार्गदर्शन में पार्टी को मजबूती मिलेगी और आने वाले 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी का परचम फिर से लहराएगा। वहीं, जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कहा कि श्रीमती सुधा यादव का फरीदाबाद में कार्यक्रम था, मगर हमारे युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष के एक बुलावे पर वह चाय के इस कार्यक्रम में पहुंची और सभी युवा साथियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ही नहीं, बल्कि पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उनके सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे हैं और उम्मीद करेंगे कि वो कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन इसी प्रकार करती रहेंगी। इस मौके पर पंकज सिंगला एवं उनकी समस्त टीम गोल्डी अरोड़ा, कार्तिक वशिष्ठ, योगेश तेवतिया, मनीष सिंह, ज्ञानेन्द्र भारद्वाज, करण गोयल, गौतम भड़ाना, पूरब भड़ाना, अमित महिन्द्रू, आयुश चंदीला के अलावा सभी मंडलों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और श्रीमती सुधा यादव को बुके देकर सम्मानित किया।

रतिया घग्गर में बाढ़ से कई गांव डूबे

रतिया। घग्गर नदी में आई बाढ़ ने रविवार को विकराल रूप धारण कर लिया है। रविवार सुबह नदी का जलस्तर 30 साल का रिकॉर्ड तोड़कर 18 फुट तक पहुंच गया। रंगोई नालों में बड़ी-बड़ी दरारें आने से कई गांव जलमग्न हो गये। इसके साथ ही शहर से अधिकांश मार्ग अन्य गांवों व शहरों से कट गए हैं। राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सेना की एक टुकड़ी ने मोर्चा संभाल लिया है।

पिछले 2 दिनों से पंजाब क्षेत्र खनोरी और गुहला-चीका से पानी के बहाव में कमी आने की सूचनाएं मिल रही हैं, लेकिन पिछले 24 घंटे से रतिया क्षेत्र में बाढ़ का पानी उफान का रूप धरण करता जा रहा है।?इस कारण इस क्षेत्र के लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। बताया गया है कि रविवार सुबह गांव चिम्मों के साइफन में जलभराव अधिक हो जाने के कारण पानी ने फतेहाबाद की तरफ रुख कर लिया है। इस कारण प्रशासन के दिल की धड़कनें और भी तेज हो गई। लोगों की सेवा व सुरक्षा के लिए सेना की एक टुकड़ी रतिया बुला ली गई। बताया गया है कि अनेक स्थानों पर रंगोई नाले टूटने से रविवार सुबह ही रतिया-भूना मार्ग बंद हो गया, वहीं अनेक गांव एक से दूसरे से भी कट गए

हैं। इधर चिम्मों से शुरू हुए पानी का बहाव गांव बुर्ज, चंदो, रायपुर, महम्मदपुर सोत्तर, सुखमणपुर होता हुआ गांव अहरवां तक पहुंच गया। पानी को आता देख ग्रामीणों ने अपने स्तर पर ही रिहायशी क्षेत्रों को बचाने के लिए गांवों के इर्द-गिर्द बांध बनाने शुरू कर दिए थे।

यहां फसलें नष्ट-गांव तेलीवाड़ा-लांबा, घासवां, कक्कूवाली ढाणी, बबनपुर सहित अनेक गांवों में भी पूरा जलभराव होने के कारण फसलें पूरी तरह ही नष्ट हो गई। गांव घासवा के रिहायशी क्षेत्र में भी पानी घुसने के कारण गांव का संपर्क अन्य गांवों से कट गया। गांव कक्कूवाली ढाणी बाढ़ के पानी से पूरी तरह घिर जाने के पश्चात इस गांव में प्रशासन की तरफ से विशेष किश्ती का प्रबंध किया गया और ढाणी में रहने वाले लोगों को सामाजिक संस्थाओं तथा प्रशासन के सहयोग से राहत सामग्री भी पहुंचाई गई।

प्रशासन ने शुरू किये राहत कार्य-एसडीएम जगदीश चंद्र अपनी पूरी टीम के साथ गांवों के लोगों के अलावा शहरी क्षेत्र को बाढ़ से बचाने के लिए मशक्कत करते रहे। जिस स्थान पर ही बाढ़ के पानी के कारण आपदा अधिक हो रही थी, वहां स्वयं ही पहुंचकर लोगों को राहत सामग्री देने के साथ-साथ जान माल की सुरक्षा को लेकर उन्होंने स्वयं विशेष प्रबंध किये।

राहत, बचाव कार्यों के लिए पहुंची सेना-बाढ़ से बचाव कार्यों एवं लोगों की सुरक्षा के लिए सेना की एक टुकड़ी रविवार दोपहर को रतिया पहुंच गई।?नायब तहसीलदार अचिन कालता ने चिम्मों रेस्ट हाउस में सेना की टुकड़ी को रिसीव किया। इस मौके पर सेना के कमांडर गुरतेज सिंह ने नायब तहसीलदार व अन्य अधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। नायब तहसीलदार ने बताया कि पानी के तेज बहाव को देखते हुए सेना को बुलाया गया ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों की सुरक्षा की जा सके।?कमांडर गुरतेज सिंह ने बताया कि राहत कार्यों के लिए 42 आरमड रेजिमेंट की ड्यूटी लगी है।

बांध तोड़ने की मांग को लेकर लगाया जाम-गांव चिम्मों की बस्ती में बाढ़ के पानी के फैलने की आशंका के चलते गांव के लोग सड़कों पर आ गए और गांव कलंदरगढ़ के ग्रामीणों द्वारा मुख्य मार्ग पर लगाए गए बांध को तोड़ने की मांग को लेकर रतिया-टोहाना स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम के दौरान गांव के लोगों में आपसी तनाव फैलने की स्थिति उत्पन्न हो गई।? सूचना पाकर नायब तहसीलदार अचिन कुमार व खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी संदीप भारद्वाज भारी पुलिस बल के साथ गांव में पहुंच गए। उन्होंने गांव के लोगों को शांत करते हुए बस्ती के इर्द-गिर्द बांध बनवाने का प्रयास शुरू कर दिया।

कच्चे कर्मियों को कौशल रोजगार निगम में शामिल करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

रोहतक। छात्र नेता दिनेश कांगड़ा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल को ज्ञापन सौंपा, जिसमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सफाई कर्मचारी, बिजली कर्मी, पलंबर व अन्य कच्चे कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल करने के लिए व कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत करवाया। कांगड़ा ने बताया की जहां हरियाणा में पूरे प्रदेश में ठेकेदारी प्रथा को खत्म करने के लिए हरियाणा सरकार ने सराहनीय कदम उठाए हैं, वहीं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आज भी ठेकेदारी प्रथा ज्यों की त्यों बनी हुई है। जिसमें आए दिन सफाई कर्मचारी व अन्य कच्चे कर्मचारी जो ठेकेदारी प्रथा के अधीन हैं, उन्हें अनेक बार शोषण का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के छात्र संगठन कई बार प्रशासन व सरकार के कई अधिकारियों को इन समस्याओं से अवगत करवा चुके हैं, लेकिन अभी तक इनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। इन कर्मचारियों के हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल किए बिना राशन कार्ड भी काट दिए गए जिसके कारण ये सभी कर्मचारी सरकार के द्वारा मिलने वाली सुविधाओं से भी वंचित हो गए हैं।

दोबारा से जिला प्रवक्ता बनाने पर सिकंदर गहली का जजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

नारनौल। जन नायक जनता पार्टी का लगातार दूसरी बार सिकंदर गहली को जिला प्रवक्ता बनाने पर रविवार दोपहर को सिंघाना रोड स्थित जिला जजपा कार्यालय में सम्मान एवं स्वागत किया गया। दोबारा से जिला प्रवक्ता बनाने पर सिकंदर गहली ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला, विधायक नैना चौटाला, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष सरदार निशान सिंह, प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला तथा मीडिया कोर्डिनेटर दीपकमल सहारण समेत पार्टी के सभी शीर्ष नेताओं का आभार प्रकट किया तथा कहा कि वह पार्टी के भरोसे को कायम रखते हुए संगठन की मजबूती के लिए कार्य करेंगे। इस मौके पर आयोजित पत्रकारवार्ता में जजपा के जिला प्रधान डा. मनीष शर्मा ने बताया कि 23 जुलाई को प्रात: 11 बजे गांव नायन में हरी चुनरी चौपाल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विधायक नैना चौटाला मुख्यातिथि होंगी। उन्होंने बताया कि हरी चुनरी चौपाल के दूसरे चरण की शुरूआत प्रदेश के अंतिम छोर पर स्थित नांगल चौधरी विधानसभा के गांव नायन से की जा रही है। प्रदेश में अब तक 70 विधानसभाओं में हरी चुनरी चौपाल हो चुके हैं तथा अब चुनावी बिगुल बज चुका है और मिशन-2024 के मद्देनजर हरी चुनरी चौपाल के दूसरे चरण की शुरूआत की जा रही है। जिसकी संयोजक जिला उपप्रमुख भीमसिंह गुर्जर की माता एवं पार्टी की सक्रिय कार्यकर्ता सावित्री गुर्जर होंगी।

इस मौके पर पार्टी के प्रदेश महासचिव एडवोकेट तेजप्रकाश यादव ने कहा कि जजपा ने महिलाओं को हमेशा पूरा मान-सम्मान दिया है। पंचायती राज चुनावों में जहां पुरुषों के बराबर 50 प्रतिशत सीटों पर महिलाओं को हक दिलाया, वहीं राशन डिपुओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाया। अब हरी चुनरी चौपाल में भी विधायक नैना चौटाला महिलाओं का उत्साहवर्धन करने आएंगी।

अब चुनावी माहौल बनने लग गया है तथा डा. अजय सिंह चौटाला के अटेली के दौरे के बाद अब विधायक नैना चौटाला नायन का दौरा कर रही हैं। इस दौरे को लेकर महिलाओं एवं पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी जोश एवं उत्साह बना हुआ है तथा इस कार्यक्रम में कम से कम पांच हजार महिला कार्यकर्ता भाग लेंगी।

पत्रकारवार्ता से पूर्व पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला प्रवक्ता सिकंदर गहली को गुलदस्ता भेंटकर उनका स्वागत एवं मान-सम्मान किया। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कंवर सिंह कलवाड़ी, प्रदेश सचिव अशोक सैनी, युवा जिलाध्यक्ष युद्धवीर पालड़ी, महिला जिलाध्यक्ष सुविधा शास्त्री, हलका अध्यक्ष बेदू राता, हजारी लाल लंबौरा, उपजिला प्रमुख भीमसिंह गुर्जर, नगर पार्षद संदीप भांखर, पार्षद प्रतिनिधि सुमेर कांडा, योगेश नीरपुर, सुरेंद्र ढिल्लो एडवोकेट, धर्मबीर यादव, लक्की सरदार, विजय छिलरो, रविंद्र गागड़वास, अजय एडवोकेट, वीरेंद्र घाटासेर, प्रमोद ताखर, हरफूल मैनेजर, बिल्लू बापड़ोली, कुलदीप कलवाड़ी, विष्णु सरपंच, मोहम्मद शफी, नरेश खालड़ा, राजेश सैनी, कैलाश सैनी, धीरज शर्मा, रविंद्र बेवल, सरपंच जसवंत यादव, सतपाल यादव, महेंद्र खन्ना, नरेश निंबेहड़ा, अमनदीप कौर, सतीश डागर, जॉनी तंवर, डा. कमल, दीपक यादव, चरणसिंह चौहान, कृष्ण यादव, रवि, सुनील श्योराण, बलवान ग्रेवाल, रविंद्र पंडितजी व परमानंद आदि ने उनका स्वागत किया।

नीलोखेड़ी में नये भवन के निर्माण के लिए अधिकारियों से होगी बात

नीलोखेड़ी। नवनियुक्त सिविल सर्जन डॉ. विनोद कमल ने शनिवार को नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी वार्डों, परिसर तथा कई दिन से खराब पड़ी एक्स-रे मशीन का भी निरीक्षण किया तथा एसएमओ डॉ. वन्दना अग्रवाल से अन्य समस्याओं बारे जानकारी ली। इस मौके पर डॉ. करिश्मा, डॉ. नताशा, डॉ. अजय छिकारा, डॉ. अरविंद, डॉ. संजय, डॉ. प्रवीन, डॉ. हरीश तथा रेडियोग्राफर दिनेश मलिक सहित सभी डॉक्टर मौजूद रहे। सिविल सर्जन ने बताया कि बरसात के कारण आई बाढ़ से करनाल के 42 गांव प्रभावित हुए हैं। इन गांवों में स्वास्थ्य विभाग की ओर से 34 टीमें बनाई गई हैं। जो बाढ़ पीढ़ित सभी लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रही हैं तथा उन्हें दवाइयां बांटी जा रही हैं। डॉ. विनोद कमल ने बताया कि अधर में लटके नीलोखेड़ी के अस्पताल के नये भवन के निर्माण को जल्दी शुरु करवाने के लिए उच्चाधिकारियों से बात की जाएगी। खराब एक्स-रे मशीन को तुरन्त ठीक करवाकर लोगों को सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। अस्पताल के पीछे गेट न होने से आवारा पशु अस्पताल में घुस जाते हैं। इसलिए जल्दी ही गेट लगवाया जाएगा।

श्री घंटाकर्ण चमत्कारी भक्तवत्सल देवता हैं जो भक्तों की झोलियाँ भरते हैं - महासाध्वी प्रमिला

करनाल - श्री आत्म मनोहर जैन आराधना मन्दिर, इन्द्री रोड़ में महाप्रभावी अतिशय शक्तिसंपन्न मनोकामनापूरक श्री घंटाकर्ण महावीर देवता का विशेष कृपा दिवस कृष्ण चौदस भक्ति-भावना एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। सर्वप्रथम श्री घंटाकर्ण बीजमंत्र के सामूहिक जाप से लोकमंगल की याचना की गई।

साध्वी जागृति, जयपाल सिंह,अलका जैन, पवन जैन, कर्मवीर चौहान ने भजनों से समां बांधा। दुनिया से सहारा क्या लेना एक तेरा सहारा काफी है, कुछ कहने की क्या जरूरत है तेरा एक इशारा काफी है, जब से मिली शरण कि मेरे दिन बदल गए, मंदिर गया मैं पहली बार, मुझे लुभाया ये दरबार, मेरे दादा जी तुसी मिलया करो कोई गल सुनानी हुंदी है, तन वारा तेरे तो मन वारा समझ न आए तेरे तो की वारा, आदि भजनों के स्वरों ने सभी को भावविभोर किया। शांतमूर्ति महासाध्वी श्री प्रमिला जी महाराज ने कहा कि कलयुग वैसे तो सभी प्रकार से दोषमय है परन्तु इसकी एक विशेषता यह है कि इसमें केवल अपने इष्ट-आराध्य के कीर्तन तथा स्तवन से व्यक्ति आसक्ति के चंगुल से छूटकर परमपद को प्राप्त करता है। वही व्यक्ति सर्वोत्तम भक्त है जो सभी प्राणियों में परमात्म स्वरुप का दर्शन करता है और हर छोटे-बड़े प्राणी को परमात्मा का अंश मानता है। कलयुग में प्रभु नाम ही संसार सागर से तिराने वाली नौका है, जिसके अलावा पार उतरने का अन्य कोई निस्तार नहीं है। श्री घंटाकर्ण सभी भारतीय परंपराओं के सर्वमान्य प्रभावशाली भक्तवत्सल देव हैं जो सभी संकट टालकर भक्तों के जीवन मार्ग को सुखद और सौम्य बनाते हैं। श्री घंटाकर्ण सात्विक, भव्य, प्रत्यक्ष प्रभावी, सद्भाव रखने वाले, कार्य-पूर्ति में आने वाली अड़चनों को दूर करने वाले, अभय करने वाले अर्थात भय-आपदाओं से छुटकारा दिलाने वाले, आधि- व्याधि- उपाधि यानि मानसिक, शारीरिक, भौतिक कष्टों का निवारण करने वाले, सर्व अर्थ प्रदान कर मनोकामनाएं सिद्ध करने वाले, महाबली, तुष्टि-पुष्टि- संपत्ति के विस्तारक, भक्त को मुसीबत में देख दौड़े चले आने वाले दयालु, कृपालु देवाधिराज हैं जो यक्ष जाति के देवताओं में अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं। श्री घंटाकर्ण देव को हिंदू बौद्ध जैन- सभी प्राचीन भारतीय आम्नाएं विशेष पूजनीय और आराध्य देवता मानती हैं। अष्टभुजाधारी घंटाकर्ण देव खड्ग,धनुष- बाण, त्रिशूल, शंख, चक्र, नागपाश के साथ आशीर्वाद मुद्रा धारण किए हुए हैं जो संकट निवारण तथा रक्षा की प्रतीक है। उत्तर भारत में करनाल एकमात्र ऐसा नगर है जहां इनकी सिद्धपीठ स्थापित है जिसे इस संस्थान के संस्थापक प्रेरक राष्ट्र संत वाचनाचार्य श्री मनोहर मुनि जी महाराज ने अपनी सुदीर्घ साधना तथा तपस्या के द्वारा जीवंत बना दिया है। अंधेर पक्ष की चतुर्दशी श्री घंटाकर्ण देव को प्रसन्न कर उनका आशीर्वाद पाकर अपने जीवन को सुख-संपन्न बनाने का विशेष अवसर है जिस दिन देव दरबार में हाजिरी लगाकर अपना कुशल-मंगल, आनंद-क्षेम सुनिश्चित किया जा सकता है। आरती तथा प्रीतिभोज की सेवा कला मंदिर, अंबाला छावनी के प्रेमसागर जैन की ओर से रही।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न कोर्सो में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को विभिन्न स्नातक व स्नात्तकोतर कोर्सिज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुख्ता प्रबंध किए हुए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और उम्मीदवारों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लिया। उनके साथ दौरे में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल व ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा भी उपस्थित रहे।

आज जिन कोर्सिज के लिए प्रवेश परीक्षा हुई, उनमें बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर चार वर्षीय कोर्स, बीएससी आनर्स एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, बायो-केमिस्ट्री, केमिस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मैथेमेटिक्स, माइक्रो-बायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलोजी, सोसयोलोजी, स्टेटिसटिक्स व जूलॉजी कोर्स, बायोइंफोरमेटिक्स व मोलेक्यूलर बायोलॉजी एंड बायो-टेक्नोलॉजी में एम.एस.सी शामिल है। प्रवेश परीक्षा के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अतिरिक्त हिसार शहर में 9 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 4267 परीक्षर्थियों ने परीक्षा दी। प्रवेश परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया था। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई।

दाखिले के लिए 5950 विद्यार्थियों ने किया था ऑनलाइन आवेदन

परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि

उपरोक्त कोर्सिज में 5950 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। परीक्षा में उम्मीदवारों की कुल 71.71 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि स्नातक कोर्सिज में 72.50 प्रतिशत तथा स्नात्तकोतर कोर्सिज में 63.63 प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित रहे। उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील है कि वे उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर नियमित रूप से चेक करते रहें।

फतेहाबाद शहर के साथ लगते गांवों में पहुंचा बाढ़ का पानी, आर्मी ने संभाला मोर्चा

फतेहाबाद। जिले के जाखल शहर को अपनी चपेट में लेने के बाद रविवार को चिम्मो साइफन से घग्घर का पानी तेजी से बढ़ता नजर आया। एक ओर चिम्मो साइफन से निकला पानी फतेहाबाद शहर की तरफ बढ़ रहा है वहीं दूसरी ओर गांव अहरवां के पास रंगोई नाला टूटने से फतेहाबाद शहरवासियों की चिंता बढ़ गई है। रविवार शाम तक बाढ़ का पानी शहर के साथ लगते गांव भिरड़ाना, अहरवां, हसंगा, बरसीन तक पहुंच चुका था और इन सभी गांवों के खेत जलमग्न हो गए है।

संभावना जताई जा रही है कि सोमवार सुबह तक बाढ़ का पानी फतेहाबाद शहर के आऊटर एरिया को अपनी चपेट में ले लेगा। ऐसे में प्रशासन ने शहर की आबादी को बाढ़ से बचाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। रतिया में रविवार को घग्गर का जलस्तर बढक़र 18 फुट के ऊपर

चला गया है जिस कारण घग्गर पुल के आसपास के क्षेत्र में घग्गर का पानी पहुंच गया है। रतिया प्रशासन ने घग्गर नदी के पुल से भारी वाहनों के प्रवेश को बंद कर दिया है और केवल छोटे वाहनों को ही आने जाने दिया जा रहा है। इसके कारण घग्गर के साथ लगते इलाकों में खेतों में खड़ी फसल में पानी जमा हो गया जिस कारण हजारों एकड़ फसल नष्ट हो गई है। लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा पहले पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए अगर प्रशासन पहले पुख्ता इंतजाम करता तो आस-पास के गांव में हजारों एकड़ फसल को बचाया जा सकता था।

स्थापित किए बाढ़ कंट्रोल रूम

उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि जिला में नागरिकों की सुविधा के लिए बाढ़ राहत कार्य की सूचना व लोगों को मदद उपलब्ध करवाने के लिए जिला प्रशासन ने बाढ़ कंट्रोल रूम स्थापित कर हेल्पलाइन नंबर जारी किए है। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर लघु सचिवालय में जिला प्रशासन ने बाढ़ नियंत्रण कक्ष बनाया है, जिसका हेल्पलाइन नंबर 01667-230018 है। इसी प्रकार से रतिया क्षेत्र के लिए हेल्पलाइन नंबर 01697-250048, टोहाना क्षेत्र के लिए हेल्पलाइन नंबर 01692-298600, जाखल क्षेत्र के लिए 01692-252226 पर नागरिक बाढ़ राहत के लिए संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ ग्रस्त इलाकों में फंसे नागरिक बोट सहायता के लिए मार्केट कमेटी सचिव संदीप गर्ग के मोबाइल नंबर 7015793217 व नायब तहसीलदार सुरेश शर्मा के मोबाइल नंबर 9877103925 पर संपर्क कर सकते हैं। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि बाढ़ राहत कार्य के लिए एनडीआरएफ की टीम से मोबाइल नंबर 87050059004 व 6206194328 तथा मास्टर ट्रेनर वीर सिंह के मोबाइल नंबर 9416640830 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

संक्रांति पर कढ़ी चावल का प्रसाद वितरित किया

करनाल। सनातन धर्म राम मंदिर की ओर से जुलाई माह की संक्रांति पर रविवार को कढ़ी चावल का प्रसाद वितरित किया गया। काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सबसे पहले पंडित कृष्ण द्विवेदी की ओर से भगवान शिव को भोग लगाया गया। तत्तश्चात प्रसाद का वितरण शुरू किया गया। सभा के प्रधान वेद सलूजा एवं राधे श्याम सलूजा सहित तमाम सेवादारों ने श्रद्धा भाव से प्रसाद का वितरण किया। सभा के सदस्यों ने बताया कि मंदिर की और से हर माह की संक्रांति पर कढ़ी चावल के प्रसाद का वितरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि चावल का प्रसाद भगवान को अति प्रिय है। श्री कृष्ण भगवान कढ़ी चावल के प्रसाद से प्रसन्न होते है। रामनगर के सनातन धर्म मंदिर में अक्सर हर आयोजन पर इस तरह का भंडारा और प्रसाद वितरण किया जाता है। यह मंदिर काफी प्राचीन है और श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र भी है। जिस वजह से यहां श्रद्धालुओं की भारी तादाद देखने को मिलती है। बता दें कि राम नगर मंदिर में सावन महोत्सव भी चल रहा है। जहां रोजाना भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया जाता है। रात्रि 8 बजे से लेकर 10 बजे तक भजन होता है। काफी संख्या में श्रद्धालु यहां माथा टेकने आते है।

यमुना में अवैध माइनिंग पर श्वेत पत्र जारी करेः अनुराग ढांडा

जींद। आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कहा कि हथिनी कुंड बैराज से पानी छोडने के दौरान यूपी की नहरों में छोडा जा सकता था, लेकिन उनमें पानी नहीं छोडा गया और न ही पानी को डायवर्ट करने करने की कोशिश की गई। आइटीओ बैराज को हरियाणा हैंडल करता है। जिसके पांचों गेटों को बंद रखा गया।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में इतना पानी पहली बार छोड़ा गया है। सीएम हेलिकाप्टर से दौरा करते हैं। डिप्टी सीएम ट्रैक्टर से निकलते हैं। गृह मंत्री अनिल विज बोट से निकलते हैं, जबकि बाढ़ की चपेट में आए गांव को एक बोट भी नहीं मिली रही है। उन्होंने मांग की कि हरियाण सरकार अवैध माइनिंग पर श्वेत पत्र जारी करे। वे रविवार को रैस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा तथा दिल्ली में बाढ़ मैन मेड डिजास्टर है। सीएम मनोहर लाल ने माना है कि चार लाख एकड़ बाढ़ से प्रभावित हुई है लेकिन मुआवजे के लिए कुछ नहीं बोला। बाढ़ से किसान पूरी तरह टूट चूका है। दोबारा फसल लगाना असंभव है। सरकार को चाहिए कि किसानों को मुआवजा दे। उन्होंने कहा कि सरकार के पास अरबों रुपया आपदा प्रबंधन का है। जिलों को भी करोडों रुपये दिए गए लेकिन तटबंध फिर भी टूट गए। हकीकत में अरबों रुपये की अवैध माइनिंग को छुपाने तथा राजनैतिक द्वेष के चलते जानबूझ कर दिल्ली को डूबाया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने दिल्ली तथा हरियाणा के लाखों लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल दिया है। बाढ़ पूरी तरह सुनियोजित थी। अब सीएम मनोहर लाल बेशर्मी से बाढ़ से फसल खराबा मुआवजा से पल्ला झाडते नजर आ रहे हैं। उन्होंने मांग की कि युमना के अवैध खनन पर श्वेत पत्र जारी करें और बाढग्रस्त इलाकों के किसानो को ज्यादा से ज्यादा मुआवजा दें। इस मौके पर सुभाष कौशिक, वजीर ढांडा, पुरूषोत्तम शर्मा, जितेंद्र कुंडू व अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

दिल्ली मेट्रो का ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण 17 जुलाई से 13 अगस्त तक

झज्जर। दिल्ली मेट्रो द्वारा सोमवार से 13 अगस्त तक ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण-2023 के नौवें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य मेट्रो सेवाओं और सुविधाओं के विभिन्न पहलुओं के बारे में यात्रियों का फीडबैक प्राप्त करना है। एक व्यापक प्रश्नावली के साथ अलग-अलग विषयों पर भाग लेने वाले यात्रियों से विस्तृत फीडबैक लिया जाएगा। सर्वेक्षण में सुधारों के लिए सुझाव भी मांगे जाएंगे। जो भी यात्री इस सर्वेक्षण में भाग लेना चाहेंगे, वो डीएमआरसी की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं और वेबसाइट के होम पेज पर दिए गए लिंक पर क्लिक करके अपने उत्तर दे सकते हैं। सर्वेक्षण फार्म अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में उपलब्ध रहेगा। इस सर्वेक्षण में सात विषयों पर फीडबैक मांगा गया है। ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण में यात्रियों द्वारा उत्तर भरे जाने के लिए एक विषय के संबंध में

सर्वेक्षण का लिंक डीएमआरसी की वेबसाइट पर केवल चार-चार दिन के लिए ही उपलब्ध रहेगा। चार दिन के बाद फीडबैक के लिए अगला विषय उपलब्ध कराया जाएगा। चूंकि सर्वेक्षण के लिए सात विषय रखे गए हैं, यह सर्वेक्षण 28 दिन में समाप्त होगा।

मेट्रो की गतिविधियों पर अपना फीडबैक दे सकेंगे यात्री

-उपलब्धता एवं सुगम्यता
-ग्राहकों को उपलब्ध सुविधाएं
-जानकारी
-सेवाओं की गुणवत्ता
-ग्राहक सेवा
-मेट्रो का बाहरी क्षेत्र
-सुरक्षा, संरक्षा एवं सुविधा

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रधान कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन) अनुज दयाल ने कहा कि दिल्ली मेट्रो द्वारा इस सर्वेक्षण का आयोजन यात्रियों को दी जाने वाली सेवाओं के बारे में उनके विचार जानने के लिए किया जा रहा है। प्राप्त फीडबैक के आधार पर सर्वेक्षण के परिणाम मेट्रो की सुविधाओं और सेवाओं के विभिन्न पहलुओं का आकलन करने और आवश्यक सुधार लाने में सहायक सिद्ध होंगे।

नोएडा में चारदीवारी गिरने से एक बच्चा समेत चार दबे, बच्चे की मौत, अन्य की हालत नाजुक

नोएडा। तेज बरसात कई लोगों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है। इस बरसात के चलते कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। नोएडा के सेक्टर 63 में स्थित ग्राम वाजिदपुर में मार्केट की जर्जर चारदीवारी अचानक गिर जाने से गली से गुजर रहे तीन व्यक्ति व एक बच्चा मलबे में दब जाने के कारण घायल हो गए। चारों को फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने छह वर्षीय बच्चे को मृत घोषित कर दिया है, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई है। देर रात तक राहत और बचाव कार्य जारी था। नोएडा सेंट्रल के डीसीपी अनिल कुमार यादव ने बताया कि नोएडा के सेक्टर 63 में स्थित वाजिदपुर गांव में रामवीर यादव के मकान में बने मार्केट परिसर में 6 दुकानें हैं। इन दुकानों के बगल से होकर एक गली गुजरती है। गली के साथ बनी मार्केट परिसर की चहारदीवारी काफी पुरानी और जर्जर थी। रविवार देर शाम गिर गई। जिस समय यह हादसा हुआ उस समय चार लोग गली से गुजर रहे थे। जो चहारदीवारी के नीचे दब गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने उन्हें निकाल कर फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया। जहां 6 वर्षीय आमिर को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया जबकि रविंद्र, सुरेश और मुकेश की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद से देर रात तक राहत और बचाव कार्य जारी रहा, घटनास्थल के आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई है।

दिल्ली में नशे की लत के कारण इलेक्ट्रिक इंजीनियर बना चोर, गिरफ्तार

नई दिल्ली। नशे की लत को पूरी करने के लिए एक इलेक्ट्रिक इंजीनियर चोर बन गया। दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। द्वारका के डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने बताया कि आरोपी की पहचान कंकड़बाग गांव निवासी सैमी उर्फ अभिषेक (27) के रूप में हुई है। बेटी को सबकी नज़रों से बचाने के लिए आलिया और रणबीर क्या कर रहे हैं और जानेंअधिकारी ने कहा कि 11 जुलाई को उत्तम नगर में चोरी की एक घटना सामने आई थी, इसमें शिकायतकर्ता ने कहा था कि उसका एप्पल मोबाइल फोन, डेल लैपटॉप, ईयरबड और एक बैग उसके घर से चोरी हो गया।

यमुना पुल के रखरखाव में दिल्ली सरकार की कोई भूमिका नहीं है- अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को मोरीगेट स्थित एक स्कूल में लगाए गए राहत शिविर का जायजा लेने के पत्रकार वार्ता कर हरियाणा के उस आरोप का खंड़न किया है, जिसमें कहा जा रहा है कि दिल्ली सरकार ने यमुना पुल के रखरखाव का पैसा नहीं दिया है। इस संबंध में केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने इस बारे में पता किया है। यमुना के पुल के रखरखाव का पैसा दिल्ली सरकार नहीं देती है, बल्कि एनटीपीसी देती है। एनटीपीसी भी केंद्र सरकार के अधीन आती है। इसलिए इस बारे में एनटीपीसी ही सही बता सकती है। यमुना पुल के रखरखाव में दिल्ली सरकार की कोई भूमिका नहीं है। हरियाणा सरकार गलत बोल रही है कि दिल्ली सरकार ने पैसा नहीं है। जब से आईटीओ बैराज के पांच गेट नहीं खुलने का मुद्दा उठा है और मीडिया की सुर्खियों में आया है, तब से वे लोग कोई न कोई बहाना ढूंढ रहे हैं। लेकिन यह समय आपस में दोषारोपण का नहीं है।

बाढ़ से बेहाल दिल्ली के लिए बुरी खबर, फिर लगातार बढ़ रहा यमुना का जलस्तर; बारिश से बढ़ेगा संकट

नई दिल्ली। बाढ़ से बेहाल दिल्ली को राहत मिलती नहीं दिख रही है। कई दिनों बाद खतरे के निशान से नीचे गई यमुना का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। पिछले कुछ घंटो से लगातार पानी बढ़ रहा है और खतरे के निशान से पार है।

बाढ़ से बेहाल दिल्ली के लिए बुरी खबर, फिर लगातार बढ़ रहा यमुना का जलस्तर; बारिश से बढ़ेगा संकट

बाढ़ से बेहाल दिल्ली को राहत मिलती नहीं दिख रही है। कई दिनों बाद खतरे के निशान से नीचे जाती दिख रही यमुना का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। सोमवार सुबह एक बार फिर नदी में पानी पढ़ने लगा और लगातार कई घंटों तक वृद्धि दर्ज की गई। सुबह 10 बजे यमुना का जलस्तर बढ़कर 205.70 हो गया। सुबह 9 बजे जलस्तर 205.58 मीटर दर्ज किया गया, जबकि 8 बजे 205.50 मीटर था।यमुना के जलस्तर ने पिछले सप्ताह 207.49 मीटर के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया था और यह 12 जुलाई को 208 मीटर के

स्तर को पार कर गया था। जलस्तर अब भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर है। दूसरी तरफ हिमाचल से दिल्ली तक एक बार फिर भारी बारिश की भविष्यवाणी ने भी खतरे को बढ़ा दिया है। पहाड़ों पर अधिक बारिश के बाद एक बार फिर हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़ा जा सकता है।इससे पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जलस्तर में कमी शुरू हो गई है और लोग जल्द ही राहत शिविरों से अपने घर लौट सकेंगे। उन्होंने ट्वीट किया, 'पानी नीचे जाने लगा है। अब लोग राहत शिविरों से अपने घर वापस जा सकेंगे। हमें उनकी जिंदगी सामान्य करने में उनकी मदद करनी है। मेरी सबसे अपील है कि तन, मन, धन से लोगों की मदद करें। यह पुण्य का काम है।'

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने लाल किले के पीछे की सड़क साफ कर दी है, जिसमें पानी भर गया था और यह जल्द ही यात्रियों के लिए खोल दी जाएगी। केजरीवाल ने राहत और बचाव प्रयासों में सहयोग के लिए पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड, थल सेना, नौसेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग तथा अन्य सभी अधिकारियों का आभार भी जताया।

ट्रक ने मारी पेड़ को टक्कर, कारों पर जाकर गिरा वृक्ष...बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई 5 गाड़ियां

नई दिल्ली: लापरवाही और तेज रफ्तार का खामियाजा एक या दो नहीं बल्कि 5 गाड़ियों को भी भुगतना पड़ा। दरअसल वेस्ट दिल्ली के मायापुरी थाने इलाके के जनकपुरी में एक ट्रक ने बड़े नीम के पेड़ को टक्कर मार दी। जिसके बाद यह बड़ा पेड़ 5 गाड़ियों पर जा गिरा जिससे सभी गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

जानकारी के अनुसार देर रात सड़क किनारे नीम के पेड़ के नीचे लोगों ने अपनी गाड़ियां खड़ी कर रखी थीं। तभी एक तेज रफ्तार टक्कर ने पेड़ को टक्कर मार दी है। पेड़ टूटकर कारों पर गिर पड़ा। पेड़ की चपेट में आने से 1 स्कॉर्पियो, 2 स्विफ्ट डिजायर, 1 एक्सेंट कार और एक वैगनआर कार आ गई। वहीं पीड़ित कार के मालिक अब ट्रक वाले से क्लेम की मांग कर रहे हैं। फिलहाल मायापुरी थाना पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

अभी घर वापस ना जाएं; यमुना में पानी बढ़ने पर दिल्ली सरकार, बताया कहां तक जाएगा जलस्तर

नई दिल्ली। कई दिनों तक दिल्ली के अहम इलाकों को डुबोए रखने के बाद यमुना में सोमवार को एक बार फिर पानी बढ़ गया। जलस्तर बढ़ने के बाद दिल्ली सरकार ने राहत कैंपों में रह रहे लोगों से गुजारिश की है कि अभी घर ना लौटें। अभी घर वापस ना जाएं; यमुना में पानी बढ़ने पर दिल्ली सरकार, बताया कहां तक जाएगा जलस्तर कई दिनों तक दिल्ली के अहम इलाकों को डुबोए रखने के बाद यमुना में सोमवार को एक बार फिर पानी बढ़ गया। जलस्तर बढ़ने के बाद दिल्ली सरकार ने राहत कैंपों में रह रहे लोगों से गुजारिश की है कि अभी घर ना लौटें। हालांकि, यह भी कहा गया है कि जलस्तर में कम ही इजाफा हुआ है और दिल्लीवालों को खतरा नहीं है। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने ट्वीट करके कहा कि जलस्तर खतरे के निशान से नीचे जाने के बाद ही लोग घरों को लौटें।

मंत्री ने सोमवार को ट्वीट किया, 'हरियाणा में कुछ इलाक़ों में कल भारी बारिश की वजह से आज यमुना का

जल स्तर थोड़ा बढ़ रहा है। केंद्रीय जल आयोग का अनुमान है कि रात तक 206.1 मीटर तक पहुंच सकता है। दिल्लीवालों के लिए इस से खतरा नहीं है। परंतु राहत कैंपों में रह रहे सभी लोगों से अनुरोध है कि वे अभी अपने घर वापस ना जाएं। जल स्तर खतरे के निशान से नीचे आने के बाद ही अपने घरों में वापस जाएं।' दिल्ली पिछले सप्ताह से ही यमुना में आई बाढ़ से त्रस्त है। निचले इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों को अपने घरों को छोड़कर राहत कैंपों में शरण लेनी पड़ी है। बाढ़ का पानी कश्मीरी गेट, आईटीओ, लाल किला, सिविल लाइन्स जैसे इलाकों तक घुस आया था।

पिछले दो दिनों में जलस्तर में लगातार गिरावट आ रही थी। लेकिन सोमवार सुबह एक बार फिर इजाफा होने लगा। सुबह 10 बजे जलस्तर 205.70 तक पहुंच गया। यमुना के जलस्तर ने पिछले सप्ताह 207.49 मीटर के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया था और यह 12 जुलाई को 208 मीटर के स्तर को पार कर गया था। जलस्तर अब भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर है।

इससे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जलस्तर में कमी शुरू हो गई है और लोग जल्द ही राहत शिविरों से अपने घर लौट सकेंगे। उन्होंने ट्वीट किया, 'पानी नीचे जाने लगा है। अब लोग राहत शिविरों से अपने घर वापस जा सकेंगे। हमें उनकी जिंदगी सामान्य करने में उनकी मदद करनी है। मेरी सबसे अपील है कि तन, मन, धन से लोगों की मदद करें। यह पुण्य का काम है।'

हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस से अदालतों में सुरक्षा कड़ी करने पर नई स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा

नई दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को शहर पुलिस से यहां की अदालतों में सुरक्षा कड़ी करने के मुद्दे पर ताजा स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा। मामले की अध्यक्षता करते हुए, मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अगुवाई वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि ताजा स्थिति रिपोर्ट सभी हितधारकों द्वारा हाल ही में आयोजित एक संयुक्त बैठक के अनुसार सुझाई गई और लागू की गई सिफारिशों और कदमों पर आधारित होनी चाहिए।

अप्रैल में, उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और बार एसोसिएशनों से यहां की अदालतों में सुरक्षा मजबूत करने के उपाय सुझाने को कहा था।

पीठ निचली अदालतों में कड़ी सुरक्षा के उपाय और 2021 में रोहिणी कोर्ट में इसी तरह की घटना के बाद शुरू किए गए स्वत- संज्ञान मामले की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। दिल्ली की अदालतों में गोलीबारी की श्रृंखला में, 5 जुलाई को तीस हजारी अदालत परिसर में हुई एक हालिया घटना ने अदालत जाने वालों में डर पैदा कर दिया है।

अप्रैल में एक निलंबित वकील ने साकेत कोर्ट के अंदर एक महिला को गोली मार दी थी. सोमवार को सुनवाई के दौरान, पीठ में न्यायमूर्ति संजीव नरूला भी शामिल थे, जिन्होंने दिल्ली पुलिस की स्थिति रिपोर्ट पर ध्यान दिया, इसमें कहा गया था कि 6 मई को बार काउंसिल ऑफ दिल्ली के सदस्यों, सभी अदालतों के बार एसोसिएशनों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी। सुरक्षा इकाई एवं जिला यातायात इकाई से। अदालत ने कहा कि बैठक में कुछ निर्णय लिए गए और दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष को उच्च न्यायालय में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में सूचित किया गया।

स्थिति रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अदालतों में सुरक्षा के मामले में अदालत द्वारा जारी निर्देशों के कार्यान्वयन के संबंध में सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भवन रखरखाव समिति, संबंधित अदालतों की सुरक्षा सेल और अन्य हितधारकों के साथ नियमित बैठकें की जा रही हैं।

अदालत ने अब मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को तय की है। पिछले साल सितंबर में, अदालत ने अपने प्रशासनिक पक्ष से जुलाई 2019 में दायर एक जनहित याचिका पर ताजा स्थिति रिपोर्ट मांगी थी।

वकील कुंवर गंगेश सिंह ने जनहित याचिका दायर कर शहर भर की विभिन्न जिला अदालतों की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के निर्देश देने की मांग की थी। अदालत ने तब दिसंबर 2021 में अदालत परिसरों की सुरक्षा और इसकी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा और सुधार से संबंधित निर्देश जारी किए थे।

54 एमजीडी पानी का उत्पादन कर रहा है वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट ने 54 एमजीडी पानी का उत्पादन शुरू कर दिया है। केजरीवाल ने ट्वीट किया, वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता 134 एमजीडी है। इसने 54 एमजीडी का उत्पादन शुरू कर दिया है। इसी प्लांट में उपकरणों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उम्मीद है कि यह जल्द ही पूरी क्षमता से काम करना शुरू कर देगा। इंजीनियर चौबीस घंटे सातों दिन काम कर रहे हैं। यमुना नदी में बढ़ते जल स्तर के कारण वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला में जल उपचार संयंत्र अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए थे, जिससे कुछ क्षेत्रों में पानी की कमी हो गई है।

भारी बारिश और यमुना का जलस्तर बढ़ने के कारण टूटा हुआ दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) का रेगुलेटर ठीक कर दिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ इलाके सोमवार को भी जलमग्न रहे। लाल किले के पीछे लगभग 10-12 फीट गहरा पानी था और आईटीओ, आईएसबीटी, राजघाट और शांति वन जैसे आसपास के इलाकों में भी पानी भर गया था।

सबसे बड़े श्मशान घाट निगम बोध घाट के पास पानी आठ फीट गहरा था। जो फिलहाल बंद है।

ग्रेटर नोएडा में दबंगों ने ढाबा संचालक को पीटा, सीसीटीवी कैमरे में मारपीट कैद

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाने से चंद कदमों की दूरी पर स्थित ढाबे में दो दबंगों ने ढाबे के काउंटर पर रखा हुआ सामान फेंक दिया और विरोध करने पर ढाबा संचालक और उसके कर्मचारियों पिटाई कर दी। दबंगों द्वारा की गई मारपीट की घटना ढाबे पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। दबंगों की ढाबे में किये गये उत्पात और ढाबा संचालक को पीटने वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना रविवार रात की है।

हबीबपुर गांव में देवीलाल एक ढाबा चलाता है, ढाबे पर दो युवक आए इन लोगों का देवीलाल के साथ विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि दोनों लोग ढाबे पर शराब पीने की बात कर रहे थे, जिसका देवीलाल ने विरोध कर दिया और ढाबे पर शराब पीने से उन्हें मना कर दिया। दोनों दबंग इतना गुस्सा हो गए कि एक युवक ने ढाबे के काउंटर पर रखा हुआ सामान फेंकना शुरू कर दिया और उसके बाद उन दोनों लोगों ने ढाबा संचालक के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। दोनों दबंग मारपीट करने के बाद मौके से फरार हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मारपीट में घायल हुए देवीलाल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। ईकोटेक-3 थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि देवीलाल के ढाबे पर दबंगों द्वारा मारपीट का वीडियो सामने आया है। मारपीट करने वाले एक दबंग की पहचान बबली और उसके साथी के रूप में हुई है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

3 दिन होटल में रहे फिर बुकिंग साइट के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

दिल्ली। HC ने MakeMyTrip के खिलाफ दायर कथित धोखाधड़ी के मामले में स्नढ्ढक्र की मांग वाली याचिका को रद्द कर दिया है। याचिकाकर्ता ने होटल में ज्यादा पैसे और दिखाई गई सुविधाएं न मिलने का आरोप लगाया है। 3 दिन होटल में रहे फिर बुकिंग साइट के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

दिल्ली हाई कोर्ट ने कथित तौर पर धोखाधड़ी के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। याचिकाकर्ता ने मोबाइल ऐप मेकमाईट्रिप इंडिया लिमिटेड, उसके निदेशकों और एक प्राइवेट होमस्टे एंड किचन नैनीताल (उत्तराखंड) के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। शिकायतकर्ता वकील के अनुसार, उनसे प्रति दिन 7950 रुपये का शुल्क लिया गया था। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि अन्य लोगों से उन्हीं सुविधाओं के लिए 2 हजार से 3 रुपये ही लिए गए थे। वकील ने कोर्ट में कहा कि टॉप होटलों की कीमत भी 2 से 3 रुपये है, लेकिन स्टोर रूम की तरह दिखने वाले जर्जर कमरे के लिए उनसे प्रति दिन 8000 रुपये वसूले गए। वकील ने आरोप लगाया कि होटल ने पैसे वापस नहीं किये न ही बुकिंग के समय दिखाए गए अनुसार कमरा दिया और उनसे 23 हजार से अधिक रूपये ले लिए गए। इससे पहले, मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत आवेदन और सीआरपीसी की धारा 200 के तहत शिकायत को खारिज कर दिया था। मजिस्ट्रेट ने टिप्पणी कि

थी 'अदालत के सवाल पर, याचिकाकर्ता किसी भी दस्तावेज या प्रतिनिधित्व या तस्वीर नहीं दिखा पाया है। वकील ने मनगढंत तरीके से अपने मन में ये शिकायत बना ली है।'सरकारी वकील अमित साहनी ने कोर्ट में कहा कि तीस हजारी कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार करते हुए सीआरपीसी की धारा 156 (3) के तहत आवेदन को खारिज कर दिया है। इस तरह उच्च न्यायालय के किसी भी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। अमित साहनी ने आगे कहा, 'स्नढ्ढक्र दर्ज करने की प्रार्थना करने वाले आवेदन को खारिज करने के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश के खिलाफ, याचिकाकर्ता को सत्र न्यायालय के समक्ष याचिका दायर करनी चाहिए थी, जबकि उसने अपने पास उपलब्ध उपाय को दरकिनार करते हुए सीधे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।'उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि मजिस्ट्रेट ने सीआरपीसी की धारा 200 के तहत उसकी शिकायत को सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत आवेदन के साथ गलत तरीके से खारिज कर दिया था। यह तर्क दिया गया कि मजिस्ट्रेट को शिकायतकर्ता के साक्ष्य के लिए मामला तय करना चाहिए था। मामले में यह पाया गया कि शिकायत संज्ञेय अपराध का खुलासा नहीं कर रही है।

ग्रेटर नोएडा के अजनारा होम्स में एक फ्लैट के बेडरूम में छत के प्लास्टर का टुकड़ा गिरा, बाल बाल बचे लोग

ग्रेटर नोएडा। नाम बड़े और दर्शन छोटे, कुछ ऐसा ही हाल हो रहा है उन सभी बड़े बिल्डर्स का जिन्होंने लोगों से लाखों करोड़ों रुपए लेकर उनके सपनों का घर उनको दिया था। अब उस घर में रहने की वजह से लोगों को काफी तकलीफें उठानी पड़ रही हैं। घटिया सामग्री से किए गए बिल्डिंग और फ्लैट के निर्माण का असर कुछ दिनों बाद ही देखने को मिलना शुरू हो गया है। ताजा वीडियो जो सामने आया है वह ग्रेटर नोएडा

वेस्ट के अजनारा होम्स का बताया जा रहा है। एक फ्लैट के बेडरूम की छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर अचानक नीचे गिर गया और लोग बाल-बाल बच गए।

ग्रेटर नोएडा के यमुना में डूबे दो युवकों के शव बरामद, एनडीआरएफ तलाश में जुटी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर इलाके के मकनपुर बांगर में रहने वाले एक किशोर और एक युवक की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। ये दोनों अपने खेत में यमुना के पानी में नहा रहे थे। जब दोनों डूबने लगे तो उनके परिजन भी पास में ही मौजूद थे, लेकिन उन्हें बचा नहीं पाए।

रविवार से ही इनको ढूंढने का प्रयास एनडीआरएफ और लोकल पुलिस द्वारा किया जा रहा था लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी। आज सोमवार को पुलिस ने बताया है कि रामपुर खादर के पास इन दोनों के शव बरामद हुए हैं और शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 16 जुलाई को थाना दनकौर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मकनपुर बांगर के दो युवक धीरज (21 वर्ष) एवं संगीत (17 वर्ष) यमुना के बाढ़ के पानी में

स्नान करते हुए डूब गए। सूचना मिलने के बाद युवकों की तलाश के लिए एनडीआरएफ टीम/एसडीआरएफ टीम, लोकल गोताखोर और थाना दनकौर पुलिस द्वारा निरंतर संयुक्त रूप से तलाश व सर्च अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में सोमवार को दोनो युवक धीरज व संगीत के शव रामपुर खादर के सामने यमुना के बाढ के पानी में मिल गये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राज्यसभा चुनाव : एस जयशंकर समेत भाजपा के तीनों उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में राज्यसभा की सभी तीन सीटों पर निर्विरोध उम्मीदवार चुन लिए गए हैं। भाजपा के तीन उम्मीदवार एस जयशंकर, केसरीदेवसिंह और बाबुभाई देसाई निर्विरोध चुनाव जीत गए हैं। बता दें कि राज्यसभा की 3 सीटों के लिए 24 जुलाई को मतदान होना था, लेकिन कांग्रेस की ओर से कोई उम्मीदवार नहीं उतारने से भाजपा के तीनों प्रत्याशियों को निर्विरोध विजेता घोषित किया गया है। भाजपा के तीनों डमी उम्मीदवारों ने अपना पर्चा वापस ले लिया है। गुजरात में राज्यसभा के लिए विजेता उम्मीदवार एस जयशंकर, केसरीदेवसिंह और बाबुभाई देसाई आगामी 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहे मानसून सत्र में शपथ लेंगे। गुजरात में राज्यसभा की 3 सीटों के लिए चुनाव की घोषणा की गई थी। 13 जुलाई नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख थी। पर्याप्त संख्याबल नहीं होने की वजह से कांग्रेस ने पहले ही मैदान छोड़ दिया था। इस कारण भाजपा के तीनों उम्मीदवार सरलता से निर्विरोध चुन लिए गए। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव में विदेश मंत्री एस जयशंकर

शिक्षक ने नाबालिग छात्र के साथ किया अप्राकृतक दुष्कर्म

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरूकी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट, शिक्षा जगत को शर्मशार करने वाली एक और घटना सामने आई है। राजकोट में शिक्षक ने नाबालिग विद्यार्थी के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म किया। परिवार को जब इसका पता लगा तब 15 दिनों के बाद मामला पुलिस थाने पहुंच गया। पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। घटना राजकोट जिले को गोंडल की है। जानकारी के मुताबिक गोंडल के शिक्षक ने अपने नाबालिग विद्यार्थी के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म किया। गोंडल बस स्टेशन के निकट स्थित एक गेस्ट हाउस में विद्यार्थी को लेकर शिक्षक ने उसके साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद शिक्षक ने विद्यार्थी को धमकी दी थी। पीड़ित विद्यार्थी के परिवार को जब इसका पता चला तो उसने 15 दिनों के बाद शिक्षक के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस तुरंत हरकत में आ गई और आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरूकर दी।

17 वर्षीय विद्यार्थी की हार्ट अटैक से मौत, चालू स्कूल में बेहोश होकर गिर पड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,गुजरात में छोटी आयु में हार्ट अटैक से एक और मौत की घटना सामने आई है। राजकोट में चालू स्कूल के दौरान 17 वर्षीय विद्यार्थी अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। विद्यार्थी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक राजकोट की लालबहादुर शास्त्री स्कूल में 17 वर्षीय मुदीत अक्षयभाई नलियापरा कक्षा 12वीं का छात्र है। चालू कक्षा में मुदीत के अचानक बेहोश होकर गिरने से स्कूल में अफरातफरी मच गई। स्कूल प्रबंधन ने तुरंत मुदीत को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने मुदीत की जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल विद्यार्थी की मौत हार्ट अटैक से होने की आशंका व्यक्त की गई है। मुदीत की मौत से परिवार शोक में है। बता दें कि बीते दिन उत्तर गुजरात के मोडासा में 20 वर्षीय पर्व सोनी युवक की क्रिकेट खेलते समय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। पर्व सोनी ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। क्रिकेट खेल रहा पर्व सोनी अचानक ढेर हो गया। पर्व को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। दिल का दौरा पड़ने की खासकर युवाओं में ऐसी घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ रही है।

જાણિતા કલાકાર ભાઉ કદમનું મરાઠી નાટક 'કરુન ગેલો ગાવ' ને સુરતમાં રહેતા મરાઠી લોકોનો બહોળો પ્રતિસાદ મળ્યો

રવિવારે સંજીવકુમાર ઓડિટોરિમ ખાતે યોજાયેલ નાટક હાઉસફુલ થયો,

ક્રાંતિ સમય, સુરત
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

મરાઠી નાટક ‘‘કરુન ગેલો ગાવ ’’ નું સુરત ખાતે રવિવારના રોજ આયોજન કરાયું હતું, સુરતના જાણીતા આર.આર.ઈવેન્ટ્સ એન્ડ એન્ટરટેઇન્મેન્ટના રાજ રણપિસે અને રાજેન્દ્ર તાંદલેકર દ્વારા સંજીવકુમાર ઓડિટોરિમ ખાતે સુંદર આયોજન કરાયું હતું, જેના પ્રસ્તુતકર્તા માનગાવ- મહાડ - પોલાદપુર ના ધારાસભ્ય (આમદાર) શ્રી ભરતશેઠ ગોગાવલે સાહેબ તેમજ ચેનલ આઈ વિટનેસ દ્વારા કર્યું હતું, જેમાં સુરતવાસીઓનો જબ્બર પ્રતિસાદ મળ્યો હતો, મરાઠી નાટક ‘‘કરુન ગેલો ગાવ’’ માં મુખ્ય પાત્રમાં જાણીતા મરાઠી કલાકાર ભાલચંદ્ર (ભાઉ) કદમ ,ઉષા સાટમ, નુપુર દુદવડકર, પ્રણવ જોશી, અનુષ્કા બોરહાડે સૌરભ ગુજલે, સચિન શિંદે, સુમીત સાવંત, દીપક લાંજેકર અને ઓમકાર ભોજને હતા. કાર્યક્રમનું ઉદ્ઘઘાટન યુથ ફોર ગુજરાતના પ્રમુખ જીગ્નેશભાઈ પાટીલ, ભાજપ ઉપપ્રમુખ શ્રી છોટુભાઈ પાટીલ , સુરત મહાનગરપાલિકા બાંધકામ સમિતિના અધ્યક્ષ રોહિણીબેન છોટુભાઈ પાટીલ , તેમજ ચેનલ આઈ વિટનેસ ,નવગુજરાત ટાઈમ્સ અને એસએસન્યુઝના મેનેજીંગ ડિરેક્ટર ગણેશભાઈ પી. સાવંત દ્વારા કર્યું હતું, કાર્યક્રમમાં અતિથિ તરીકે પરેશભાઈ મોરે, પ્રદીપભાઈ મોરે, અશોકભાઈ દુધાણે , દિપકભાઈ કદમ,અશોક ભાઈ પોટે લક્ષ્મણ ભાઈ ડીગે,પ્રકાશભાઈ મ્હાલુંગે, ,સંતોષભાઈ કદમ, જુગલભાઈ કદમ, તેજસભાઈ મોરે , ધર્મેશભાઈ તાંદલેકર, હરીશભાઈ સપકાલ, ટીનુભાઈ તાંદલેકર, જયેશભાઈ ધોધરેકર ,કમલાકર મોરે સહિતના સમાજ અગ્રણીઓ ઉપસ્થતિ રહ્યા હતા. મરાઠી નાટક ‘‘કરુન ગેલો ગાવ ’’ નાટકથી તેઓ મેસેજ આપે છે કે આપણે ભલે નૌકરી ધંધા માટે બીજે જઈએ પણ આપણું ઘર, જમીન નહિ વેચવું.

નહિ તો આપણી આવનારી પેઢી મૂળિયાં વગરના છોડ જેવી થઇ જશે. તેથી નાટક પત્યા પછી ભીની આંખે લોકો વિદાય લેતા હોય છે. નાટક કોમેડી છે જેમાં એક એવા ગામની વાત છે જેમાં કોઈ મગજમારી નથી પણ પોલિટિક્સના આવાથી બધી પ્રોબ્લેમ શરૂ થઇ જાય છે. નોંધનીય છે કે જાણીતા મરાઠી કલાકાર ભાલચંદ્ર કદમ (ભાઉ કદમ) નો કોમેડી શો ‘‘ચલા હવાયેઉ દિયા’’ એટલો હિટ છે કે હિન્દી પિક્ચરના પ્રોમોશન માટે મોટા મોટા કલાકારો એમના શોમાં આવે છે. મરાઠી નાટક ‘‘કરુન ગેલો ગાવ ’’ ના ૧૫૦૦ પાસ વિનામૂલ્યે આમદાર શ્રી ભરતશેઠ ગોગાવલે સાહેબ હસ્તક વિતરણ કરવામાં આવેલ હતા.

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और
समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com